माना जायेगा । दोषी पाये जाने पर एक साल की सजा और 20000का जुर्माना किया जाने का प्रावधान है। दूसरी तरफ नारी सशक्तिकरण के लिये केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकार भी महिलाओं को सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के लिये प्रयत्नशील दिखती है। बिहार सरकार ने पंचायत चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत् का आरक्षण देकर अहम अधिकार दिया है। मुख्यमंत्री नारी सुरक्षा योजना के तहत स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिये जीविका परियोजना को माध्यम बनाया है। जीविका परियोजना केंद्र सरकार के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब महिलाओं को सीधा लाभ देने के लिये प्रशिक्षण एवं ऋण की व्यवस्था कराने का प्रावधान है। साथ ही साथ सरकारी नौकरी में महिलाओं के लिये आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। बिहार पुलिस में भी महिलाओं का सेल बनाया गया है। कई क्षेत्रों में महिला नारी सशक्तिकरण के लिये जागरूकता अभियान चला कर ग्रामीण क्षेत्र के गरीब महिलाओं को आत्मसम्मान से जीने की कला सीखाया जा रहा है। जीवन के हर क्षेत्रों मे महिलाओं ने अपना परचम लहराया है। विधालयों में आत्मरक्षार्थ बच्चियों को जूडो कराटा से जोड़ा जा रहा है, जिसको अच्छी शुरूआत कहा जा सकता है। बावजूद महिला उत्पीड़न एवं महिलाओं पर अत्याचार यौन शोषण के प्रत्युतर नारी सशक्तिकरण को और व्यापक एवं ठोस बनाने की जरूरत है। कालांतर में भी नारी अगर नगरवधू या दासी कही जाती थी तो उस समय भी नारी देवी के रूप में दुर्गा, लक्ष्मी, एवं सरस्वती थी। लक्ष्मीवाई, जोधावाई जैसे विरांगनों की गाथा आज प्रासंगिक हो गयी है। आज भी हमारे यहाँ नारियों में वौद्रिक ज्ञान शारिरिक सौन्दर्यता प्रतिस्पर्धा एवं जीवन में कुछ करने की ललक मौजूद है। वशर्ते सही समय और सही दिशा एवं सही संरक्षक की जरूरत है। हम अपने सभ्यता और संस्कृति की रक्षा एवं नारियों के सम्मान के लिये नैतिक जिम्मेवारी को समझते हुए नैतिक कर्तव्यों का बोध आमजन मानस में कराने की जिम्मेवारी सभी जिम्मेवार भारतीय नागरिकों का होता है। साथ ही साथ महिलाओं का भी अपनी मर्यादा का ख्याल कर चलने की जरूरत है। आज नारियों को भी आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। भड़काउ पोशाक एवं अंग प्रदर्शन करने वाली प्रचलन हमारी सभ्यता और संस्कृति इसके मर्यादा के खिलाफ है, जिसे हमें सदैव ध्यान में रखकर जीवन के उत्सर्ग को प्राप्त करने की जरूरत ही नहीं वरण आवश्यक्ता है। इसी से हमारी सभ्यता और संस्कृति की रक्षा के साथ नारी सशक्तिकरण का सपना पुरा हो सकता हैं। अगर हम बिहार की बात करें तो बिहार में हाल ही के दिनों में कई ऐसे मामले आये हैं। जिसके कारण बिहार की किरकिरी पूरे देश में हुई है। सरकार एक तरफ महिलाओं की सुरक्षा का दय भरती है। दुसरी तरफ मुजफ्फरपुर के शेल्टर होम जैसी घटनायें व्यव्स्था की पोल खोलती हैं। मुजफ्फरपुर सेल्टर होम में रह रहे अनाथ, बेसहारा लड़कियों, युवतियों के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया है। वह सभ्य समाज के लिये कलंक है। ऐसी घटनायें बिहार के कई जिलों स्थित महिलाओं के आवासन, छात्रावास, अनाथालय, हरिजन छात्रावास सहित कई स्थानों पर महिला अपने आप को असुरक्षित समझती हैं। सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिये बनाये गये कानून को सख्ती से लागू कर यौन उत्पीड़न के मामले में दोषियों को किसी भी सूरत में नही बख्शा जायें। नारी हमारी सम्यता और संस्कृति की धोतक है यह तीन रूपों में हमारी सदैव रक्षा करती है। चाहे वह मॉ का रूप बहन हो या पत्नी हो । सभ्य समाज में इसकी सुरक्षा के लिये सभी हो आगे आना होगा तभी महिला सशक्तिकरण सफल हो सकता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 2018 में अपने अहम फैसले में 12 साल से कम उम्र की बच्चियों से बलात्कार के मामलों में दोषी व्यक्तियों को मृत्युदंड तक की सजा देने संबंधी अध्यादेश को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी। केंद्रीय कैबिनेट ने अध्यादेश को अपनी स्वीकृति दी थी जिसके तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों से बलात्कार करने के दोषी ठहराये गये व्यक्ति के लिये मृत्युदंड की सजा सुनाए जाने की अदालत को इजाजत दी गई है। गजट अधिसूचना में कहा गया है, ''संसद का सत्र अभी नहीं चल रहा है और राष्ट्रपति इस बात से संतुष्ट हैं कि जो परिस्थितियां हैं उनमें यह आवश्यक था कि वह तत्काल कदम उठाएं''। इसके अनुसार संविधान के अनुच्छेद 123 के उपखंड (1) में दी गई शक्तियों का उपयोग करते हुए राष्ट्रपति ने इस अध्यादेश को मंजूरी दी है। आपराधिक कानून (संशोधन) अध्यादेश 2018 के अनुसार ऐसे मामलों से निपटने के लिये नयी त्वरित अदालतें गठित की जाएंगी और सभी पुलिस थानों एवं अस्पतालों को बलात्कार मामलों की जांच के लिए विशेष फॉरेंसिक किट उपलब्ध करायी जाएगी। अध्यादेश के मुताबिक महिलाओं से बलात्कार मामले में न्यूनतम सजा सात साल से बढ़ा कर 10 साल सश्रम कारावास की गई । इसे अपराध की प्रवृत्ति को देखते हुए उम्रकैद तक भी बढ़ाया जा सकता है। 16 साल से कम उम्र की लड़कियों से सामूहिक बलात्कार के दोषी के लिये उम्रकैद की सजा का प्रावधान बरकरार रहेगा। इस अध्यादेश के मुताबिक 16 साल से कम उम्र की लड़कियों के बलात्कार के मामले में न्यूनतम सजा 10 साल से बढ़ाकर 20 साल की गई और अपराध की प्रवृत्ति के आधार पर इसे बढ़ाकर जीवनपर्यंत कारावास की सजा भी किया जा सकता है। यानी दोषी को मृत्यु होने तक जेल की सजा काटनी होगी। अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), साक्ष्य अधिनियम, आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और यौन अपराधों से बाल सुरक्षा (पोक्सो) अधिनियम को अब संशोधित माना जायेगा। अध्यादेश में मामले की त्वरित जांच एवं सुनवाई की भी व्यवस्था है अधिकारियों ने बताया कि बलात्कार के सभी मामलों में सुनवाई पूरी करने की समय सीमा दो माह होगी। साथ ही, 16 साल से कम उम्र की लड़कियों से बलात्कार या सामूहिक बलात्कार के आरोपी व्यक्ति को अंतरिम जमानत नहीं मिल सकेगी। इसमें यह भी प्रावधान किया गया है कि 16 साल से कम उम्र की लड़की के साथ बलात्कार के मामलों में जमानत आवेदनों पर फैसला करने से पहले अदालत को सरकारी वकील और पीड़िता के प्रतिनिधि को 15 दिनों का नोटिस देना होगा। एक अधिकारी के मुताबिक, बलात्कार के मामलों में सख्त सजा सुनिश्चित करने के लिए न्यायपालिका की शक्तियां बढ़ाने के साथ ही कैबिनेट ने कई दूसरे कदमों को भी मंजूरी दी है। इनमें राज्यों और संबंधित उच्च न्यायालय के साथ विचार-विमर्श करके त्वरित अदालतों की स्थापना शामिल हैं। ●

अध्यादेश के अहम प्रावधान

- बच्चियों से दुष्कर्म के मामलों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें गठित की जाएंगी।
- मामलों में पीड़ितों का पक्ष रखने के लिए राज्यों में विशेष लोक अभियोजकों के नए पद सृजित होंगे।
- वैज्ञानिक जांच के लिए सभी पुलिस थानों और अस्पतालों में विशेष फॉरेंसिक किट मुहैया कराई जाएंगी।
- रेप की जांच को समर्पित पुलिस बल होगा, जो समय सीमा में जांच कर आरोप पत्र अदालत में पेश करेगा।
- क्राइम रिकार्ड ब्यूरो यौन अपराधियों का डेटा तैयार करेगा, इसे राज्यों से साझा किया जाएगा।
- पीड़ितों की सहायता के लिए देश के सभी जिलों में एकल खिड़की बनाया जाएगा।

नवादा का नीरव मोदी बना रीतेश अग्रवाल

● मिथिलेश कुमार/संदीप कुमार

फ्रॉड के मामले में देश के कई लोगों ने जहॉ बैंक को करोड़ों रूपया का चूना लगाकर विदेश का रूख कर लिया है, ठीक उसी प्रकार नवादा का नीरव मोदी नगर के प्रतिष्ठित व्यवसाय से जुड़े व्यापारी रीतेश अग्रवाल ने कई लोगों से व्यवसाय के नाम पर करोड़ो रूपया लेकर फरार हो गया है। नगर के व्यसायी गोपाल प्रसाद ने रीतेश अग्रवाल के विरूद्व व्यवहार न्यायालय में मामला दर्ज कराया है। गोपाल प्रसाद ने बताया कि रीतेश अग्रवाल का पुरा परिवार एक बड़ा नेटवर्क पैसों के लेनदेन का चलाता है और प्रतिष्ठान के नाम पर दुसरे व्यसायियों से करोड़ो रूप्या लेकर फरार हो गया है। क्या है मामला – गोपाल प्रसाद ने बताया कि रीतेश अग्रवाल ने मुझसे और मेरे भाई सत्यम रूपेश से दो किस्तों में 80 लाख रूपये वर्ष 2013 के पूर्व ही अपने व्यवसाय में पुंजी बढ़ाने के नाम पर लिया था,

In the Court of A.C.J.M. Nawada

Schedule XLII Form No. (M) 23C

WARRANT OF ARREST

(Form No. 2, Schedule II Act. 2, 1974)

[Section 70 of the code of Criminal Procedure.]

गिरफ्तारी का वारंट

जिसका एग्रीमेंट पेपर भी बनाया गया था। उस समय रीतेश अग्रवाल ने किस्तों में राशि अदायगी की बात की थी। परन्तु कई बार रूपये वापसी का जिक्र करने के बाद भी रीतेश अग्रवाल पैसा वापस करने में आना–कानी करने लगा तब जाकर मेरे द्वारा नवादा व्यवहार न्यायालय में परिवाद दायर किया जिसका संख्या 1667, 1668, 1669, 1670 वर्ष 2013 है। इस मामले में रीतेश को जिला सत्र न्यायाधीष ने अग्रिम जमानत नही दी तब जाकर रीतेश अग्रवाल ने पटना हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर किया परन्तु विद्वान न्यायाधीश ने मामले की गंभीरता को देखते हुये उसकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दिया उसके बाद अपनी गिरफ्तारी के भय से उसने परिवार और रिश्ते की दुहाई देकर जल्द ही राशि वापस करने एवं चेक के माध्यम से राशि हस्तगत कराने की बात पर समझौता बाद लाया लेकिन रीतेश अग्रवाल के मन में राशि अदायगी नही करने एवं हड़पने की मंशा पाल लिया और चेक के माध्यम से भुगतान करने के लिये दिया परन्तु चेक बाउंस हो गया चेक बांउस मामले में रीतेष को न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। इधर रीतेश अग्रवाल फरार बताया जाता है। कौन है रीतेष अग्रवाल गोपाल प्रसाद ने बताया कि रीतेश अग्रवाल नवादा का प्रतिष्ठित व्यवसायी नंदलाल अग्रवाल के द्वारा गोद लिया हुआ दतक पुत्र है। इसका असली पिता शिवहरी अग्रवाल है। यह चार भाई है जिसमें राजीव नयन, अनिल अग्रवाल और अंकित अग्रवाल हैं जो हिसुआ थाना क्षेत्र में खानपुर के पास सरकारी भूमि के अवैध कब्जे को लेकर हिसुआ थाना का नामजद अभियुक्त हैं। इसके उपर धोखाधड़ी कर गलत तरीके से सरकारी भुमि पर अवैध कब्जा करने का आरोप है। गोपाल प्रसाद ने बताया कि रीतेश अग्रवाल के विरूद्व मेरे द्वारा कुल ग्यारह मुकदमे दायर किये गये हैं जिसमें कुल एक करोड़ बाइस लाख रूप्ये राशि को हड़पने का आरोप है पीड़ीत ने रीतेश अग्रवाल के खानदान पर गंभीर आरोप लगाते हुये कहा कि सभी परिवार पैसे लेने वक्त एक हो जाता है और जब लौटाने की बारी आती है तो एक दुसरे पर पासा फेंक कर अपना पिंड छुडाना चाहता है। यह भगोडा नीरव मोदी और विजय माल्या के टक्कर का बहुत बड़ा फ्रॉड है उसने प्रशासन से वारंट का तामिला कराने का अनुरोध करते हुये उसकी जल्द गिरफ्तारी की मांग किया है। इस मामले को दबाने के लिये कई हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, साथ ही साथ पुलिस भी मालदार पार्टी होने का लाभ उठा रही है। इस मामले में पुलिस की सक्रियता नगण्य दिख रही है। रीतेश अग्रवाल की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस गम्भीर नही दिखती है जिसके कारण पीड़ित को अनहोनी की भी आशंका दिख रही है। क्योंकि ऐसे कई बड़े मामले में कई घटनाएं होने की आशंका प्रबल हो जाती है। रीतेश अग्रवाल के नजदीकी रिश्तेदारों की माने तो वह गिरफ्तारी के डर से देश के कई राज्यों में सैर सपाटे और मस्ती में लगा हुआ है। पुलिस को उसका ट्रेस नही मिल रहा है या बहाना कर रही है। मामला चाहे जो हो लेकिन इतनी बड़ी राशि को गटकने के पीछे कहीं न कहीं कोई बात अवश्य रही होगी। पुलिस का इस मामले में क्या रवैया होता है यह तो गर्त में डूबी बात है। ●

धूम-धाम से मना सम्राट अशोक कुशवाहा सेवा समिति का स्थापना दिवस

● **मिथिलेश कुमार**

नवादा जिले के हिसुआ प्रखण्ड मुख्यालय स्थित कन्या इंटर विद्यालय के मैदान में आयोजित सम्राट अशोक कुशवाहा सेवा समिति ट्रस्ट के स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सतीश प्रसाद सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में जिले के बिभिन्न प्रखंडो एवं अन्य जिलों से आये अतिथियों का स्वागत समिति के सदस्यों ने बुके और मेमोंटो देकर किया। समारोह में आये अतिथियों को विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत से स्वागत किया।समारोह की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मनोज कुशवाहा एवं संचालन सचिव रमेश कुशवाहा ने किया। समारोह में सम्राट अशोक के चित्र पर पुष्प समर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ करते हुए वक्ताओं ने उनके द्वारा मानव हितों के लिये किये गए कार्य और विश्व कल्याणार्थ हेतु उनके योगदान को नमन किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट अशोक सेवासमिति के द्वारा किया गया समारोह की जितनी भी तारीफ की जाए वह कम है, मैं समिति को इसके लिये शुभकामना देता हूं। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक ने चक्रवर्ती सम्राट की भूमिका निभाते हुए लोगों के दिलों पर राज किया।उन्होंने सम्पूर्ण जगत के कल्याण के लिये बुद्ध के मार्ग को चुना और उनके अनुयायी बनकर विश्व को शांति का पैगाम दिया। उन्होंने कहा कि आज परिस्थितिया विपरीत हो रही है राजनैतिक अलगाववादी छद्म भेष में हमारे समाज को तोड़ने का प्रयास कर रहे है जिसमे उन्हें सफलता भी मिल रही है। मौर्यवंश ने कभी सिद्धान्तों से समझौता नही किया और नही किसी के सामने हाथ पसारने का काम किया है। हम वैसे महान सम्राट अशोक के बंशज है हमे अपने अतीत और इतिहास का गौरव प्राप्त है। अभी समय है समाज को फिर से एक सूत्र में बांधकर सम्राट अशोक के पद चिन्हों पर चलने की ताकि आने वाली पीढ़ी भी हमारे इतिहास को जाने।

उन्होंने समाज के युवाओं से कहा कि आप ही समाज एवं देश के भविष्य हो आपको समाज को नई दिशा देकर आगे ले जाना है आप इतिहास को जाने और पढ़े उसका अनुशरण करें। उन्होंने मौर्य बंश के नायक रहे बिम्बिसार एवं सम्राट अशोक के कीर्तियो को आत्मसात करने पर बल देते हुए कहा कि पूरे विश्व को शांति का पैगाम देनेवाला समुदाय आज हासिये पर है। आपसी भेदभाव मिटाकर अपने समाज की संरचना को नया रूप देकर हमलोगों को संघर्ष के रास्ते आगे बढ़ना होगा। उन्होंने बुद्ध की धरती को नमन करते हुए समारोह की सफलता के लिये समिति को साधुवाद दिया। समारोह प्रारंभ के पूर्व कुशवाहा धर्मशाला का शिलान्यास वीरेंद्र कुशवाहा ने किया। समिति के सदस्यों ने धर्मशाला निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दुहराते हुए उसे पांच मंजिल तक ले जाने का संकल्प लिया। समारोह के संयोजक मुसाफिर कुशवाहा ने अपने संबोधन में समारोह की सफलता एवं आये अतिथियो के प्रति आभार प्रकट करते हुए समाज की एकजुटता पर बल दिया। वही बौद्ध के अनुयायी भंते ने भगवान बुद्ध के उपदेशों पर आधारित पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथियों के द्वारा कराया। समारोह में महिलाओं की भी काफी भागीदारी रही दूर दराज से आये लोगों के लिये ट्रस्ट के द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई थी। समारोह को रालोसपा नेत्री मधु मंजरी ,इंद्रदेव कुशवाहा, श्रवण कुशवाहा, आर एस मेहता, अर्जुन कुशवाहा, अजय कुशवाहा सहित दर्जनों लोगों ने सम्बोधित किया। समारोह में स्थानीय लोक कलाकार धर्मेंद्र जितेंद्र की जोड़ी ने महिलाओं के सम्मान एवं अतिथियों के सम्मान में गीत गाकर मनोरंजन किया मौके पर देवनन्दन कुशवाहा,कुशवाहा सेवा समिति के अध्यक्ष भोला प्रसाद कुशवाहा,दीपक कुमार,मुखिया सुनीता कुमारी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

☆ **समाज की एकजुटता पर वक्ताओं ने दिया बल :-** समिति के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिले एवं अन्य जिलों से आये कुशवाहा समुदाय के लोगो ने सामाजिक एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि आज बदलते राजनैतिक परिवेश में हमलोगों को अपनी भागीदारी के लिये संघर्ष करना होगा। सामाजिक उत्थान के लिये राजनैतिक हिस्सेदारी की भी जरूरत है इसके बगैर समाज का उत्थान नही हो सकता है। अपनी हिस्सेदारी और भागीदारी के लिये आगे आना होगा तभी समाज को उचाईयों तक पहुंचाया जा सकता है। इसके लिये निस्वार्थ भाव से हमे समाज के लिये कार्य करना होगा। ●

डाक बंगला भवन में संचालित हो रहा बाल विकास परियोजना कार्यालय

● अरविन्द मिश्र

नारदीगंज स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय को अपना भवन नहीं है। यह कार्यालय नारदीगंज पंचायत के डाक बंगला भवन में पिछले आठ वर्षो से संचालित हो रहा है। यह कार्यालय जर्जर भवन में संचालित हो रहा है। जो कभी भी बड़े हादसे का गवाह साबित हो सकता है। कई वर्षो से अपना भवन के लिए वाट जोह रहा है। आलम यह है कि इस कार्यालय को अपना भवन भी नसीब नहीं हो पा रहा है जबकि नारदीगंज प्रखंड मुख्यालय में बिहार सरकार की भूमि उपलब्ध है, वाबजूद भवन के लिए भूमि उपलब्ध नहीं कराया गया है। वाबजूद कार्यालय को अपना भवन नसीब नहीं हो पा रहा है। फिलहाल स्थिति यह है कि भवन का हाल भी बदहाल हो चुका है। वर्षा के दिनों मे अधिकारी व कर्मियो को कार्यालय कक्ष मे काम करने में डर सताना शुरू हो जाता है। बारिश होते ही छत से पानी टपकना शुरू हो जाता है। छत भी जर्जर हो चुका है। जिसे देखनहार कोई नही हैं। ऐसा वरीय अधिकारियों के उदासीनता के कारण हो रहा है। जानकारो का कहना है कि इस भवन का निर्माण 25 वर्ष पहले निर्माण कराया गया था। उस भवन में तीन कमरा व बरामदा बना हुआ है। एक कमरा में पदाधिकारी कार्य को निष्पादन करते है, वहीं दूसरे कमरे मे कर्मचारियों के लिए है तथा तीसरे कमरे में कार्यालय का स्टोर रूम हैं। जो फिलहाल सभी बदहाल स्थिति में है। बरसात के दिनों में छत से पानी का रिसाव होता है, अधिक बारिश होने पर कार्यालय में पानी का जल जमाव हो जाता है। जल जमाव के कारण कार्यालय में रखे दस्तावेज को अपनी आगोश में ले लेता है। जिसका खाजियामा कर्मचारियों को भी भूगतना पड़ता है। दिवार में भी दरारे बन गई है। कहने का तो चाहरदिवारी है, लेकिन गेट विहीन है। जिसकारण टैक्टर समेत अन्य छोटी वाहनों का आवागमन बेरोकटोक होते रहता है। वाहनों समेत राहगीरों के आवागमन होने से कार्यालय में कार्य कर रहे पदाधिकारी व कर्मचारियों को काम निष्पादन में भी काफी फजिहत हो रही है। वही कार्यालय बंद होने के बाद शाम ढ़लते ही असामाजिक तत्वों का अडडा बना रहता है। यह डाक बंगला स्थित सीडीपिओ कार्यालय राजगीर बोधगया राजमार्ग 82 पर शादीपुर कहुआरा मोड़ के समीप बना हुआ हैं। पेयजल की व्यवस्था के लिए चापाकल है, लेकिन वह भी शोभा की वस्तु बनी हुईं। भवन के अंदर शौचालय तो है, लेकिन परिसर में शौचालय नही रहने के कारण कार्यालय में आने वाली सेविका को शौच क्रिया निवृत होने भी काफी परेशानी हो रही है। इस कार्यालय में आये दिन आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका की बैठक भी होते रहती है। पर्याप्त जगह नहीं रहने के कारण बैठक करने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बाल विकास परियोजना कार्यालय के भवन के लिए तत्कालीन सीडीपिओ संगीता कुमारी ने वर्ष 2014 में तत्कालीन सीओ श्रीकांत सिन्हा को आवेदन देकर भूमि उपलब्ध कराने की मांग की थी,लेकिन कार्यालय के लिए भवन भूमि उपलब्ध नहीं कराया गया,स्थिति जस की तस बनी हुई है।●

> कार्यालय को अपना भवन नहीं हैं, बरसात के दिनों में छत से पानी का रिसाब होता है, कार्य निष्पादन में काफी कठिनाई होती है। विभागीय अधिकारी को स्थिति से अवगत कराया गया है।
>
> **सुधा कुमारी, सीडीपीओ**

आवश्यकता

भ्रष्टाचार एवं विभाग की गुंडागर्दी के विरूद्ध अपनी आवाज बुलन्द करने के लिए नवादा, नालन्दा, गया, जहानाबाद, लखीसराय, शेखपुरा और कोडरमा जिला में जिला ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है। बेरोजगारी की कोढ़ से मुक्ति पायें एवं समाज एवं सरकार में प्रतिष्ठा के साथ महीने का 25 से 30 हजार रूपया भी पारिश्रमिक कमा सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें:-

मिथिलेश कुमार:- 9934021022 - 9431410833
मनीष कमलिया:- 9934964551 - 6202340243
कृष्ण कुमार चंचल- 9430520291
अरबिन्द मिश्र - 6204617413, अमित कुमार सिंह- 9934706928

बालू के उठाव से पुल का अस्तित्व पर छाया संकट

● अरविन्द मिश्र

नारदीगंज प्रखंड मुख्यालय में पंचाने नदी पर बने पुल पर संकट का बादल मड़राने की सम्भाबना बनी हुई है। यह पुल राजगीर बोधगया राजमार्ग पर स्थित है। इस पुल का निर्माण तकरीबन छह दशक पूर्व हुआ है। लेकिन पुल का हाल बदहाल होने के कगार पर है। स्थानीय लोगो का मानना है कि पुल के दोनों से किनारे पंचाने नदी से अधिक गहराई तक बालू उठाव के कारण यह स्थिति उत्पन्न हो रही है। अब तो केवल उक्त स्थल पर मिटटी ही रह गये है। ऐसा विभागीय अधिकारियों के अनदेखी के कारण हो रहा है। कहने का तो बिहार में सुशासन की सरकार है, लेकिन गहाराई तक देखा जाय तो साबित होता है कि वर्तमान सरकार में अधिकारियों के माध्यम से लूट खसोट व कमीशनखोरी की सरकार बनी हुई है। इस कमीशन के चक्कर में पुलिस से लेकर प्रशासन तक सभी बिचौलियो के हाथों में कठपुतली बने हुए हैं। आज इसी

पुल की स्थिति के साथ और नदी से पुल के दोनों किनारे बालू के उठाव का स्थलीय निरीक्षण के उपरांत विभागीय अधिकारी को अवगत कराया जायेगा,ताकि पुल का अस्तित्व को बचाया जा सके।

कुमार विमल प्रकाश, सीओ

का परिणाम है कि राजमार्ग 82 पर राजगीर बोधगया में नारदीगंज में पंचाने नदी पर बने पुल अपने अस्तित्व को बचाने में विफल साबित हो रहा है। स्थिति यह है कि इस पुल के उतरी छोड़ पर प्रखंड कार्यालय है,तो दक्षिणी छोड़ पर नारदीगंज थाना है । उसके वावजूद

भी पुल के दोनों तरफ से बालू का उठाव बालू माफिया के माध्यम से कर लिया गया था, जबकि पुल सुरक्षा मानकों के मुताबिक पुल के दोनों तरफ 150 मीटर तक नदी से बालू के उठाव पर रोक लगा हुआ है। उसके वावजूद भी अधिकारियों के नाक के सामने से पिछले कई वर्षो तक निरंतर बालू का उठाव होता रहा। उसके बाद भी अधिकारियो की तंद्रा कभी भी भंग नहीं हुई। ऐसा अधिकारियो व बालू माफिया के मिलीभगत के कारण हुआ। जानकार बताते हैं कि आजादी के बाद इस पुल का निर्माण हुआ था,उस समय टेक्नोलॉजी विकसीत नहीं हुआ था, जिसके कारण पुल मिट्टी के उपर बना था, आज के पुलो जैसा नहीं कि 150 फीट की गहराई से मशीन के द्वारा पाइलिंग कर पुल का निर्माण कराया जाता है। इस पुल के अस्तित्व को बचाने के अधिकारी अगर सजग नहीं हुए तो आने वाला वक्त में पुल का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा। ऐसा लोगों का मानना है। ●

आज ही जुड़ें

आप बेरोजगार हैं, समाज एवं परिवार का ताना सुन रहे हैं तो चिन्ता छोड़िए और आज से महीने का 25 से 30 हजार रूपये पारिश्रमिक कमा सकते हैं। केवल सच, मीडिया ग्रुप आपको सादर आमंत्रित करती है। इच्छुक व्यक्ति नीचे दिये नम्बरों पर सम्पर्क कर पूरी जानकारी ले सकते हैं।

त्रिलोकी नाथ प्रसाद	9308815605
प्रदीप कुमार सिन्हा	6204674225
रंजीत कुमार सिन्हा	9931783240
धर्मेन्द्र सिंह	9430230000
सुमित राज यादव	8987123161

पकड़ा गया कुख्यात अपराधी अंजर

● प्रदीप सिन्हा

शेरघाटी का रहने वाला मो0 अंजर अशरफी नशीली पदार्थो का केवल शातिर तस्कर ही नही वह एक कुख्यात अपराधी भी है शहर के उतरवारी मुहल्ले का रहनेवाला मो0 अंजा वल्द अखियार मियां के बारे में बताया जाता है कि वह लंबे अर्से से आपराधिक घटनाओं में संलिप्त रहा है. हैरान करने वाली बात है कि शहर के नईबाजार बस स्टैंड में एक मामूली एसटीडी बूथ चलाने वाला साधारण सा व्यक्ति अंजर एक आलीशान मकान में अपने परिवार के साथ रहता है. वहीं लग्जरी गाड़ी के अलावा ढेर सारी संपति का मालिक है.

विगत 18 मार्च को प्रशिक्षु आइपीएस सह बाराचट्टी थानाध्यक्ष सवर्ण प्रभात के नेतृत्व में पुलिस की ताजा कार्रवाई में बाराचट्टी अंतर्गत डंगरा मोड़ से अफीम, डोडा तथा पिस्टल व जिन्दा कारतूस के साथ कुख्यात अंजर सहित शहर के लोदी शहीद मुहल्ला का रहने वाला वारिस आलम, पिता सलाम उद्दीन एवं रमना निवासी गुलजार शाह का बेटा जावेद को रंगे हाथ धर दबोचा था. पुलिस का कहना है कि नशीली पदार्थो की तस्करी के बाद

पुलिस गिरफ्त में आये सभी अपराधियों की लूट की घटना को अंजाम देन की योजना थी. लेकिन वक्त से पहले पुलिस ने तत्पर्ता दिखाते हुए मौके से सभी गिरफ्तार कर लिया. पुलिस को सूचना मिली थी कि डंगरा मोड़ पर तीन अपराधी अफीम और डोडा की खेप की तस्करी करने वाले है. पुलिस रिपोर्ट के अनुसार मो0 अंजर पर अलग अलग अपराधों के लिए छः मुकदमा शेरघाटी थाना कांड सख्या 13/09 दिनांक 17.1.2009 और 7.3.2009 में, धारा 147/148/149/452/323/379/384/307/427 504/508 एवं 111/14 को भादवि के तहत 147/148/149/353/332/333/307/224/225 मुकदमा दर्ज है. मो0 अंजर पर शेरघाटी के तत्कालीन अनुमंडलीय अस्पताल उपाउधीक्षक मो0 शहाबउद्दीन से बीस लाख रंगदारी मांगने का भी आरोप है. इस मामले में शेरघाटी पुलिस ने थाना कांड सख्या 185/14 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. बहुत ही चालाक व अपराध की दुनिया का शातिर अपराधी मो0 अंजर का भाई मो0 एकबाल भी अपराधी किस्म का व्यक्ति है. मोहर्रम व रामनौवमी त्योहार के दौरान जिला प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए दोनो भाइयों को जिला बदर किया था। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

लूट और मारपीट को दिया गया अंजाम

● मुन्ना पाण्डेय

स्थानीय थाना क्षेत्र के बाजार स्थित गोनाबा रोड में आराम घर फर्नीचर दुकान में 5 ,6 की संख्या में लुटेरों ने शनिवार के संध्या 4:00 बजे शनिवार ने धावा बोल दिया उस दरमियान लुटेरों ने दुकानदार को हथियार के बल पर बंधक बनाकर लूटपाट किया। इसके बाद जमकर दुकानदार को पिटाई किया ।इसका विरोध करने पर ताबड़तोड़ फायरिंग किया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग एक लुटेरों को लाठी डंडे, रड से मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। जिसका पहचान हरनौत थाना क्षेत्र के बबनबीघा गांव निवासी रास बिहारी शर्मा के पुत्र रजनीश कुमार है। घायल लुटेर को बाजार बसियो के द्वारा ठेले पर लादकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनौत लाया जहां गंभीर अवस्था में पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। आराम घर फर्नीचर दुकानदार प्रमोद कुमार ने बताया कि दुकान में जब बैठे थे उसी दौरान पांच-छह लोग दुकान में आकर सामान खरीदने के लिए मूल पूछा इसके बाद सभी लोग एकत्रित होकर हथियार दिखाकर गला में रखे 60000 रुपया एवं बुरी तरह मारपीट करने लगा। इसके बाद लुटेरों ने दहशत फैलाने के लेकर जमकर गोलीबारी भी किया। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग दुकान की ओर दौड़ पड़े, उसी दौरान एक लुटेरा बाजार वासियों को हाथ लगा जिसे मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया और लुटेरों हथियार फहराते हुए फायरिंग करते हुए स्टेशन की ओर भाग निकला। पीड़ित दुकानदार प्रमोद कुमार ने बताया कि 5 ,6 की संख्या में लोग आकर मारपीट किए दुकान में आग लगा दिया घटना की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस घटनास्थल पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी हुई है ।थानाध्यक्ष ऋतुराज ने बताया कि थाना क्षेत्र के भिन्न-भिन्न गां व निवासी

पांच-छह लोग की पहचान हुई है ।इसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बाजार वासियों को उठी पुलिस पर से विश्वास। नाम नहीं छापने के एवज में बाजार के कई लोगों ने बताते हैं कि घटना का अंजाम देने वाले लुटेरों हमेशा थानेदार से मिलते जुलते हैं और थानादार के संपर्क सीमा में रहते हैं जिसके चलते लुटेरों की मनोबल बढ़ता जा रहा है घटना के पूर्व कई घटनाओं को बाजार आसपास इर्दगिर्द इलाकों में घटना का अंजाम दिया है यह सभी लुटेरों पर भिन्न-भिन्न थाना में दर्जनों मामला हत्या लूट मारपीट छिनतई के दर्ज है चुनाव के समय चौक चौराहा पर पुलिस पदाधिकारी मुस्तैद रहने के बाद भी लुटेरों हथियार का भय दिखाते हुए हथियार फैलाते हुए भाग निकल पाते हैं बाजार वासियों का कहना है कि लुटेरों का सरगना हरनौत थानाध्यक्ष की मिलीभगत से लोग घटना का अंजाम देते हैं 2 दिन पूर्व एक किराना स्टोर के पुत्र को लुटेरों ने बावन बीघा गांव के समीप बगीचे में ले जाकर नग्न अवस्था कर जमकर मारपीट कर ठुक चटाया था लुटेरों को डर से दुकानदार पुत्र ने स्थानीय थाना में भी प्राथमिकी दर्ज नहीं किया। व्यवसाय संघ के लोग बताते हैं कि 5 साल पूर्व से यह सभी लूटेरा बाजार से लेकर इर्द-गिर्द इलाके में वर्चस्व जमाए हुए हैं एवं दिन-प्रतिदिन गोलियों से खेल खेलते हैं लेकिन फिर भी लुटेरों को पुलिस गिरफ्तार नहीं करती है थानाध्यक्ष ऋतुराज ने बताया कि घटना पूर्व के विवाद को लेकर हुई है घटना में एक घायल है जबकि चार पांच लोग भागने में सफल रहा है जल्द ही लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा सभी शरारती लोग न्यायालय के आदेश पर विभिन्न कांडों का अभियुक्त जो बाहर है सभी पर हुई है 107 लोकसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए सभी शरारती प्रवृत्ति के लोगों पर जो घटना का अंजाम दिया है सभी पर स्थानीय थाना में 107 की मामला दर्ज किया गया है। सभी अपराधी प्रवृतियों वाले अपराधी लोगों को थाने में बुलाकर गुंडा परेड भी कराया गया है। सभी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।●

शराब पीने से मना करने पर बदमाशों ने मारी गोली

● मुन्ना पाण्डेय

स्थानीय थाना क्षेत्र के गोनावाँ गांव में बदमाशों ने गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दिया. घटना रविवार के भोर करीब तीन बजे घटी.मृतक की पहचान गोनावाँ गांव निवासी संजय शर्मा के तीस वर्षीय पुत्र प्रिंस उर्फ जयराम कुमार के रूप में कई गई है.घटना के बाद परिजनों एवं ग्रामीणों के सहयोग से पीड़ित को घायल अवस्था में स्थानीय पीएचसी लाया गया. चिकित्सकों ने गंभीर अवस्था में पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया. जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.मृतक का पार्थिव शरीर गांव लाया गया. जहाँ से स्थानीय पुलिस केअभिरक्षा में पोस्टमार्टम के लिये सदर हॉस्पिटल बिहार शरीफ भेजा गया.मौके पर थानाध्यक्ष रितुराज ,पुलिस इंस्पेक्टर,डीएसपी संजय कुमार भी दल बल के साथ कैम्प कर घटना की जांच कर रहे थे.मामले की प्राथिमिकी भी दर्ज की गई है.

★ **शराब बना मौत का कारण** :- मृतक के घर के सामने ही वोडाफोन का टावर है,जहाँ रविवार के रात करीब दस बजे कुछ बदमाश लोग जमकर शराब पी रहे थे.जिसे देख मृतक के पिता संजय शर्मा ने बदमाशों से वहाँ शराब पीने से मना किया एवं वहां से हटने को कहा. जिसपर दोनों में कहा सुनी हो गई.जिससे संजय शर्मा अपने पुत्र प्रिंस को घटना के बारे में बताते हुए बुला लिया. हालांकि दोनों मिलकर बदमाशों को डांट फटकार करते हुए भगा दिया.जिससे गुस्से में आकर बदमाशों ने देख लेने की बात भी कहा.अन्य लोगों के बीच बचाव करने से मामला रफा दफा हो गया एवं बदमाश वहाँ से हट गए.ग्रामीणों की मानें तो बदमाश सिर्फ मौका के तलाश में था.ताकि तिलक समारोह के दोरान आये हुए लोग चले जाएं एवं लोगों की उपस्थिति कम हो.जिससे उसे घटना का अंजाम देने में कोई रुकावट न हो.

★ **बदमाश की हुई शिनाख्त** :- कई ग्रामीणों ने बताया कि तिलक समारोह के दौरान डांस पार्टी कर रहे लोगों में बदमाश अपने हाथ में पिस्तौल लेकर डांस भी किया था. जिसे कई लोग आदतन मोबाइल में कैद भी किया था.सूत्रों की मानें तो बदमाशों की शिनाख्त भी हो चुकी है एवं अपराधी जल्द ही पुलिस के गिरफ्त में होंगे.सभी बदमाश पोआरी गांव का बताया जा रहा है.हालांकि ग्रामीण तीन गोली चलने की बात बताई है.

★ **दालान में हुई घटना** :- मृतक के गोतिया में चचरे भाई का तिलक समारोह हो रहा था. उनके गोतिया में ही चाचा अभय कुमार के पुत्र बिक्कू कुमार का तिलक आया हुआ था.घटना के समय सभी लोग खाना खाकर जा चुके थे या अन्य लोग सोने चले गए थे.मृतक दो चार लोग के साथ बैठकर टीवी पर मैच देख रहा था ,तभी बदमाश आया और गोली फायरिंग किया.दो गोली मृतक के पेट में लग गई जिससे मृतक की मौत इलाज कराने के लिए पटना जाने के दौरान बीच रास्ते में ही हो गई.

★ **कई अहम सबूत मिले** :- घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल से कई अहम सुराग भी हाथ लगे हैं. घटनास्थल से 3.15 बोर का तीन खोखा सहित कई अन्य सबूत भी वरामद की गई है.

★ **मृतक माता पिता का इकलौता पुत्र** :- मृतक अपने माता पिता का इकलौता पुत्र है. ग्रामीणों ने बताया कि मृतक शादी शुदा था.उसे एक पुत्र भी हुआ था.किसी कारण वश वह भी चल बसा.माता, पिता, अन्य परिजनों सहित पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है.

★ **अब केकरा सहारे जीवो जी रजवा** :- घटना से दुखी होकर मृतक के पत्नी बार बार गिरकर बेहोश हो जा रही है. वह बार बार यही दुहराते जा रही है कि अब केकर सहारे जीवो जी रजवा-मृतक के दादा व पूरा गांव शोकाकुल है.

★ **प्रतिदिन शराबियों का लगता है जमावड़ा** :- शराबबंदी के बाद गांव में अवैध शराब पीने को लेकर कई जगहों पर जमावड़ा लगता है.जहाँ बेखौफ होकर बाहरी गांव के भी बदमाश आकर शराब पीते हैं.ग्रामीणों के मुताबिक कई बार सूचना पुलिस को भी दी गई है.वावजूद कोई कार्यवाई नहीं होती है। ●

आवश्यकता

भ्रष्टाचार एवं विभाग की गुंडागर्दी के विरूद्ध अपनी आवाज बुलन्द करने के लिए नवादा, नालन्दा, गया, जहानाबाद, लखीसराय, शेखपुरा और कोडरमा जिला में जिला ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है। बेरोजगारी की कोढ़ से मुक्ति पायें एवं समाज एवं सरकार में प्रतिष्ठा के साथ महीने का 25 से 30 हजार रूपया भी पारिश्रमिक कमा सकते हैं।

इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें:-

मिथिलेश कुमार:- 9934021022 - 9431410833 मनीष कमलिया:- 9934964551 - 6202340243
कृष्ण कुमार चंचल- 9430520291 अरबिन्द मिश्र - 6204617413, अमित कुमार सिंह- 9934706928

बम से दहला बोधनगर बाजार

● मुन्ना पाण्डेय

हरनौत थानाक्षेत्र के बोधनगर बाजार गुरुवार की शाम को अपराधियों के द्वारा लगातार घंटों बमबारी व गोलीबारी से दहल गया. जिसकी सूचना मिलते ही कई थानों के पुलिस सहित एसडीपीओ इमरान परवेज एवं एसपी नीलेश कुमार भी मौके पर पहुंचे. सभी अपराधी अपने निजी मकान में छुप कर गोलीबारी ,बमबारी व रोड़ेबाजी कर रहे थे. स्थानीय लोगों ने बताया कि बोधनगर बाजार निवासी मुन्ना महतो अपराधी किस्म का व्यक्ति है. जो हमेशा कोई न कोई अपराध करता है.इसके पूर्व भी मुन्ना महतो कई बाजार में ही कई घटना को अंजाम दिया है. गुरुवार को मुन्ना महतो अपने अन्य साथियों के साथ चेहरे गमछा बांध कर आया था.जिससे उसे कोई पहचान नहीं सका.उसका रंगदारी लेने को लेकर पहले से बाजार के ही दुकानदार राजकुमार से विवाद चल रहा था.उसका मानसिकता है कि भय दिखाकर रंगदारी के एवज में महीना बांध दिया जाए.जिससे मुफ्त में खर्च निकलता रहे. उसे लेकर मुन्ना महतो अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दुकानदार के साथ जमकर मार पीट किया.जिससे दुकानदार राजकुमार एवं रिंकू कुमार घायल हो गया. पथराव में तीन पुलिसकर्मी की भी घायल होने की सूचना है.बाद में ग्रामीणों के उग्र होने से सभी अपराधी अपने घर में छुप कर ग्रामीणों पर पथराव करने लगे. लगातार दो घंटे तक चली इस घटना में सभी अपराधी घर के पिछवाड़े से भागने में सफल हो गए.वहीं मौके पर पहुंची पुलिस मूकदर्शक बनी रही. सभी बदमाशों के भागने के बाद उसके घर से तीन लोगों को रेस्क्यू किया गया.उसके घर से दो अर्धनिर्मित बम एवं फलसा वरामद किया गया है. पुलिस पहले भी मुन्ना महतो व उसके पत्नी अंचला देवी को अपराधी गति विधि में जेल भेज चुका है. घटना के बाद बाजार में एक सेक्शन पुलिस कैम्प कर रही है.

★ **बेटी भी है शामिल** :- मुन्ना महतो की बेटी शिवानी भी अपराध में बढ़चढ़ कर पिता को सहयोग करती है. स्थानीय लोगों की माने तो घटना के समय वह भी पिता व अन्य अपराधियों के साथ रोड़े बाजी कर रही थी. घटना के बाद वह भी भागने में सफल रही.

★ **पेट्रोल बम भी वरामद** :- स्थानीय लोगों की मानें तो उसके घर से पेट्रोल से भरा पांच बोतल पेट्रोल जिसमें बलूरी से मुंह बंद कर रखा हुआ था, पुलिस बरामद किया है. साथ ही पांच लीटर डब्बा में बम बनाने में प्रयुक्त होने वाली बारूद भी वरामद किया गया है। ●

अधिक काम करने से कारखाना कर्मी बेहोश

बीते दिनों स्थानीय रेल डब्बा मरम्मत कारखाना में लगातार कार्य करने से एक कारखाना कर्मी की तबियत अचानक खराब हो गई,जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा.अन्य कर्मियों के द्वारा उसे रेल कारखाना स्थित अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया.कर्मी की पहचान जैकी कुमार के रूप में की गई है.वह बोगी शॉप में टेक्नीशियन 1 के पद पर कार्यरत है. अन्य कर्मियों ने बताया कि बोगी शॉप में क्रेन संचालन का कार्य पहले दो सिफ्ट में होता था,जिसके लिये दो व्यक्ति कार्यरत था.लेकिन अब कारखाना प्रबंधक के द्वारा जबरन एक स्टाफ के द्वारा ही कार्य लिया जा रहा है.जिसके कारण लगातार कार्य करने से यह घटना घटी.कारखाना कर्मियों ने बताया कि यही स्थिति पूरे बोगी शॉप स्टाफ के साथ बनी हुई है.जबकि कर्मियों के द्वारा दो तीन वर्ष से लगातार वर्क स्टडी की मांग लिखित व मौखिक रूप से की जा रही है.जिसे जान बूझ कर ध्यान नहीं दिया जा रहा है.वहीं काम को बढ़ाने के प्रयास में निरंतर लगी हुई है,जो कर्मचारियों की क्षमता से अधिक है.बताते चलें कि इसके पूर्व भी रेल कर्मचारी संघ के द्वारा वर्क स्टडी की मांग रेलवे के उच्च अधिकारियों से हमेशा की जा रही है.हालांकि यह कोई पहला घटना नहीं है.इसके पूर्व कई हादसा कारखाना में हो चुकी है। **रिपोर्ट :- मुन्ना पाण्डेय**

शुद्ध पर्यावरण के लिए पेड़–पौधे जरुरी

● मुन्ना पाण्डेय

स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पर्यावरण की रक्षा-विश्व सुरक्षा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया.जिसका मुख्य आयोजन केवीके हरनौत व हरित हरनौत के द्वारा संयुक्त रूप दे की गई. कार्यक्रम का मुख्य अतिथि आरपीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ उपेंद्र कुमार सिन्हा एवं हरित हरनौत के संयोजक रवि कुमार ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि 1972 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव पर्यावरण विषय पर संयुक्त राष्ट्र महासभा का आयोजन किया गया था. इसी चर्चा के दौरान विश्व पर्यावरण दिवस का सुझाव भी दिया गया था. दो साल बाद 5 जून 1974 से इसे मनाया जा रहा है. 1987 में इसके केंद्र को बदलते रहने का सुझाव सामने आया और उसके बाद से ही इसके आयोजन के लिए अलग अलग देशों को चुना जाता है।साथ ही प्रत्येक वर्ष थीम भी बदल जाता है. 2018 में इसका थीम था प्लास्टिक प्रदूषण जिसका आयोजक भारत था एवं 2019 का थीम है वायु प्रदूषण जिसका आयोजन चीन है.इससे 143 देश जुड़े हुए हैं. उन्होंने बताया कि शुद्ध पर्यावरण के लिये 33 प्रतिशत वन क्षेत्र चाहिए. लेकिन अब यह बिहार में मात्र डेढ़ दो प्रतिशत बचा है. उन्होंने कहा कि

विकसित देश विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर मीटिंग करते हैं लेकिन पर्यावरण खराब करने में सबसे अधिक कारक भी विकसित देश ही है. बीमारी भी पहले से ज्यादा होने लगा है. जल संकट भी बढ़ा है. नदी, नाला ,तालाब सुख गया है इसके लिये सरकार व निजी संसाधनों से हर कीमत पर जल को संचय करने की आवश्यकता है. दिनों दिन बिगड़ती पर्यावरण से जिस दिन मधुमक्खी एवं कौवा समाप्त होगा उस दिन मानव जाति भी खत्म हो जायेगा. ऐसे में मानव को जागना होगा. हरित हरनौत के प्रो सूर्य कुमार, केवीके के डॉ संजीव रंजन,डॉ एनके सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि पिछले वर्ष वायु प्रदूषण से 96000 लोग मारे गए. मिट्टी पॉलीथिन से ढंक गई गई. व्यवहारिक रूप से बिहार में पॉलीथिन चालू है.बिहार में विकास की पर्यावरण हो. विकास का परिभाषा सुंदर पर्यावरण ही है. पूरे भारत में 12 लाख लोग प्रदूषण से मारे गए. केवीके प्रमुख ने कहा कि हरित हरनौत के संयोजक के द्वारा प्रत्येक चौपाल में निशुल्क पौधा किसानों को दी जाने के लिये कहा है. उनका यह कदम काबिले तारीफ है. गोष्ठी के बाद सभी आगंतुक सदस्यों के साथ निम्बू, अमरूद का पौधा लगाया गया. गोष्ठी का संचालन केवीके के वैज्ञानिक डॉ इनके सिंह ने किया. मौके पर आरपीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ उपेंद्र कुमार सिन्हा, हरित हरनौत के संयोजक रवि कुमार, अध्यक्ष प्रो सूर्य कुमार, निरंजन नारायण, केवीके डॉ एनके सिंह, डॉ संजीव रंजन, डॉ विभा रानी, गणपति चौधरी, विनीत कुमार, ओमप्रकाश, नरसिंह ठाकुर आदि उपस्थित हुए। ●

वरीय पदाधिकारियों ने की समीक्षात्मक बैठक

● अब्दुल कय्यूम

प्रखंड मुख्यालय स्थित सभा भवन में मंगलवार को ग्रामीण आवास सहायक, पंचायत सचिव व कार्यपालक सहायको की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ अविनाश झा ने की। बैठक में जिला के वरीय पदाधिकारी संजय कुमार व डीआरडीए निदेशक शम्भू प्रसाद भाग लिए। बैठक में 2016-17 व 2017-18के प्रधानमंत्री आवास योजनाओं के द्वितीय किस्त, तृतीय किस्त व हाउस कंप्लीट की समीक्षा की गई। इस क्रम वरीय पदाधिकारी आवास पूर्णता पर जोड़ दिया इस क्रम में उन्होंने एक सप्ताह के भीतर सभी पंचायतो मे आवास कंप्लीटशन 50 प्रतिशत से अधिक करने, तथा पेंडिंग रजिस्ट्रेशन को तीन दिनों के भूतर करने का निर्देश दिया। सात निश्चय योजना की समीक्षा के क्रम में सभी वार्डो में एक सप्ताह के भीतर योजनाओं का एंट्री करने का निर्देश दिए। पंचायत सचिव को निर्देश देते हुए वरीय पदाधिकारी ने कहा कि पंचायत सरकार भवन में फर्नीचर की क्रय अबिलम्ब की जाय। बैठक में आवास पर्यवेक्षक अशोक कुमार पासवान, प्रखंड कार्यपालक सहायक रूपेश कुमार, चंदन कुमार, मोहम्मद दिलशाद, मनीष कुमार, प्रमोद कुमार, फैजान रेजा फैज, विमल कुमार विवेक, मुस्तफीज आजाद, विवेक कुमार, दिलीप कुमार, इंद्र जीत सिंह, शम्भू राम आदि मोजूद थे। ●

एक बार फिर खिला कमल
अररिया में माय समीकरण हुआ ध्वस्त

● अब्दुल कय्यूम

मोदी लहर ने अररिया के सारे रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। वर्षो से चल रही माय समीकरण भी मोदी लहर में काम नही आया। अररिया लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्यासी प्रदीप कुमार सिंह ने अपने चीर प्रतिद्वंदी राजद प्रत्यासी सरफराज आलम को 136510 मतों से हराकर चौथी बार अररिया में कमल का फूल खिलाया। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्यासी को 616992 मत प्राप्त हुआ जबकी राजद प्रत्यासी सरफराज आलम को 480482 मत मिले। तीसरे स्थान पर नोटा को 20006 मत प्राप्त हुआ। सम्पन्न अररिया लोकसभा सीट पर एनडीए उमीदवार प्रदीप सिंह का दबदबा सभी छह विधानसभा में रहा। मात्र दो विधानसभा अररिया व जोकीहाट मजिन मुस्लिम बहुल के कारण ही राजद प्रत्यासी को बढ़त मिली। जबकि अन्य चार विधानसभा रानीगंज, नरपतगंज, सिकटी, फारबिसगंज में राजग प्रत्यासी को अपर समर्थन प्रप्त हुआ।

मतगणना कार्य पूरी होने के बाद जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाची पदाधिकारी वैद्य

सभी विधान सभा क्षेत्र में एनडीए को प्राप्त मतों का ब्योरा :-

विधानसभा	-	एनडीए
नरपतगंज	-	130102
फारबिसगंज	-	123882
रानीगंज	-	109949
सिकटी	-	117788
जोकीहाट	-	55645
अररिया	-	77226

विजय कुमार मंडल

रंजीत यादव

शत्रुध्न मंडल

जिले का सर्वांगीण विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी : सांसद

अररिया जिला का सर्वांगीण करना,शिक्षा,स्वास्थ्य को बेहतर बनाना व कृषि क्षेत्र मे बढ़ावा देना मेरी पहली प्राथमिकता होगी।यह बातें नव निर्वाचित सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि अररिया में शिक्षा का माहौल बेहतर हो, नए टेक्निकल कॉलेज की स्थापना हो, यह उनका भरसक प्रयास रहेगा। सांसद श्री सिंह ने कहा कि किसानों की तरक्की के लिए वे हमेशा कार्यरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि अररिया में बकरा, रतवा,परमान नदी के कारण बाढ़ की समस्या बनी रहती हैं। जिला को इस समस्या से निजात दिलाने का भरसक प्रयास करेंगे। नव निर्वाचित सांसद श्री सिंह ने कहा कि उनकी जीत तेजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास व राष्ट्रवादी नीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह जीत एनडीए कार्यकर्ताओ की जीत है। वे जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह हमेशा जात पात से ऊपर उठकर अररिया का विकास करेंगे। अररिया के नव निर्वाचित सांसद प्रदीप सिंह के जीत पर सिकटीभाजपा विधायक सह पूर्व राज्यमंत्री विजय कुमार मंडल, फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केसरी, रानीगंज विधयक अचमित ऋषिदेव, भाजपा युवा नेता रंजीत यादव, भाजपा नेता अजय झा, जदयू नेता शत्रुघ्न मंडल, जदयू नेता सह जिला परिसद अध्यक्ष आफताब अजीम उर्फ पप्पू, जदयू नेता मुर्शिद आलम आदि शामिल है।

आफताब अजीम

मुर्शीद आलम

नाथ यादव ने विजय प्रत्यासी प्रदीप कुमार सिंह को जीत का प्रमाण पत्र दिया। इस अवसर पर सामान्य प्रेक्षक सज्जन कुमार आर चवन, एसपी धूरत सायली आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

☞ **मतगणना को लेकर थी चॉक चौबंद व्यवस्था :-** अररिया के बाजार समिति में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एमपी चुनाव का मतगणना कार्य सम्पन्न हुआ। बाजार समिति के चप्पे चप्पे में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। बाजार समिति परिसर में पासधारी को ही अनुमति मिली थी। सभी विधानसभा के लिए अलग अलग काउंटिंग की व्यवस्था थी।

☞ **अररिया में चौथी बार खिला कमल :-** अररिया जिला में चौथी बार कमल खिला है। सबसे पहले 1998 में सुकदेव पासवान, 2004 मे रामजी ऋषिदेव, 2009 में प्रदीप कुमार सिंह व 2019 में प्रदीप कुमार सिंह ने अपना प्रचंड बहुमत हसिल किया। ●

पलासी के विकास में सक्रिय भूमिका निभाउंगा : सांसद

● **अब्दुल कय्यूम**

अररिया जिला के पलासी प्रखंड के मोहनियां पेट्रोल पंप चौक पर सोमवार को ग्रामीणों व विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने किशनगंज के नव निर्वाचित सांसद सह आल इंडिया कांग्रेस कमिटी के सचिव डॉ जावेद आलम का टेढ़ागाछ से लौटने के क्रम में गरमजोशी के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकर्ता व ग्रामीणों ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद डॉ जावेद आलम ने अपने संबोधन में कहा दलगत भावना से ऊपर उठकर उनका खैरम कदम किया है वे बधाई के पात्र है। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि पलासी के लोगो ने उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। इस के लिए वह यहां की जनता के ऋणी हैं। उन्होंने कहा कि वह यहां के लोगो के समस्याओं का समाधान व क्षेत्र के विकास के लिये हर समय तत्पर रहने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रतिनिधि हारून राशिद, पूर्व जीप सदस्य इमरान अजीम, पूर्व मुखिया रेजा नूर, पंसस प्रतिनिधि मोबिन अख्तर, मोहम्मद हंजला, मोहम्मद नसीम, राजबल सरपंच, साबिर आलम, योगेश्वर मंडल, सब्बीर आलम, एखलाक अहमद, मकरुद्दीन खान, अफसर आलम, मौसिम खान आदि मौजूद थे। गौरतलब हो कि डॉ जावेद आलम के पिता जी स्वर्गीय मोहम्मद हुसैन आजाद बिहार सरकार में 25 वर्ष तक कैबिनेट मंत्री पद पर तथा 45 वर्षो तक विधायक पद पर रहे। निर्वाचित सांसद डॉ जावेद आलम अपने 15 वर्ष के कार्यकाल में 5 वर्ष मंत्री पद पर तथा 10 वर्ष बिहार विधानसभा के सदस्य रहे। ●

नशे व अपराध को पलासी से मुक्त करने का अभिान जारी

अररिया जिला के पलासी थाना के एसएचओ ओमप्रकाश ने पलासी थाना क्षेत्र को अपराध व नशे से मुक्त करने का अभियान शुरू कर दिया हैं। इस के लिए वे लगातार क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाकर नशे के कारोबारियों को धड़ पकड़ कर सलाखों के भीतर धकेलने के अभियान चला रहे हैं। माह मई 2019 में उन्होंने थाना क्षेत्र मे लगातर छापेमारी अभियान चलाकर 14 नशे के धंधे में शामिल कारोबारियों को व आठ नशेड़ियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने में कामयाब रहे हैं। इस से पूर्व भी उन्होंने पलासी खेखवा चौक व पलासी से बड़ी मात्रा में नेपाली शराब, कोरेक्स व अन्य कोडीन युक्त समान जप्त किया था। इस संबंध में पलासी तब के एसएचओ ओम प्रकाश ने बताया कि माह मई में पलासी पुलिस की टीम ने लगातार क्षेत्र मे छापेमारी अभियान चलाकर 14 नशे के कारोबारियों को गिरफ्तार किया। इस मामले में थाना में कुल 14 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि करीब 275 लीटर नेपाली शराब व 400 मिलि कोरेक्स जप्त किया गया। इस के अलावे 04 चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया एसएचओ ओम प्रकाश ने बताया कि पलासी थाना में कोडीन युक्त नशा करने के मामले में 07 कांड व पीने के आरोप में 08 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ● **रिपोर्ट :- अब्दुल कय्यूम**

बीपीएससी में सफलता हासिल कर मासूम ने किया प्रखंड का नाम रौशन

अररिया जिला के प्रखंड के सुखसैना पंचायत के बलवा निवासी मोहम्मद परवेज आलम के लाडले मोहम्मद वसीम रेजा ने अपने दूसरे प्रयास में ही बीपीएससी की परीक्षा में कामयाबी का झंडा गार दिया। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग सुपौल जिला में एसडीएम के पद पर हुआ हैं। उनकी इस कामयाबी से गांव में खुसी का माहौल हैं। उनके परिजन मुखिया प्रतिनिधि रब्बान अंसारी,हेलाल उद्दीन, कलीम उद्दीन, मास्टर अख्तर आदि ने उनकी इस कामयाबी पर मुबारक बाद दी हैं। शुक्रवार को एसडीएम वसीम रेजा ने हिंदुस्तान से बातचीत के क्रम में बताया कि वे इस कामयाबी का सेहरा अपने माँ बाप व रिश्तेदारों को दिया हैं। उन्होंने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा अररिया से हाई हैं। इसके बाद उन्होंने बरदाहा कॉलेज से इंटर की डिग्री प्राप्त कर दिल्ली चले गए। वहां उन्होंने जे एन यू से ग्रेजुएशन की। उसके बाद उन्होंने जामिया से कोचिंग की। बताया कि उन्होंने यह सफलता दूसरे प्रयास में हासिल की है। वर्तमान समय में उनकी पोस्टिंग सुपौल में एसडीएम के पद पर हुई हैं। एसडीएम मासूम रेजा ने बताया कि उनकी पहली समाज व देश सेवा करना हैं। हर जरूरत मंदो को उनका वाजिब हक में उनकी प्राथमिकता होगी। ●

रिपोर्ट :- अब्दुल कय्यूम

ईद पर्व में सुरक्षा को लेकर डीएम-एसपी की बैठक

● धर्मेन्द्र सिंह

ईद पर्व को लेकर सुरक्षा के मद्देनजर सोमवार दिनांक-03.06.2019 को समाहरणलय के सभागार कक्ष में डीएम हिमांशु शर्मा की अध्यक्षता में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था के मद्देनजर बैठक की। बैठक में डीएम श्री शर्मा ने कहा कि पांच व छह जून को ईद मनाये जाने की संभावना है। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने कार्य स्थल पर उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग को निर्देश दिया की सभी क्षेत्रों में विद्युत की निर्बाध आपूर्ति व्यवस्था करें। वही नगर परिषद के प्रभारी कार्यपालक पदाधिकारी मंजूर आलम को शहर की साफ-सफाई का निर्देश दिया गया। बहादुरगंज नगर पंचायत व ठाकुरगंज नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारियों को भी साफ-सफाई का निर्देश दिया गया। डीएम ने भूमि विवाद की समीक्षा करते हुए सभी अंचल के सीओ व थानाध्यक्षों को निर्देश दिया। कहा पर्व के दौरान विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नही हो इसके लिए पदाधिकारियों को सुरक्षात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। विधि व्यवस्था को लेकर कई संवेदनशील स्थानों को भी चिह्नित किया गया है। मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। असमाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी के लिए मंगलवार दिनांक-04.06.2019 से ही मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी जायेगी। 124 स्थानों में मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी प्रतिनियुक्ति हैं। 23 दंडाधिकारियों को रिजर्व मे रखा गया है। बैठक में पुलिस कप्तान कुमार आशीष ने भी पुलिस पदाधिकारियों को ईद पर्व को लेकर कई अहम निर्देश दिये। बैठक में डीपीजीआरओ हरि शंकर प्रसाद, एडीएम ब्रजेश कुमार, एसडीएम शहनवाज अहमद नियाजी, डीटीओ ब्रजेश कुमार, ओएसडी राहुल बर्मन, डीपीआरओ राघवेन्द्र कुमार दीपक, डीसीएलआर, एसएफसी प्रबंधक अशोक कुमार सिंह, एसडीपीओ डा0 अखिलेश कुमार, टाउन थानाध्यक्ष मनीष कुमार, इंस्पेक्टर रंजन कुमार आदि मौजूद थे। विशेष सतर्कता वाले स्थान शांति पूर्ण माहौल मे पर्व मनाये जाने को लेकर जिले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जायेंगे। सुरक्षा को लेकर जिले में विशेष सतर्कता वाले स्थानों को चिन्हित किया गया है। जिसमे शहर में अंजुमन इस्लामिया, सुभाषपल्ली मदरसा, लाईन मस्जिद, गाड़ीवान मोहल्ला, पश्चिम पाली, चुड़ीपटी, सौदागर पटी, फल चौक, गांधी चौक, करबला मैदान, खगड़ा मेला, जुलजुली मझिया, पुराना खगड़ा, हलीम चौक, चकला आदि स्थानों को चिन्हित किया गया है। थाना परिसर में बनाये गये जिला नियंत्रण कक्ष एडीएम ब्रजेश कुमार, एससीएसटी थानाध्यक्ष नीरज कुमार निराला, अस्थायी नियंत्रण कक्ष फल पट्टी चौक में डीसीएलआर अमिताभ कुमार गुप्ता, बीडीओ मिन्हाज आलम, गश्ती दल संख्या 1 में जिला कृषि पदाधिकारी संतलाल साह, गश्ती दल संख्या 2 में प्यारे माझी सहायक निदेशक की प्रतिनियुक्ति की गई है। गश्ती दल संख्या 3 में राघवेन्द्र कुमार दीपक, गश्ती दल संख्या 4 में डीईओ रतीश कुमार झा, गश्ती दल संख्या पांच में जिला अवर निबंधक अजय कुमार, गांधी चौक में दंडाधिकारी जिला योजना पदाधिकारी अमरदीप तिवारी, लाईन मस्जिद में एसएफसी के जिला प्रबंधक अशोक कुमार सिंह, पश्चिम पाली में जिला सहकारिता पदाधिकारी दिनेश कुमार सहित अन्य जगहों में दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

गुंडा व्यक्तियों का नाम गुंडापंजी से विलोपित

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के सभी थाने, ओपी ने अपने अधीनस्थ थानाओं में गुंडा परेड करा कर कुल 169 गुंडा व्यक्तियों का नाम गुंडापंजी से विलोपित कर दिया है। जबकि जिले के तीन थानों में कुल 72 व्यक्तियों के नामों को जोड़ने की सिफारिश की गयी है। इसकी अधिकृत सूचना एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर किशनगंज के पुलिस कप्तान कुमार आशीष ने दी है। पुलिस कप्तान कुमार आशीष ने उक्त सूचना पुलिस मुख्यालय पटना, बिहार के आदेशानुसार गुंडा परेड के माध्यम से भौतिक सत्यापन एवं स्थानीय जांच के बाद दिव्यांग, मृत, गंभीर बीमारियों से ग्रसित, वृद्वा और क्षेत्र से बाहर रहने वालों की जांचकर ऐसे गुंडा व्यक्तियों का नाम थाना गुंडा पंजियों से विलोपित कर दिया है। जिसका आदेश पुलिस मुख्यालय बिहार से जारी किया गया था। इस प्रक्रिया के बाद किशनगंज जिले के किशनगंज थाना ने 21, बहादुरगंज थाना ने 54, पोठिया 22, कोचाधामन थाना से 11, गलगलिया से 10,

टेढ़ागाछ से 09, फतेहपूर से 02, कुर्लीकोट से 01, पौआखाली से 13, पाठामारी थाना से 23, पहाड़कट्टा से 02 और कोढ़ोबाड़ी थाना से 01 कुल 169 व्यक्तियों का नाम उल्लेखित भौतिक सत्यापन के बाद गुंडापंजी से विलोपित किया जा चुका है। गुंडापंजी में नये नाम जोड़ने के लिए पुलिस मुख्यालय को भेजे गये प्रस्ताव में कुर्लीकोट थाना ने कुल 07, सुखानी थाना ने 05 और बहादुरगंज थाना ने 06 के नामो के साथ पूरे जिले में कुल 72 लोगों का नाम गुंडापंजी में दर्ज किया जा चुका है। बताते चलें कि गुंडापंजी में अंकित नामों के व्यक्तियों के भौतिक सत्यापन, स्थानीय जांच का आदेश पुलिस मुख्यालय की ओर से संभवत: पहली बार दिया गया है। जिससे गुंडापंजियों को अद्यतन कर मृत, वृद्व, बीमार एवं क्षेत्र से बाहर रहने वालों के नामों को हटाया जा सका है।

सूचि :-

किशनगंज थाना	-	21
बहादुरगंज थाना	-	54
पोठिया थाना	-	22
कोचाधामन थाना	-	11
गलगलिया थाना	-	10
टेढ़ागाछ थाना	-	09
फतेहपूर थाना	-	02
कुर्लीकोट थाना	-	01
पौआखाली थाना	-	13
पाठामारी थाना	-	23
पहाड़कट्टा थाना	-	02
कोढ़ोबाड़ी थाना	-	01
कुल	-	**169**

गांजा एवं नशीली दवा के साथ 4 गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्णिया अमौर पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने 81.400 किलो गाँजा के साथ भारी मात्र में नशीली दवा भी बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में 4 लोगो को हिरासत में लिया है। पुलिस कप्तान विशाल शर्मा ने बताया कि गुप्त व विश्वसनीय सुचना मिली की बेलका गाँव में मो0 नसीम नशीली दवा और गाँजा का अवैध व्यापार करता है। उसके घर मे बाहर से गाँजा का अवैध खेप उतरा है। सूचना के आलोक में पुलिस ने मो0 रउफ, मो0 शमीम, मो0 नसीम उर्फ़ गुडडू तीनो पिता-स्व0-अब्दुल रहमान का सयुक्त पक्का आवसीय मकान एवं मो0 उमर पिता-मो0 शलीम एवं मो0 नसीम पिता-स्व0-डोमर के घर दबिश दी। छापेमारी के क्रम में उक्त अभियुक्त के घर से कुल 3160 बोतल प्रतिबंधित नशीली कफ सिरफ, जुट के बोरा में छुपाकर रखा 61.5 किलोग्राम गाँजा तथा घर के बहार खड़ी मारुती स्विफ्ट कार बीआर 11 एसी 9973 के डिक्की में

रखे गांजा-10.5 किलोग्राम एवं उजले रंग की हुंडई वीरना कार डब्लूबी 06 एच 5401 में रखे कुल 9.400 किलोग्राम कुल गांजा 81.400 किलोग्राम के साथ अभियक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के स्वीकारोक्ति में बताया गया की उनके द्वारा नशीली दवा एवं गांजा का कारोबार किया जाता है। पुलिस ने इनके पास से 2 लक्जरी कार, 4 एटीएम, 2 मोबाइल फोन एवं 16 हजार रुपया भी बरामद किया है। इस गिरोह का मास्टर माइंड मो0 नसीम है जो कूचबिहार से गाँजा लाकर पूर्णिया और इसके आसपास इलाके में बेचता है। पुलिस ने इनके सहयोगी नीरज कुमार मंडल और उमेश मंडल दोनो साकिन नबाबगंज, थाना कुर्सेला, जिला कटिहार एवं शमशेर अली साकिन चाँदी कुटी, थाना सिहरा जिला कूचबिहार को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके खिलाफ अमौर थाना कांड सं-70/19 धारा-8/20 बी0/(!!) सी0 एनडीपीएस एक्ट एवं 18 (सी) /27 (बी) (सी0) (!!) ड्रग्स एवं कास्मेटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है। ●

धार्मिक उन्माद फैलाने वालों पर सक्रियता से निपटेगी पुलिस

● सुमित राज यादव

ठाकुरगंज प्रखंड के सखुवाडाली पंचायत के धुलाबाड़ी गाँव मे मो. अनवारुल हक के चाय बागान पर कब्जा प्रकरण में कई प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है। धार्मिक उन्माद फैलाने वाले पर भी पुलिस पूरी सक्रियता से निपटने में लगी हुई है। जिला प्रशासन की टीम द्वारा ईद के दिन चाय बागान को कब्जा मुक्त करा दिया गया। दूसरे दिन कई प्रकार के अफवाहों से खासकर सोसल मीडिया से बाजार गर्म करने में जुटे कुछ असामाजिक तत्वों को लेकर जिला पदाधिकारी और आरक्षी अधीक्षक को पूरे जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जिला मुख्यालय और ठाकुरगंज थाना परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी घटनाक्रमों से आमजनों को अवगत करवाया। ठाकुरगंज थाना में नागरिक एकता मंच के सदस्यों और ठाकुरगंज के जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्धजनो के साथ प्रसासनिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम और एसपी ने सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए स्पस्ट कहा कि ईद के दिन दो समुदायों के बीच विवाद को भड़काने के प्रयास करने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

पूरे घटना क्रम का वीडियो फुटेज पुलिस के पास उपलब्ध हैं। साथ ही मामले में उकसाने वालो को भी चिन्हित किया जा रहा है। ऐसे उपद्रवियों के मोबाइल को सर्विलेंस पर रखा जाएगा। उनके सारे कॉल डिटेल्स भी निकाले जाएंगे। कॉल डिटेल के आधार पर उनकी पुरानी गतिविधियों और वर्तमान गतिविधियों पर विचार किया जाएगा। एसपी ने कहा कि दोषी पाए जाने वाले को चिन्हित कर अविलंब गिरफ्तार कर जेल भेज दी जाएगी। किसी भी उपद्रवियों को बख्शा नहीं जाएगा। पर्दे के पीछे रहकर माहौल को बिगाड़ने वाले को चेताते हुए कहा कि अब उनकी एक नही चलने वाली है। ईद के दिन माहौल खराब करने का प्रयास करने वाले लोग निंदनीय काम किए है। सोसल मीडिया पर भड़काऊ बयान और पोस्ट वह्यरल करने वाले को भी गिरफ्तार करने को लेकर पुलिस सतर्कता से छानबीन कर रही है। डीएम ने पूरे मामले को आमलोगों

के बीच रखते हुए कहा कि आदिवसियों के साथ समझौता कर उनसे वार्ता में मुकेश हेम्ब्रम ने सकारात्मक प्रयास किया है। लेकिन, जो भी आदिवासियों को उकसाने का प्रयास कर गंगा-जमुनी तहजीब को तोड़ने का कुकृत्य प्रयास किया है। कानून को अपने हाथ मे लेकर भीड़ को भड़काने का प्रयास किया है। कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास किए है। वैसे लोगों पर सीसीए एक्ट लगाने की पूरी तैयारी शुरू हो चुकी है। आमजन से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दे। जो भी अफवाह फैला रहे हैं। उनके नाम को चिन्हित कर इसकी सूचना तुंरत एसपी डीएम को दे। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता और प्रेस के साथ हुई बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों में डीएम हिमांशु शर्मा, एसपी कुमार आशीष, डीडीसी यशपाल मीणा, एसडीएम एसडीपीओ डॉ. अखिलेश कुमार के अलावे प्रखंड के बीडीओ श्रीराम पासवान, सीओ उदयकृष्ण यादव, कार्यपालक पदाधिकारी नप, सचेतक बिहार विधानसभा सत्तारुढ़ दल व विधायक ठाकुरगंज नोशाद आलम, मुख्य पार्षद देवकी अग्रवाल, उपमुख्य पार्षद प्रमोद कुमार चौधरी, सर्किल इंस्पेक्टर श्याम किशोर यादव, थानाध्यक्ष ठाकुरगंज आशिफ बैग, प्रखंड प्रमुख रजिया सुल्ताना, उपप्रमुख गुलाम मोहिनुद्दीन, पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल, पूर्व नप मुख्य पार्षद नवीन यादव सहित प्रखंड के कई पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। ●

सोशल मीडिया के दुरूपयोग से युवाओं का भविष्य खतरे में : सिकन्दर पटेल

● सुमित राज यादव

बदलते आधुनिक युग मे युवाओं के द्वारा सोशल मीडिया पर बढ़ते क्रेज को लेकर नागरिक एकता मंच के अध्यक्ष श्री कृष्ण सिंह उर्फ सिकंदर पटेल ने चिंता जाहिर करते हुए एक विशेष वार्ता के दौरान सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और इसके दुरपयोग और सदुपयोग पर चर्चा करते हुए कहा कि आज के बढ़ते सोशल मिडिया के प्रभाव में युवाओं की भूमिका काफी बढ़ती जा रही है। लेकिन, इसके वावजूद सकारात्मक कम और नकारात्मक अधिक दिखने को मिल रहा है। सोशल मिडिया के फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर बीते वर्ष हुई करवाई को लेकर द्वारा हुई गिरफ्तारी के बाद युवाओं में सोशल मीडिया से दूरियां निश्चिन्त तौर पर बनी है। लेकिन पुलिसिया कार्रवाई से एक संदेश वैसे लोगो के लिए भी गया है। वाट्सअप पर बढ़ते ग्रुप की संख्या भी असामाजिक तत्वो को बढ़ावा दे रही है। परिस्तिथि ऐसी बनती है कि सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने को लेकर गिरफ्तारी पहले और प्राथमिकी बाद में की जाने की पहल की जाती है। क्योंकि, विभागीय दबाब और राजनितिक प्रेशर असामाजिक तत्वो से ज्यादा सक्रिय रहते है। इसलिए युवाओं को अपनी विवेक का प्रयोग सोच-समझकर सोशल मीडिया पर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के युवा अपनी पिता के कठिन विपरीत परिस्थियों को भूलकर खुद को उनके साथ खड़े न होकर सोशल मीडिया में अपना कीमती समय व्यर्थ कर रहे है। जहां एक ओर समाचार और सूचना प्रसारण में सोशल मीडिया एक अच्छे विकल्प के रूप में हमारे

सामने आई है। तो वही दूसरी ओर इसके बढ़ते गलत प्रभाव से आज के युवा वर्ग काफी बुरी तरह से इसके आगोश में चली जा रही है। किसी खास धर्म, समुदाय और जाति को लेकर टीका-टिप्पणी कर उनके मान-सम्मान को ठेस पहुँचाना सोशल मीडिया के जरिए तीव्रता से प्रचारित हो रहा है। आज के युवाओं को सोशल मीडिया से अपना ध्यान हटाकर रोजगार और अध्ययन में लगाने की शख्त आवश्यक्ता है। ताकि युवाओं का भविष्य एक बेहतर समाज के निर्माण में अग्रणीय भूमिका अदा कर सके। सोशल मीडिया पर बेवजह अपनी बातों को रखने के बजाय सामाजिक सैद्धान्तिक कार्य कर समाज हित में सामाजिक कार्य करने की बात कही। श्री पटेल ने कहा कि आज के युवाओं का रुझान सोशल मीडिया पर तीव्रता से बढ़ने से कारण शिक्षा के प्रति लगाव कम उम्र में ही कम होने लगता हैं। इसके लिए कई सिम ऑपरेटर के मनचाहा इंटरनेट डेटा उपलब्ध कम पैसे में अधिक होने से भी बच्चों का इंटरनेट के ओर ध्यान आकर्षित हो रहा है। कम समय से ही कम उम्र में ही स्मार्ट फोन का उपयोग करने के लिए अभिभावकों पर बच्चों द्वारा दबाब बनाया जाने लगता है। जो बच्चों के भविष्य के साथ-साथ उनके कैरियर के लिए भी नुकसानदेह साबित होता है। ●

स्थानीय स्तर पर सोसल मीडिया का बढ़ रहा दुरुपयोग

दिन व दिन बढ़ते सोसल मीडिया के क्रेज में वाट्सएप ग्रुप का क्रेज इनदिनों कुछ लोगों के सिर चढ़ कर बोल रहा है। न्यूज ग्रुप बनाकर समाचार आदान प्रदान करने के अलावे एक दूसरे को नीचा दिखाने, छिटाकसी और बर्चस्व दिखलाने का मात्र भाव रह गया है। बीते दिनों ठाकुरगंज में किसी एक खास वाटसअप ग्रुप बनाकर के माध्यम से अभद्र भाषा के साथ टिप्पणी करके सामाजिक लोगो और राजनीतिक दलों के साथ स्थानीय मीडिया, व्यवसाई पर भी जमकर हुए बयानबाजी के बाद चौतरफी चर्चा वाट्सएप का दुरुपयोग को लेकर बन गया है। बुद्धिजीवी वर्ग इसे समय की बर्बादी बता रहे है तो कुछ लोग बेरोजगार युवाओं को दिन से रात तक अभद्रता की पराकाष्ठा को पार करना बतलाया है। स्थानीय लोगों में इनदिनों वाटसअप का दुरूपयोग कर समय की बर्बादी युवाओं के द्वारा किए जाने की कवायद तीव्र गति से शुरू हो गई है।

सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने पर सम्मान समारोह का आयोजन

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्णिया जब पुलिस कप्तान विशाल शर्मा ने सिपाही 504 अमित कुमार को सम्मानित किया तो उसका सीना गर्व से चौड़ा हो गया। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ एक सम्मान ही नही, ये हम सबों का श्रृंगार है। बताते चलें कि जिले में लोकसभा चुनाव 2019 को सफलता पूर्वक पूरा करने पर पुलिस लाईन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मियों को पुलिस कप्तान विशाल शर्मा ने दिया प्रशस्तिपत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया। साथ ही उन्होंने लोकसभा चुनाव 2019 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न करवाने में अहम भूमिका निभाने के लिए उनकी सराहना की। इसके लिए पूर्णिया पुलिस कप्तान ने पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मियों को ढेर सारी बधाई और शुभकामना भी दी। सम्मानित होने वालों में जिले के पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय नुरुल हक, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आनंद पांडेय, बनमनखी

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विभाष कुमार, बायसी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी मनोज राम, धमदाहा पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी प्रेम सागर, यातायात पुलिस उपाधीक्षक सतेंद्र कुमार सिंह के साथ-साथ जिले के पुलिस निरीक्षक, जिले के थानाध्यक्ष और विभिन्न शाखाओं के पुलिस कर्मी हैं। ●

अज्ञात चोरों द्वारा लाखों की चोरी

● सुरेश कुमार गुप्ता

लौकहा थाना से महज 200 गज की दूरी पर मिश्रा टोल अलबंकी स्थित सेवानिर्मित सीआईएसएफ इंस्पेक्टर स्वर्गीय जीवकांत मिश्र के आवास में बीती रात अज्ञात चोरों ने लगभग लाखों रुपये की सम्पति पे हाथ साफ किया। शनिवार की रात स्वर्गीय मिश्रा के घर के चार दिवारी को लांघकर आँगन में प्रवेश कर कमरे की ताला तोड़ते हुए उसमे रखे सभी सामग्रियों नगद समेत लेते हुए उसी हाथे में रह रहे मधवापुर निवासी शिक्षक सूर्य कुमार जो भारे पर रह रहा था उसके भी दो कमरों की ताला तोड़ कर लाखों रुपए की संपत्ति उठा ले गए शिक्षक गर्मी के छुट्टी में अपने घर गए हुए है। बताते चले की स्वर्गीय मिश्रा के घर में रखे अलमारी से चालीस हजार नगद सोने की जेवरात पंद्रह भर सात सौ पच्चास ग्राम चांदी के जेवरात वही शिक्षक सूर्य कुमार के दोनों कमरों के आलमारी तोड़कर उसमे रखें तीन भर सोने का जेवरात जिसमे कान के वाली नथिया

लॉकेट एवं चांदी के चार बलिया दो चौन दो घड़ी लगभग दो लाख की जेवरात लेकर आराम से चलते बने जबकि बगल के रूम में गृहस्वामिनी उम्र 62 वर्षीय इन्द्रकला देवी सोई थी उन्हें भी चोरी की भनक नही लगी। गौरतलब है की घटना स्थल से महज 100 गज पश्चिम एसएसबी कैम्प के रहते हुए चोरो ने बेफिक्र घटना को अंजाम देते चलते बने वही चोरो ने मुख्य बाजार के व्यवसाय सत्य नारायण अग्रवाल के घर के पीछे के दरवाजे तोर वहां भी किस्मत आजमाना चाहा लेकिन गृहस्वामी के जाग जाने से चोरों के मंसुवे पर पानी फिर गया गृहस्वामी के द्वारा पुलिस गस्ती दल एवं ग्रामीणों के जुटने की आहट पाकर चोरो ने अंधेरे के फायदा उठा कर भाग निकला। उल्लेखनीय है कि आये दिन चोरो के आतंक से लौकहा के इद्रगिर्द चोरो की हरकत से लोगों असुरक्षित महसूस कर रहे है। जबकि लौकहा में अवस्थित पुलिस थाना एसएसबी कैम्प कष्टम कार्यालय पुलिस विशेष शाखा के सदस्य के बाबजूद चोरो के द्वारा बेफिक्र घटना के अंजाम दिया जा रहा है। ●

आईरा प्रेस यूनियन की मीटिंग

● सुरेश गुप्ता

मधुबनी जिले के जयनगर अनुमण्डल मुख्यालय के जयनगर स्थित वार्ड-2 के डॉ. सुनील राउत निवास स्थान पर ऑल इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन(आईरा) मधुबनी जिला इकाई के तत्वाधान में कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम में वर्तमान समय में प्रेस की स्वतंत्रता पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दिनेश सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारों को मजबूती के साथ संगठित होने की आवश्यकता है। हमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा। हमें संगठित होकर सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून को जमीनी स्तर पर लागू करवाना होगा। कार्यक्रम में आए दिन पत्रकारों के साथ हो रहे अत्याचार, पत्रकारों पर हो रहे आत्मघाती हमले, पत्रकारों की हत्या, पत्रकारों के साथ मारपीट आदि की घटनाओं पर चिंता जाहिर की गयी। भविष्य में ऐसा ना हो इस पर विचार किया गया। पत्रकारों के साथ हुए किसी घटना पर प्रशासन के द्वारा त्वरित कार्रवाई नहीं किया जाना चिंता का विषय है। कार्यक्रम में पत्रकारों ने संगठित होकर एक साथ एक दूसरे पत्रकारों को सहयोग करने की बात कही। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से आये पत्रकारों ने भी सम्बोधित किया और पत्रकारिता के महत्व, गुणवत्ता, साख और भविष्य पर गहन विचार-विमर्श और परिचर्चा हुई। जयनगर के अलावा खजौली, लदनियां, बासोपट्टी, खुटौना, फुलपरास, राजनगर, मधुबनी, कलुआही, हरलाखी, बाबूबरही समेत अन्य स्थानों के विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकार शामिल हुए। पत्रकारिता की चुनौतियों, भविष्य की पत्रकारिता, आधुनिक तकनीक का पत्रकारिता में प्रयोग और चुनौतियों तथा न्यू मीडिया का परम्परागत मीडिया पर प्रभाव पर भी वक्ताओं ने राय व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत परिचय के साथ हुआ और अध्यक्षता राष्ट्रीय सागर हिंदी दैनिक समाचार पत्र तथा लाइव सिटीजन पोर्टल के मधुबनी ब्यूरो चीफ सुमित कुमार राउत ने किया।

कार्यक्रम में स्पाई व्यू न्यूज के मैनेजिंग एडिटर एस कुमार ,केवल सच के विशेष प्रतिनिधि प्रशांत कुमार गुप्ता, टीवी वन इंडिया न्यूज के रूपेश कुमार, सोनभद्र एक्सप्रेस के रमेश कुमार, ईटीवी भारत के सत्यनारायण सिंह, अपना जयनगर न्यूज के सुमित कुमार राउत, दैनिक भास्कर लदनियां के आशीष चन्द्र झा, डेन न्यूज राजनगर के सुजीत कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय सागर और जयनगर लाइव के पप्पू पूर्वे, स्वतंत्र पत्रकार और आईरा के जिला संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार, आईरा के जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, आईरा के जिला उपाध्यक्ष बृजेश चन्द्र, तरुणमित्र खजौली के संजय कुमार पण्डित, दुल्लीपट्टी समाचार के ऋषि कुमार सिंह, बसु, प्रोफेशनल वीडियोग्राफर अमित कुमार महतो, दैनिक भास्कर बासोपट्टी के प्रवीण कुमार ठाकुर, दैनिक जागरण बासोपट्टी के रौशन सिंह, प्रभात खबर बासोपट्टी के रौशन ठाकुर, इंडिया न्यूज नाउ के राजा गुप्ता, तरुणमित्र लदनियां के अमित कुमार, राष्ट्रीय सागर खजौली के बिट्टू गुप्ता, क्राइम सस्पेंस मीडिया के मिथिला सम्पादक प्रो. जगदीश प्रसाद यादव, हॉटलाइन के विशेष संवाददाता पप्पू कुमार सिंह, दूरदर्शन(डीडी बिहार/डीडी न्यूज) के सुभाष सिंह यादव समेत अन्य पत्रकार उपस्थित रहे और पत्रकारिता की बुलन्द आवाज को बल दिये।

★ **अनुमण्डल ईकाई का गठन, 6 पदाधिकारी मनोनीत** :- कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष दिनेश सिंह के नेतृत्व में सबकी सहमति से जयनगर अनुमण्डल ईकाई का गठन और प्रत्येक नाम पर चर्चा और आम सहमति के बाद पदाधिकारियों की विधिवत घोषणा की गई। प्रो. जगदीश प्रसाद यादव को अनुमण्डल संरक्षक, सुमित कुमार राउत को अध्यक्ष, एस कुमार को महासचिव, रौशन ठाकुर को सचिव, पप्पू कुमार पूर्वे को संयुक्त सचिव तथा सुभाष सिंह यादव को अनुमण्डल मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। जिले के सुविख्यात पत्रकार प्रो. जगदीश प्रसाद यादव ने कहा कि दिनेश जी आईरा के माध्यम से पत्रकारों की आवाज बुलंद कर रहे हैं और इसमें मैं हमेशा साथ हूँ। उपस्थित पत्रकारों को आईरा संगठन का पहचान पत्र पहनाकर कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

अपराधियों पर नकेल मुख्य टारगेट : कांतेश मिश्र

शांतिप्रिय मृदुभाषी एवं तीखे तेवर वाले मूल रूप से भोजपुर महुआव के निवासी, 2015 बैच के आईपीएस कांतेश कुमार मिश्र अपनी योग्यता कर्मठता, दक्षता एवं ईमानदारी के दम पर अपने सेवा के अल्पकाल में ही एक विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुके हैं। फिलवक्त पटना के ग्रामीण एसपी के रूप में पदभार संभाल रहे हैं। पत्रिका प्रतिनिधि **श्रीधर पांडेय** ने आईपीएस **कांतेश कुमार मिश्र** से खास मुलाकात कर विभिन्न बिंदुओं पर वार्ता की जिसके संपादित कुछ अंश:-

बातचीत के क्रम में आईपीएस कांतेश ने बताया कि वह चार से पांच साल की उम्र में ही अपने फैमिली के साथ पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर चल गए,जहाँ उनके पिता जी डीएवी पब्लिक स्कूल में टीचर है। दो भाई बहनों में छोटे कांतेश ने उड़ीसा से 12 वी तक की पढ़ाई की एवं पश्चिम बंगाल से कंप्यूटर साइंस से बीटेक किया है। इसके बाद कलकत्ता में टीसीएस कम्पनी से जुड़ गए। वहाँ काम के साथ - साथ सिविल सर्विसेज की भी तैयारी के लिए समय निकालते रहते। उन्होंने बताया कि बचपन से ही दादाजी स्व रामप्रवेश मिश्र से प्रेरणा मिलता रहा है,एवं सामाजिक कार्यों के प्रति रुचि रही है। आप कहीं भी सामाजिक कार्य कर सकते है लेकिन सरकार तंत्र के साथ जुड़कर लोगो की सेवा ज्यादा से ज्यादा किया जा सकता है। सिविल सर्विसेज की परीक्षा 2013 में अंतिम रूप से चयन न हो पाने के बावजूद भी मनोबल कम नहीं हुआ,क्योकि प्रथम प्रयास में इंटरव्यू तक पहुंचने से एहसास होने लगा था कि थोड़ा और मेहनत करने के बाद सफलता मिल सकती है। इसलिए उन्होंने नौकरी छोड़ दिया एवं तैयारी में जुट गए।अंतत: 2015 के परीक्षा में 103 रैंक के साथ भारतीय पुलिस सेवा में सफलता मिली।

गौरतलब हो कि आईपीएस कांतेश कुमार लगातार दो बार यूपीएससी की परीक्षा में सफल हुए एवं दोनों ही बार उनका चयन भारतीय पुलिस सेवा में हुआ। आगे बताया कि वह मुजफ्फरपुर एवं सिवान में अपना कार्य किया है एवं ट्रेनिंग में लिए गए कोर्स का भरपूर फायदा उठाया। सिवान में सदर एसडीपीओ के पद पर रहते हुए पुलिस पब्लिक मैत्रेयी सम्बन्ध स्थापित करने के साथ साथ सेंसिटिव इलाको का पर्व एवं लोकसभा चुनाव दोनों ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आम पब्लिक के सहयोग से निभाने में सफल रहे हैं। फिलवक्त पटना के ग्रामीण एसपी के रूप में अपनी योगदान दे रहे है। पटना ग्रामीण का यह इलाका एरिया में बहुत बड़ा होने के साथ साथ आपसी रंजिश, जमीनी विवाद, आपराधिक घटनाएं, रोड एक्सीडेंट की समस्या यहाँ की पुलिसिंग के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा है, जिसपर नकेल कसने के लिए ग्रामीण एसपी मुस्तैदी से है।

एसपी कांतेश मिश्र ने बताया कि पुलिस पब्लिक का ही एक अंग है, इनके कार्यो में आप सहयोग करे और पुलिस शांति के वातावरण एवं भयमुक्त समाज देने के लिए हमेशा से ततपर रही है। किसी भी तरह की सूचना (भ्रामक नहीं) आप पुलिस को दे, हमलोग त्वरित करवाई के लिए कृत संकल्पित है। किसी भी स्थिति में कानून को हाथ मे नहीं ले, हमारे नजर में अपराध छोटा हो या बड़ा अपराध करने वाला अपराधी ही हैं एवं उसपर नकेल कसना हमारी प्राथमिकताओं में है। हाल के दिनों में पटना ग्रमीण के इलाकों में कुछ बड़ी आपराधिक घटनाएं देखने को मिली है, इसे पुलिस ने चुनौती के रूप में स्वीकार किया है, बहुत जल्द ही हमारी टीम एक एक आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को सलाखों के पीछे पहुंचाएगी। युवा आईपीएस ने सिविल सर्विसेज के या अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों को बताया कि अपनी काम ईमानदारी से करे। आपका काम पढ़ना है, उसके लिए एक समय प्रबन्धन के साथ सिलेबस को पूरी तरह समझ ले। पिछले वर्षों के प्रश्नों का पढ़ना न भूले। यह लगातार प्रयास जारी रहा, तो सफलता निश्चित मिल सकती है। खासकर सिविल सर्विसेज की तैयारी में जुटे छात्र के लिए घर परिवार को भी काफी सपोर्ट की जरूरत है। उन्हें भी समझना चाहिए। प्रति वर्ष लाखो छात्र परीक्षा में बैठते हैं लेकिन सफलता पॉइंट में आती है, इसलिए इसकी महत्ता एवं तैयारी समझना जरूरी होता है। कहीं तीन चरण में होने वाली परीक्षा में चूक गए तो फिर से शुरुआत करने की जरूरत होती है इसलिए ईमानदारी से लगे एवं अपना आत्म विश्वास एवं धैर्य रखें। दीगर बात यह भी है कि एक सफल कंप्यूटर इंजीनियर होने के साथ साथ भारतीय पुलिस सेवा के 2015 बैच के अधिकारी कांतेश कुमार मिश्र एक चर्चित पुलिस ऑफिसर के साथ साथ एक अच्छे निबन्धकार एवं कहानीकार भी है। यूपीएससी सामान्य अध्ययन में इनके कई आलेख प्रकाशित है। अब्राहम लिंकन, भगत सिंह एवं सुभाष चन्द्र बोस की जीवनी से काफी प्रभावित रहे है। ●

स्वच्छ एवं सुंदर नगर पहली प्राथमिकता : जय कुमार

ज्ञान ,कर्म तपस्या एवं बलिदान की धरती चम्पारण हमेशा से संघर्ष करती आ रही है।इस संघर्ष करने वाली धरती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी संघर्ष करते हुए अपने सफल आंदोलन की शुरुआत की थी तो कई प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी यहां संघर्ष कर देश में अपनी विशिष्ट पहचान स्थपित करने में सफल रहे है।आज हम बात करेंगे बिहार के नगर सेवा के अधिकारी जय कुमार की ,जिनकी पहली पोस्टिंग ही पूर्वी चम्पारण के केसरिया नगर पंचायत में बतौर कार्यपालक पदाधिकारी हुई है। अपने ईमानदारी, कर्मठता, दक्षता एवं अनुभव के दम पर जय ने अपने अल्प काल मे ही नगर में एक विशिष्ट पहचान स्थापित करने में सफल हो रहे है,तो वही मुख्यमंत्री के सात निश्चय की योजनाओं में तीन योजनाओ को पूरी प्राथमिकता के साथ नगर में कार्य हो रहा है। इन्ही मुद्दों पर पत्रिका प्रतिनिधि **श्रीधर पाण्डेय** ने केसरिया नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी **जय कुमार** से खास मुलाकात की, जिसके सम्पादित कुछ अंश :-

★ बतौर कार्यपालक पदाधिकारी आपकी प्राथमिकता क्या थी और उसमें आप कहाँ तक सफल हुए है?

नगर निकायों में सबसे पहले साफ सफाई पर विशेष ध्यान देना मेरी प्रथमिकता में रही हैं।अगर हम स्वच्छ रहेंगे तो ही स्वस्थ रहेंगे। स्वच्छ एवं सुंदर नगर की श्रेणी में केसरिया नगर पंचायत को लाना हमारा लक्ष्य रहा है। इसमें मैं बतौर कार्यपालक पदाधिकारी अपनी पूरी टीम के साथ शहर में विभिन्न तरह के जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगो के खुले में शौच से मुक्त बनाने की अपील,स्वच्छ बनाने की जवाबदेही के लिए जागरुक किया।यहाँ सड़को की साफ सफाई भी काफी बेहतर है ।सरकार के द्वारा डोर टू डोर कचड़ा उठाव की प्रक्रिया एवं सूखे और गीले कचड़े के लिए अलग-अलग उठाव की प्रक्रिया काफी सराहनीय है। कचड़े की प्रोसेसिंग के लिए जमीन फाउंड आउट कर लिया गया हैं।

★ केंद्र एवं राज्य सरकार की कौन- कौन सी महत्वपूर्ण योजना पर आपके नगर पंचायत में कार्य चल रही है?

केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओ में से एक है शहरी गरीबो के लिए पक्के का मकान,इसका लाभ हमारे यहाँ गरीबो को मिल रहा है। इस योजना के लाभ से उनके जीवन मे काफी बदलाव देखने को मिला हैं। राज्य सरकार के सात निश्चय योजना में से तीन निश्चय पर हमलोग कार्य कर है, नली-गली, नल-जल एवं शौचालय निर्माण। माननीय मुख्यमंत्री जी का टारगेट है कि 20 जून 2020 तक हर घर शौचालय का निर्माण कार्य को पूरा कर लेना है,लेकिन हमारे यहाँ यह 100% पूरा कर लिया गया है। नाली गली,एवं नल जल पर भी हमलोग पूरी तरह चौकस होकर कार्य को पूरा अपने निगरानी में सम्पन्न करा रहे है।

★ राजनीतिक सुरमा विकास के कार्य मे कितना रोड़ा बनते?

नगर निकाय के दो पहिये है एक राजनीतिक बोर्ड है,जिसके जनप्रतिनिधि बोर्ड के नियम बनाते है एवं नगरपालिका नियमावली के तहत बोर्ड द्वारा बनाए गए नियम को संचालन करना है।इसलिए जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर ही अबाधित रूप से विकास सम्भव हैं।

★ सड़को पर लगा स्ट्रीट लाइट काफी महंगा लगता है ऐसी चर्चा आम हैं,क्या कहना चाहेंगे आप?

सरकार ने इस चीज को समझा है,इसमे कुछ हद तक सच्चाई हैं,खरीददारी में अनियमितता पाई गई ,जिसके चलते इसे आउट सोर्सिंग एजेंसी के यह दायित्व दिया गया है।

★ आप अपने किन कार्यो से संतुष्ट है?

हर घर शौचालय का निर्माण हमलोगों ने शत प्रतिशत पूरा कर लिया है। सेकेंड लिस्ट में भी हमलोगो ने 500 लोगो को पेमेंट किया हैं। हमलोग इस पर काफी काम किये जिसके वजह से काम मे तेजी आयी एवं ससमय हमलोग अपना काम पूरा कर लिए।

★ केसरिया नगर पंचायत में आपकी पहली पोस्टिंग है ऐसा क्या कुछ करना चाहेंगे जिससे लोग आपको याद रखे?

केसरिया नगर पंचायत को मैं काफी करीब से देख एवं समझ रहा हूँ,यहाँ हमारी पहली पोस्टिंग है,यहाँ बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। मैं यहाँ की हर एक कमियों को दूर करने का प्रयास करना चाहूंगा ताकि एक स्वछ ,सुंदर एवं बेहतर नगर का निर्माण हो सके। हमारे नजर में यहाँ बस स्टैंड नहीं है, और न ही पार्क जिसमे लोग टहल बैठ सके। इस दोनों सुविधाओ के लिए मैं प्रयासरत हूँ साथ ही साथ नगर निकाय की आमदनी को बढ़ाना हैं।

★ केवल सच के माध्यम से केसरिया नगर वासियो से क्या अपील करना चाहेंगे?

केवल सच के माध्यम से हम सभी नगर वासियो से अपील करना चाहेंगे कि यह शहर आपका है,आपके फ्यूचर इस शहर पर ही टिका हुआ है। इसलिए स्वच्छ एवं सुंदर बनाना आपकी भी जबाबदेही है। सरकार ने मुझे यहाँ आपकी सेवा एवं विकास के लिए भेजा है। आप अगर सहयोग करें तो बेहतर नगर की परिकल्पना हो सकता है।

डायलिसिस में एम्बुलेंस

● मिथिलेश कुमार/कृष्ण कुमार चंचल

आपात स्थिति में राहत पहुंचाने के लिए तैयार रहने वाली एंबुलेंस सेवा खुद बेहाल है।बिहार सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिये सभी प्राथमिक एवं अनुमंडल तथा जिला अस्पतालों में एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। इसमें ट्रामा मरीजों एवं आकस्मिक सेवाओं के लिये जीवन रक्षक उपकरणों से लैस व्यवस्था बहाल करने के लिये सरकार अपनी कटिबद्धता दुहराती रही है। परंतु हालात यह है कि पुराने एंबुलेंस खराब स्थिति में दौड़ रही हैं इसमें न तो पर्याप्त लाइफ सपोर्ट उपकरण है और न ही प्रशिक्षित एम्बुलेंस कर्मी मौजूद होते है केवल वाहन चलाने की जानकारी रखने वाले भी अतिआवश्यक सेवा प्रदान करने वाले वाहन पर कोई दवा की व्यवस्था ही होती है ऐसे में गंभीर मरीजों की अस्पताल तक पहुंचने के दौरान जान का खतरा बना हुआ है. स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों की सेवा के लिए कम दाम पर वातानुकूलित एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराया है. लेकिन सरकारी अस्पताल के एंबुलेंस का एसी विगत कई माह से खराब होने से मरीज को परेशानी होती है. ऐसी बात नहीं है कि एसी खराब होने पर मरीजों से निर्धारित राशि से कम पैसे लिये जाते हो. विभाग ने इसकी राशि दस रुपये प्रति किलोमीटर निर्धारित किया है. गर्मी के दिनों में एंबुलेंसों के एसी खराब होने से मरीज को सदर अस्पताल जाने में परेशानी होती है. सबसे अधिक परेशानी बर्न केश के मरीजों को होती है. पुराने एंबुलेंस का उचित रख-रखाव नहीं होने से एंबुलेंस की हालत काफी जर्जर हो गयी है. एंबुलेंस का संचालन करने वाले एनजीओ को ही एंबुलेंसों का रख-रखाव करने की जवाबदेही है. एंबुलेंस को विभाग ने निजी एनजीओ का चलाने के लिए दिया है.पर एंबुलेंस का बीमा एनजीओ द्वारा नहीं कराया गया है. एनजीओ संचालक किसी प्रकार का गाड़ी का कागजात चालक को उपलब्ध नहीं कराते हैं।पैसे कटने के डर से रख-रखाव के लिए ऑफ रोड नहीं होते एंबुलेंस। सरकारी एंबुलेंस मरीजों की सेवा में उपलब्ध है. स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी एंबुलेंसो को चलाने के लिए सम्मान फाउंडेशन एवं पीडीपीएल एनजीओ को दिया है.अनुबंध के मुताबिक संचालन करने वाले एनजीओ को ही एंबुलेंसों का रख-रखाव करना है. रख-रखाव में दवा से लेकर गाड़ी की मरम्मत करने की जवाबदेही एनजीओ को है. यानी जिस स्थिति में विभाग ने उन्हें सौंपा है. उस स्थिति को बरकारार रखना है. विभाग के शर्त के अनुसार अगर एक दिन भी एंबुलेंस ऑफ रोड हुई तो उसके भुगतान में से दो हजार रुपये प्रतिदिन की कटौती कर दी जायेगी. जिसका एसी काम नहीं कर रहा है. पैसे कटने की डर से संचालन करने वाले एनजीओ एंबुलेंस को इस हालत में रखते है कि सिर्फ सड़कों पर दौड़े. मरीजों की सुविधा से उनका कुछ लेना-देना नहीं. इसलिए जरूरी है कि अस्पताल प्रशासन इस पर संज्ञान ले, और ऐसे एंबुलेंसो पर कड़ी कार्रवाई करें।बहरहाल मरीजों को अस्पताल ले जाने बाले एम्बुलेंस को स्वंय डायलिसिस की जरूरत है।●

आवश्यकता

भ्रष्टाचार एवं विभाग की गुंडागर्दी के विरूद्ध अपनी आवाज बुलन्द करने के लिए नवादा, नालन्दा, गया, जहानाबाद, लखीसराय, शेखपुरा और कोडरमा जिला में जिला ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है। बेरोजगारी की कोढ़ से मुक्ति पायें एवं समाज एवं सरकार में प्रतिष्ठा के साथ महीने का 25 से 30 हजार रूपया भी पारिश्रमिक कमा सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें:-

मिथिलेश कुमार:- 9934021022 - 9431410833
मनीष कमलिया:- 9934964551 - 6202340243
कृष्ण कुमार चंचल- 9430520291
अरबिन्द मिश्र - 6204617413, अमित कुमार सिंह- 9934706928

कुड़े का अंबार बताता है कितना सजग है नगर निगम

● मणिभूषण तिवारी

आरा नगर निगम ही नहीं बल्कि बिहार के सभी जिले एवं अनुमण्डल कुड़े के ढेर से पटा हुआ है। भले ही सरकार और सरकारी अधिकारी, कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि लाख दावे करते हो भले ही बड़े-बड़े होल्डिंग लगा दिये जाते हों स्वच्छता एवं निर्मलता की परन्तु सच क्या है ये किसी से छुपा हुआ नहीं है। मगर पब्लिक तो पब्लिक है इसे बहुत ही आसानी से बेवकुफ बनाते हैं ये लोग। आये दिन नगर निगम के कर्मचारियों को देखा जाता है भुख हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन करते हुए। जरा सी भी अगर उन्हें वेतन में देर हो जाए तो सरकार की नकोदम कर देते हैं। मगर क्या कभी किसी कर्मचारी ने अपना एक दिन का वेतन नहीं लिये बिना स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने में अपना योगदान कर सकता है। नहीं जवाब नहीं में मिलेगा। गली-मुहल्ले सड़कों तथा नाले-नदियों के सफाई अभियान में आये दिन कोई न कोई स्वच्छता का ढोंग रचते हुए अखबारों की सुर्खियों में देखा गया है, परन्तु क्या सचमुच लोग दिल से अपने आसपास के क्षेत्रों को साफ करने पर अमादा हैं नहीं। जवाब नहीं में मिलेगा। क्योंकि लोगों से टैक्स वसुलने का काम नगर निगम एवं नगर निकाय किया करती है और ये उसकी डियूटी होती है कि कुड़े कर्कट वाले सभी स्थानों को चिन्हित कर वहाँ कुड़ेदान रखें तथा उससे नियमित निकासी कर शहर से दूर उसे ठिकाने लगायें, परन्तु सच्चाई तो यह है कि वो सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति किया करते हैं। सभी स्थानों से कूड़ा उठाना उनके वश की बात नहीं है क्योंकि रिहाइसी इलाके और भीड़भाड़ वाले इलाके में सिर्फ सर्विस देती है। नगर निगम जबकि टैक्स एक-एक परिवार भरता है। मगर सुविधा उनको नहीं मिलता। नतीजतन किस्म-किस्म के बिमारियों के शिकार होते हैं लोग और डॉक्टर तथा मेडिकल स्टोर की चाँदी रहती है। कूड़ा फेंकने के मामले में तो नगर निगम और भी स्मार्ट हो गया है। उनको कूड़ा फेंकने का जगह देखिए कहाँ मिलता है। ज्यादातर बस स्टैण्ड के करीब सड़क किनारे बाईपास पर फेंकते हैं। क्योंकि उससे ज्यादा दूर जाएंगे तो उनका ट्रांसपोर्टेशन बढ़ेगा और फिर तेल कहाँ से बेचेंगे। लगभग हर महीने 5 से 10 हजार लीटर तेल नगर निगम बचाकर सरकारी खाता में नहीं बल्कि प्राईवेट खाता जैसे कि बीबी की साड़ी खरीदना एवं महंगे होटलों में खाना खिलाना और खाना ऐसी घिनौनी कुकृत्य किया करते हैं। अब जनता जाए तो कहाँ जाए। हद तो तब हो जाता है जब नदी किनारे पुल के नीचे ये निगम वाले कूड़ा डाल देते हैं। बरसात के पहले आँधी से कूड़ा नदियों के नालों के पेट में चला जाता है और बारीस होने पर जल जमाव का कारण बनता है। कभी-कभी तो ये कुड़े बाढ़ और बारीश के पानी के साथ-साथ गली-मुहल्लों एवं घरों में तैरते नजर आता है। इनकी चालाकी निगम वाले की और भी देख सकते हैं आप। बरसात से पहले नालियों के गाद को निकाल कर सड़क किनारे छोड़ देते हैं, जिसके कारण सड़कों पर जाम लग जाता है और फिर बारीश होने पर वही गाद पुनः उसी नाले में जाकर बैठ जाता है। और जल जमाव की समस्या यथावत बनी रहती है। इसके लिए जनता को धन्यवाद देना चाहिए कि इतनी परेशानियों को झेलने के बाद भी वो उफ् तक नहीं करते। उनको उनके पास एक ही संयम होता है कि ''जीना यहाँ, मरना यहाँ, इसके सिवा जाना कहाँ''। ●

आवश्यकता - आवश्यकता - आवश्यकता

भ्रष्टाचार एवं विभाग की गुंडागर्दी के विरूद्ध अपनी आवाज बुलन्द करने के लिए भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, बनारस, बलिया और उत्तर प्रदेश के सभी जिला में जिला ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है। बेरोजगारी की कोढ़ से मुक्ति पायें एवं समाज एवं सरकार में प्रतिष्ठा के साथ महीने का 25 से 30 हजार रूपया भी पारिश्रमिक कमा सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें:-

मणिभूषण तिवारी:- 9693498852 बिंध्याचल सिंह:- 8935909034

विनित कुमार- 8210591866 श्रीधर पाण्डेय - 6201961091, शिव कुमार ओझा - 9162841133

जनता दरबार में पुलिस अधीक्षक कार्यालय बक्सर

● बिन्ध्याचल सिंह

बिहार सरकार जनता दरबार बंद कर 05 जुन 2016 से लोक शिकायत निवारण का शुभारम्भ कर चुकी है। जिसके लिये जिले में लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी पदस्थापित हैं। बक्सर जिला में आज भी उच्च पदाधिकारी के द्वारा आमजनता की शिकायत सुनने के लिये पुरा समय दिया जा रहा है ताकि जिलेवासी को किसी तरह की परेशानी न हो। वहीं पुलिस अधीक्षक द्वारा आमजनता से मिलने के लिये पुरा समय देना कई अहम बिन्दुओ की शुभ संकेत है। जैसे–जिले में शांन्ति–व्यवस्था कायम है। पुलिस पर आम जनता का विश्वास है। बक्सर भयमुक्त व अपराधमुक्त जिला है; पुलिस–पब्लिक मित्रता बढी है, इत्यादि। केवल सच प्रतिनिधि 02 जुन और 06 जुन 2019 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय

में दस्तक दिये। प्रतिनिधि ने देखा की पदाधिकारी ससमय कार्यालय में दस्तक देने के महज 20–25 मिनट के बाद आम जनता से मिलने की शुरूआत किये जो लगभग दो से ढाई घंटा का समय लगा होगा तबतक प्रतिनिधि बैठे रहे जबतक सभी आमजनता पदाधिकारी से मिलते रहे। वही पुलिस अधीक्षक कार्यालय में टेलिफोन पर सेवा दे रहे रंजीत कुमार हर सम्भव आमजनता की समस्या के निदान के लिये तत्पर थे जैसा कि पदाधिकारी महोदय का आदेश होता रहा। जबकि शशि कुमार राम और एक महिलाकर्मी एक–एक कर आमजनता को पदाधिकारी से मुलकात कराते रहे। प्रिय पाठकगण अप्रैल के अंक में आपलोगो को जानकारी दी जा चुकी है कि एसपी की पहल से जिला में अपराध में कमी आई है। आपलोगो को बताते चले कि वर्तमान में बक्सर जिला के 29वें पुलिस अधीक्षक के रूप में श्री उपेन्द्र नाथ वर्मा सेवा दे रहे हैं जिसकी पहल पर जिले में जाम से निजात और अपराध में कमी आई है। ●

पदाधिकारी की मनमानी बनी श्रमिक की परेशानी

''सौ मुस खाके बिलाई भईली भगतीन'' उपयुक्त भोजपुरी कहावत को चरितार्थ करते हुये रामको बिहिया बिहार में सेवा दे रहे सहायक प्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार बख्शी और वरिष्ठ प्रबंधक श्री चन्देशखर सिंह विगत कई वर्षो से श्रमिक का खुन चुसते आ रहे है। जिसका श्रेय स्थायी सुपरवाइजर को दी जाती है। रामको की धरातल की जानकारी सच्चाई से कोसो दुर है जिसका प्रमाण पूर्व श्रमिक नन्दजी गहलौत से प्राप्त कर सकते हैं। जिन्होंने विगत तीन साल पहले रामको बिहिया को अलविदा कह चुके हैं और रामको से उन्हें मेडिकल जॉच का पत्र दिया जाता है। जरा सोचिये– इसका मतलब साफ है कि नन्दु गहलौत को कम्पनी से सशरीर निकाला गया है। न कि कागज से। अगर उपरोक्त बातो पर विचार किया जाय तो स्पष्ट है कि नन्दु गहलौत को कम्पनी में कार्य पर दिखाया जा रहा है। और फर्जी हस्ताक्षर कर नन्दु गहलौत का मजदुरी उठाई जा रही है। जिसे कम्पनी के वरिष्ठ प्रबंधक चन्द्रशेखर सिंह और सहायक प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार बख्शी आपस में बॉट लेते होगें और रामको को चुना लगता होगा। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि प्रत्येक माह ठीकेदारो के श्रमिको को उनकी मजदुरी में घोटाला किया जाती है जैसे–रूपया गिनती करने में; उपस्थिति कम दर्ज किया जाता है। जो जॉच का विशय है। सच्चाई क्या है जबकि केवल सच प्रतिनिधि को सितम्बर–207 से रामको परिसर में जाने से रोक लगा दी गई है ताकि न पत्रकार रामको परिसर में आयेगा और न घोटाले की पोल खुलेगी। जबकि रामको के पडोसी किसान दालमोट में आज तक ऐसी किसी तरह की गडबडी नही पाई गई है। किसान दालमोट में कुल चार सुंपरवाजर है जिसमें प्रथम है–रूद्रेश तिवारी। **रिपोर्ट :– बिन्ध्याचल सिंह**

अरक पंचायत एक नजर में

'' कर भला तो हो भला'' उपयुक्त भोजपुरी कहावत को चरितार्थ करती हुई अरक पंचायत की महिला जनप्रतिनिधि मुखिया श्रीमति मालती देवी समता मुलक समाज और नारी शक्ति योजना के साथ पंचायत के धात्री महिलाओ को ध्यान में रखकर पंचायत की विकास लगातार करती आ रही हैं जिसका प्रमाण पंचायत के वार्ड नम्बर–04 05 08 11 से प्राप्त कर सकते है, जहॉ दलित परिवारो का बसेरा है। अरक पंचायत में कुल–11 वार्ड है जिसमें लगभग सभी वार्डो में दलित परिवार निवास करती है। जबकि उपरोक्त वार्ड में दलित बहुल वार्ड है। पंचायतवासी के अनुसार अरक पंचायत के विकास का श्रेय मुखिया पति श्री राजु सिंह को दी जाती है। वार्ड नम्बर–04 की जनता ने जानकारी उपलब्ध कराई कि श्री राजु सिंह मिश्रित अर्थव्यवस्था के साथ विद्यार्थी जीवन से ही समाज सेवा करते आ रहे हैं। वही वार्ड नम्बर–05 के एक युवक ने कहा कि मुखिया पति श्री सिंह कबीर अतियोश्टि योजना की राशि देने के बाद जरूरतमंदो को अपने निजी पॉकेट से भी खर्च वहन करते आ रहे हैं। अधिकतर गरीब परिवार के लड़कियों की भाादी में यथा समभव तिलक में दी जाने वाली बर्तन का व्यवस्था करते आ रहे हैं। त्रि–स्तरीय पंचयात में श्री सिंह ऐसे मुखिया पति हैं जिनकी मोबाईल जनता की सेवा में 24 घंटे खुली रहती है। जबकि श्रीमति देवी लगभग प्रत्येक दिन सुबह में किसी न किसी वार्ड में भ्रमण करती हुई दिखाई देती रहती हैं। अरक पंचायत मे सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओ का अवलोकन किया जाये तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक राजस्व ग्रम को दी जाने राशि 10000/रूपया का सदुप्रयोग कर दिया जाता है अर्थात दुसरे शब्द में:– स्वस्थ्य अरक–स्वच्छ अरक। वही सात निश्चय योजना अन्तर्गत नली–गली निर्माण और हर घर–नल जल योजना पंचायत में पुर्णतः धरातल पर दिखाई दे रही है। आपको बताते चले कि अरक पंचायत बक्सर जिला के डुमरॉव अनुमण्डल अन्तर्गत चक्की प्रखण्ड के दक्षिण में स्थित जो पुर्णतः प्रकृति की गोद में बसा है।

रिपोर्ट :– बिन्ध्याचल सिंह

रामचन्द्र मशाला एक नजर में

● बिन्ध्याचल सिंह

विश्वामित्र की तपोभूमि बक्सर बिहार के मानचित्र पर अपना अलग पहचान रखता है। जहॉ कर्तब्यनिष्ठ, विश्वास, वफादार, आज्ञाकारी और ईमानदारी आज भी जीवित है। कर्तब्यनिष्ठता व ईमानदारी की मिशाल बक्सर जिला में 29वें पुलिस अधीक्षक के रूप में सेवा दे रहे श्री उपेन्द्र नाथ वर्मा से प्राप्त कर सकते है, वही वफादारी के प्रमाण बक्सर पुलिस से प्राप्त की सकती है जबकि विश्वासं के लिये के बक्सर जिला में आम जनता को रोजमर्रा की वस्तु व जिन्दगी की आवश्यक आवश्कता से लेकर आराम सम्बन्धी आवश्यकता की पुर्ति करने वाले व्यवसायी वर्ग से प्राप्त कर सकते हैं। मेन रोड नगर परिषद् के समीप स्थित होण्डा पोहवा जहॉ परमार्थी सोच रखते हुये 42 परिवारो की रोजी–रोटी की व्यवस्था करते हैं। वही यमुना चौक पर स्थित आम व खास जनता की सेवा में गंगा प्रसाद राम प्रसाद ज्वेलर्स की दुकान ग्राहकों को सोने की शुद्धता की वारंटी देते हैं। जहॉ हॉलमार्क सोने के लिये विशेष रूप से जाने जाते हैं। वही सेन्डीगेंट गोलम्बर रोड में स्थित अनारकली हॉपिस्टल अनुभव चिकित्सक व सस्ती इलाज के प्रथम स्थान बनाये हुये हैं। जबकि मेंन रोड यमुना चौक पर अपने छोटे ग्रहक की सेवा में रामचन्द्र मशाले विगत 25 वर्षो से गुणवतापूर्ण व स्वादिष्ट मशाला के लिये जिले में चर्चित है। रामचन्द्र मशाला के व्यस्थापक श्री मुन्ना केसरी हैं। जिनका दिनचर्या का अधिकतर समय भक्ति–भाव में व्यतीत होती है। ''जय मॉ काली'' बक्सरवाली/बडी देवी/ को वार्षिकोत्सव में मुन्ना केशरी का अहम भूमिका रहती है। आपको बताते चलें कि लगभग 60 वसंत का आनन्द ले चुके मुन्ना केशरी का मशाला के व्यवसाय में लम्बी अनुभव होने के कारण अपने छोटे ग्राहको के लिये यमुना चौक पर मशाले का व्यवस्था किये हुये है जबकि बडे ग्रहको के लिये औद्योगिक क्षेत्र में व्यवस्था कर चूके हैं। जिसका पता–रामचन्द्र मशाला उद्योग, औद्योगिक क्षेत्र–जे–25 बक्सर बिहार–802101 है। रामचन्द्र मशाले की सच्चाई एक बार प्रयोग कर किया जा सकता है। अर्थात दुसरे शब्द में– एक बार सेवा का मौका दें। ●

रसोई घर बना महिला छात्रावास : दीपक यादव

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर जिला अन्तर्गत डी0 के0 कॉलेज ''डुमरॉव'' शिक्षा देने के नाम पर एक कलंक है। जिसका श्रेय बिहार सरकार और कॉलेज प्रशासन दोनो दोषी है। जहॉ ईमानदारी धरातल से कोसो दूर और भ्रष्टाचार के करीब है साथ ही लगभग करोडो रूपये की सरकारी राशि का गबन होता आ रहा है जो जॉच का विषय है। दीपक ने अनुमण्डलाधिकारी 'डुमरॉव'' के आवास परिसर में प्रतिनिधि को जानकारी उपलब्ध कराई की कॉलेज की स्थापना 1968ई0 धरीक्षणा कुॅवरी''डुमरी'' द्वारा 61बिगहा जमीन और एक लाख पैसठ हजार रूपया नगद कॉलेज निर्माण में दान दी है। जिसमें 19–20 कमरा के साथ सरस्वती महिला छात्रावास निर्मित है। जो प्रधानाचार्य सहित प्रोफेसर द्वारा अतिक्रमण किया गया है जहॉ सप्ताह में दो दिन चिकेन पार्टी मनाई जाती है। प्रभारी प्रधानाचार्य श्री धीरेन्द्र कुमार सिंह ने प्रभारी बनने के पहले ही 64/चौसठ लाख रूपये की निकासी कर चुके हैं जो एक भवन बनाने के नाम पर राशि का गबन है। कॉलेज में कुल लगभग– 6000/ छात्र–छात्राऍ हैं। जबकि प्रभारी प्रधानाचार्य सहित कुल 09 शिक्षक सेवा दे रहे हैं। गैर शिक्षकक्षण कर्मचारियो की संख्या लगभग 15 है। आपको बताते चले कि दीपक यादव का पैतृक गॉव चिलहरी है। जो अनुमण्डल सह प्रखण्ड डुमरॉव में स्थित है।

वर्तमान में दीपक यादव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के जिला संयोजक बक्सर/आरा है। वैसे गैरकानूनी कार्य की बात की जाय तो बक्सर जिला के अनुमडण्ल अन्तर्गत सिमरी प्रखण्ड अव्वल हैं जहॉ बिना शौचालय बनाये ही प्रोत्साहन राशि दे दिया जाता है। जिसका प्रमाण ढकाईच पंचायत के छोटका ढकाईच निवासी जगनारायण प्रजापति पिता–परशुराम प्रजापति है। जिन्होंने बिना शौचालय बनाये प्रोत्साहन राशि दो बार ले चुके हैं। ●

आवश्यकता – आवश्यकता – आवश्यकता

भ्रष्टाचार एवं विभाग की गुंडागर्दी के विरूद्ध अपनी आवाज बुलन्द करने के लिए भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, बनारस, बलिया और उत्तर प्रदेश के सभी जिला में जिला ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है। बेरोजगारी की कोढ़ से मुक्ति पायें एवं समाज एवं सरकार में प्रतिष्ठा के साथ महीने का 25 से 30 हजार रूपया भी पारिश्रमिक कमा सकते हैं।

इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें:-

मणिभूषण तिवारी:- 9693498852 बिंध्याचल सिंह:- 8935909034
विनित कुमार- 8210591866 श्रीधर पाण्डेय - 6201961091,
शिव कुमार ओझा - 9162841133

विश्व पर्यावरण दिवस पर युआवों ने किया पौधारोपण

● शिव कुमार ओझा

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु आज बारुण प्रखंड के टेंगरा गांव में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया इस अवसर पर टेंगरा गांव के युवाओं ने गांव में जगह जगह पर पौधारोपण किया और पर्यावरण दिवस मनाया। टेंगरा गांव के ही संजीव कुमार ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष 1972 में की थी। इसे 5 जून से 16 जून तक संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में चर्चा के बाद शुरू किया गया था। 5 जून 1974 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव पर्यावरण विषय पर संयुक्त राष्ट्र महासभा का आयोजन किया गया था। इसी चर्चा के दौरान विश्व पर्यावरण दिवस का सुझाव भी दिया गया और इसके दो साल बाद, 5 जून 1974 से इसे मनाना भी शुरू कर दिया गया। 1987 में इसके केंद्र को बदलते रहने का सुझाव सामने आया और उसके बाद से ही इसके आयोजन के लिए अलग अलग देशों को चुना जाता है। इसमें हर साल 143 से अधिक देश हिस्सा लेते हैं और इसमें कई सरकारी, सामाजिक और व्यावसायिक लोग पर्यावरण की सुरक्षा, समस्या आदि विषय पर बात करते हैं। जैसे-जैसे शहर विकसित हो रहे हैं, हरियाली कम और कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। हर साल प्रदूषण के मामले में बढ़ोतरी हो रही है। नवंबर-दिसंबर माह में प्रदूषण की वजह से मौत के आंकड़े भी बढ़ जाते हैं। यदि हम अभी से नहीं चेते तो आने वाले कुछ सालों में साफ हवा में सांस लेने के लिए सिर्फ पहाड़ और जंगल ही बचे रह जाएंगे। प्रदूषण लगातार हमारी सांसें कम कर रहा है। नए पैदा होने वाले कई बच्चों पर इसका असर भी दिख रहा है। आज विश्व पर्यावरण दिवस है, ऐसे मौके पर हम सभी को कोई ऐसा प्रण लेना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों को साफ सुथरी हवा देने में मददगार हो सके। और अपनी एक जिंदगी में एक पौधा जरूर लगाएं। जिससे कि प्रदूषण घट सके और पर्यावरण बचा सकें। इस अवसर पर गांव के ही राम कुमार, बृजमोहन कुमार, टिंकू, प्रिंस ,योगेश, शत्रुघ्न सिंह, बीरेंद्र, अमित, राजा, मिशु, भोला और शेखपुरा के वार्ड नम्बर आठ के वार्ड सदस्य बबन राम और टेंगरा गांव की समस्त ग्रामीण मौजूद रहे। ●

आतंकवाद विरोधी दिवस पर पुलिसकर्मियों ने लिया शपथ

● आशुतोष कुमार

आम जनता को हो रहे कष्टों तथा आतंक एवं हिंसा से राष्ट्रीय हितों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों से आम लोगों को आतंकवाद और हिंसा के मार्ग से दूर रखने के उद्देश्य से आतंकवाद विरोधी दिवस मंगलवार को गोह थाना परिसर में मनाया गया गोह थाना प्रभारी वेंकटेश्वर ओझा ने थाना के सभी अधिकारियों को शपथ दिलाया कि हम भारत वासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परंपरा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठा पूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटन कारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते है इस दौरान एस0आई उमाशंकर यादव, एस0 आई0 मणिकांत राय,, एस0 आई0 गीता पासवान, एस0 आई0 चंद्रभूषण ईशर, जुकेश्वर राम, रोशन कुमार रजक, महेश प्रशाद यादव, जीरो पासवान, संजय कुमार उपस्थित रहे। ●

सुहागिनों ने किया वट सावित्री की पूजा

● शिव कुमार ओझा

वट सावित्री पूजा के दिन सुहागिनें पति की दीर्घायु और परिवार की सुख शांति के लिए वट सावित्री की पूजा करती है। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह वट या बरगद के पेड़ का भी विशेष महत्व है। पुराणों की मानें तो वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है। इस व्रत में बरगद पेड़ के चारों ओर घूमकर रक्षा सूत्र बांधा और आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर सुहागिनों एक-दूसरे को सिंदूर लगाती हैं। इसके अलावा पुजारी से सत्यवान और सावित्री की कथा सुनती हैं। नवविवाहिता सुहागिनों में पहली बार वट सावित्री पूजा का अलग ही उत्साह रहता है औरंगाबाद के दाउदनगर में भी आज जगह जगह बरगद वृक्ष के नीचे सुहागिन स्त्रियां अपने पति की लम्बी आयु के लिए वटसावित्री व्रत करती दिखाई दे रही है। वट सावित्री के व्रत के दिन बरगद पेड़ के नीचे बैठकर पूजन, व्रत कथा सुनने से मनोकामनाएं

पूर्ण होती हैं। इस व्रत में महिलाएं सावित्री-सत्यवान की कथा सुनती हैं। वट वृक्ष के नीचे बैठकर ही सावित्री ने अपने पतिव्रत से पति सत्यवान को दोबारा जीवित कर लिया था। दूसरी कथा के अनुसार मार्कण्डेय ऋषि को भगवान शिव के वरदान से वट वृक्ष के पत्ते में पैर का अंगूठा चूसते हुए बाल मुकुंद के दर्शन हुए थे, तभी से वट वृक्ष की पूजा की जाती है। वट वृक्ष की पूजा से घर में सुख-शांति, धनलक्ष्मी का भी वास होता है। वट वृक्ष रोग नाशक भी है। वट का दूध कई बीमारियों से हमारी रक्षा करता है। वट सावित्री और वट पूर्णिमा की पूजा वट वृक्ष के नीचे होती है। एक बांस की टोकरी में सात तरह के अनाज रखे जाते हैं जिसे कपड़े के दो टुकड़ों से ढक दिया जाता है। एक दूसरी बांस की टोकरी में देवी सावित्री की प्रतिमा रखी जाती है। वट वृक्ष पर महिलायें जल चढ़ा कर कुमकुम, अक्षत चढ़ाती हैं। फिर सूत के धागे से वट वृक्ष को बांधकर उसके सात चक्कर लगाये जो हैं। सभी महिलायें वट सावित्री की कथा सुनती हैं और चने गुड् का प्रसाद बांटा जाता है।●

काराकाट सांसद का धूमधाम से स्वागत

नवनिर्वाचित काराकाट के सांसद का स्वागत बारुण में बड़े ही धूमधाम से सोमवार को किया गया। कार्यकर्ताओ ने अपने निर्वाचित सांसद को माला पहना कर बधाई दी। वही एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशी जाहिर की। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह भी शामिल थे। सांसद महाबली सिंह ने कहा कि ये जीत उनके पूरे संसदीय क्षेत्र की जनता की है। जो भी अपेक्षाएं उनसे उनकी जनता को है,उसे वह पूरा अपने कार्यकाल में पूरा करने में कोई कसर नही छोड़ेंगे। वही विधायक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि नवीनगर विधान सभा क्षेत्र में रहरा, मझिआंव, महुआव, तेतरहट, तिवारीडीह, ओबीपुर, ककेर, बडेम, सुरार, सिमरी, नबीनगर, पांडेय कर्मा, सिमरी धमनी, बैरिया व चरण में भ्रमण किया जाएगा। जहां सासंद का स्वागत व आमजनों की समस्याएं सुनी जाएगी। इस दौरान राज्य परिषद सदस्य अनिल यादव,प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र यादव, उदय पटेल, प्रवीण सिंह,अजीत सिंह मुकेश पटेल, रामेश्वर प्रसाद ,अशोक सिंह,उमेश सिंह ,प्रमिला देवी, सुधीर सोनी ,शोभा देवी, राजू गुप्ता, अरविंद उपाध्याय, सूर्यवंश मुखिया,कमल किशोर गुप्ता के साथ अन्य लोग मौजूद रहे। **रिपोर्ट :- शिव कुमार ओझा**

अग्निपीड़ितों में नगद राशि का वितरण

बारुण प्रखंड क्षेत्र के रियूर पंचायत के सोहदा गांव में अंचलाधिकारी बसंत कुमार राय ने शुक्रवार को अग्निपीड़ितों के बीच नगद राशि का वितरण किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व उक्त गांव में भीषण आग लग गयी थी। जिसमे ग्यारह घर पूरी तरह जलकर राख में तब्दील हो गया था। अग्निपीड़ितों का घर का सारा सामान जल गया था। जिसे लेकर आपदा प्रबंधन विभाग से मिलने वाला राशि का वितरण किया गया। सीओ ने बताया कि सोहदा के जवाहिर राम,बैजनाथ राम,मदन राम,शिवदयाल राम, विकाश कुमार, जीतन राम,सत्येंद्र राम,रामाश्रय राम, शिव नारायण राम,अमरजीत राम और छोटू कुमार को प्रति परिवार को 9800 रुपये नगद दिए गए। साथ ही कहा कि अग्निपीड़ितों की सहायता के लिए रेड क्रॉस को भी सूचित किया गया। **रिपोर्ट :- शिव कुमार ओझा**

परिवार में वृद्धजनों का बढ़ेगा सम्मान : नीतीश

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

बीते 14 जून को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में 'मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना' के तहत डी0बी0टी0 के माध्यम से लाभार्थियों को भुगतान का शुभारंभ माउस के माध्यम से करते हुए कहा कि समाज कल्याण विभाग को मैं बधाई देता हूँ कि 01 मार्च से 'मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना' की शुरुआत की गई थी, जिसकी राशि का भुगतान आज से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले से बी0पी0एल0 परिवारों को वृद्धा पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा था। विधवा पेंशन, दिव्यांगजनों को पेंशन जैसी अनेक योजनाएं चलायी जा रही थीं, लेकिन 60 वर्ष से ऊपर के सभी वृद्धजनों चाहे स्त्री हो या पुरुष जिन्हें केंद्र या राज्य सरकार से कोई वेतन, पेंशन, पारिवारिक पेंशन या सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त नहीं हो रहा है, उन्हें इसका लाभ देने की हमलोगों ने योजना बनायी और इसे लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे वृद्धजनों का अपने परिवार में सम्मान बढ़ेगा और उनकी कुछ जरुरतें भी पूरी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्लॉक स्तर के अधिकारी गांव–गांव जाकर लोगों को इसकी जानकारी दें, अधिक से अधिक संख्या में आवेदन भरवाएं। समाचार पत्रों, टेलीविजन, रेडियो, सोशल मीडिया आदि के द्वारा इसका प्रचार करायें। उन्होंने कहा कि लोक सेवा केंद्र पर आवेदन तो भरे ही जा रहे हैं, अब मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना से संबंधित आवेदन भी ऑनलाइन भरे जायेंगे, इसके माध्यम से जल्द से जल्द उनके खाते में सीधे पैसे भेजने की व्यवस्था की जा रही है। आगे मुख्यमंत्री ने कहा कि आंकलन से पता चलता है कि 35 से 36 लाख ऐसे लोग होंगे जिन्हें इस योजना का लाभ मिलना चाहिये। हर वर्ष राज्य सरकार की तरफ से 1800 करोड़ रुपए इस संबंध में अतिरिक्त व्यय होंगे। अभी तक जो दो लाख आवेदन प्राप्त हुए थे उसमें से वेरीफिकेशन हो ने

के बाद 1 लाख 35 हजार 928 लोगों के खाते में आज पैसा चला गया है। इसमें मार्च और अप्रैल महीने का भुगतान शामिल है।

गौरतलब हो कि वर्ष 2007 में कानून लाया गया था कि वरिष्ठ नागरिकों एवं अपने माता–पिता का सम्मान करना चाहिए। कुछ लोग ऐसी मानसिकता के होते हैं कि अपने माता–पिता एवं वरिष्ठों की चिंता नहीं करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने जन्म दिया, जिस माता–पिता ने जीवन जीने का अवसर दिया, ऐसे माता–पिता की उपेक्षा करना ठीक नहीं है। जो अपने माता–पिता की उपेक्षा करेंगे उन पर अब कानूनी कार्रवाई होगी। इसके लिए एस0डी0ओ0 के यहां जो भी माता–पिता आवेदन करेंगे, वहां दोनों पक्षों को सुनकर उस पर फैसला होगा और इस फैसले को अमल में लाना होगा। अगर वृद्धजनों का फिर भी आदर नहीं होगा तो जिलाधिकारी के यहां अपील किया जायेगा और जिलाधिकारी 30 दिन के अंदर फैसला देंगे और फिर अगर उपेक्षा करेंगे तो उन पर त्वरित कार्रवाई कर फैसले के मुताबिक सजा मिलेगी। सरकार के इस निर्णय की बाहर के राज्य भी प्रशंसा कर रहे हैं और इस संबंध में हम लोगों से जानकारी मांग रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये कई काम किये हैं। लड़कियों के उत्थान के लिए भी हमलोग लगातार प्रयासरत हैं। घर में बेटी पैदा होने पर खुशी हो इसके लिए लड़की के जन्म लेने पर उसके माता–पिता के खाते में 2000 रूपये जमा करा दिये जायेंगे। एक वर्ष के अंदर आधार से लिंक करने पर 1000 रूपये और दो वर्ष के अंदर सम्पूर्ण टीकाकरण कराने पर 2000 रूपये दिये जायेंगे। लड़कियों की पोशाक राशि भी बढ़ायी गयी है। अब पहली से दूसरी कक्षा के लिये इसे 400 रूपये से बढ़ाकर 600 रूपये, तीसरी से पांचवीं के लिये 500 रूपये से बढ़ाकर 700 रूपये, छठी से 8वीं कक्षा के लिये 700 रूपये से बढ़ाकर 1000 रूपये और 9वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के लिये 1000 रूपये

से बढ़ाकर 1500 रूपये कर दिया गया है। साइकिल योजना की राशि भी बढ़ा दी गई है। 7वीं से 12वीं कक्षा की लड़कियों के लिए दी जा रही सेनेटरी नैपकिन की राशि 150 रूपये से बढ़ाकर 300 रूपये कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह एवं दहेज प्रथा को खत्म करने के लिये हमलोग लगातार अभियान चला रहे हैं। 12वीं कक्षा पास करने वाली अविवाहित लड़कियों को दस हजार रूपये और स्नातक पास करने वाली विवाहित हों या अविवाहित लड़कियों को 25 हजार रूपये दिये जा रहे हैं। लड़कियों के जन्म लेने से स्नातक होने तक 54,100 रूपये सरकार उस पर खर्च कर रही है, इसके अलावा कई अन्य योजनायें लड़कियों के लिये चलायी जा रही हैं।

सनद् रहे कि समाज में प्रेम, भाईचारा का वातावरण रहे। 13 वर्षों से प्रदेश के लोगों की सेवा कर रहे हैं। लोगों की सेवा करना अपना धर्म समझते हैं। न्याय के साथ विकास करते हुये हर इलाके और हर तबके के विकास में लगे हैं। वंचित तबके के लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिये हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। नई पीढ़ी को बापू के विचारों से अवगत कराने के लिये स्कूलों में प्रतिदिन कथावाचन कराया जा रहा है। बापू ने कहा था कि मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। बापू ने सात सामाजिक पापों की चर्चा की है, जिसमें सिद्धांत के बिना राजनीति, काम के बिना धन अर्जित करना, विवेक के बिना सुख, चरित्र के बिना ज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार, मानवता के बिना विज्ञान और त्याग के बिना पूजा है। बापू ने कहा था कि पृथ्वी लोगों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है, लालच को नहीं। बापू के इन विचारों को अगर नई पीढ़ी के दस से पन्द्रह प्रतिशत लोग भी अपना लें तो समाज बदल जायेगा।

बापू के विचारों को स्कूलों, कॉलेजों एवं सरकारी संस्थानों के दीवारों पर अंकित कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना को ठीक ढंग से लागू करने के लिये समाज कल्याण विभाग अपने सिस्टम को ठीक कर लें ताकि किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो और लोगों को इसका लाभ मिल सके। मुझे पूरा भरोसा है कि आपलोग गॉव–गॉव जाकर इसे अभियान के रूप में चलाकर वृद्धजनों को लाभान्वित करेंगे। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अतुल प्रसाद ने मुख्यमंत्री का स्वागत पुष्प–गुच्छ भेंटकर किया। कार्यक्रम को समाज कल्याण मंत्री श्री रामसेवक सिंह, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अतुल प्रसाद ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विकास आयुक्त श्री सुभाष शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री सचिवालय के विशेष सचिव श्री चन्द्रशेखर सिंह, निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री राजकुमार, जिलाधिकारी श्री कुमार रवि सहित समाज कल्याण विभाग के अन्य अधिकारीगण, इस योजना के लाभुकगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ●

आई0जी0आई0एम0एस0 चिकित्सा के क्षेत्र में आदर्श बने

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने दिनांक 11 जून को पटना स्थित इन्दिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के परिसर में 500 शय्या वाले अस्पताल भवन निर्माण का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया और भूमि पूजन कर कार्यारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को इस बात के लिये बधाई देता हूँ कि आज 500 बेड के अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। हमलोगों का लक्ष्य आई0जी0आई0एम0एस0 को 2500 बेड का अस्पताल बनाना है। 1200 बेड का भी डी0पी0आर0 बनकर तैयार है, जल्द ही स्वीकृत कर उसका भी टेंडर किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आई0जी0आई0एम0एस0 के और विस्तारीकरण की सोच हमलोगों ने पहले से बना रखी है। यहां कैंसर संस्थान भी कार्य कर रहा है। अन्य प्रकार की बीमारियों का भी इलाज बेहतर तरीके से किया जा रहा है। यहां के निदेशक पूरी गंभीरता और निष्ठा के साथ काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी रूचि आई0जी0आई0एम0एस0 को एम्स दिल्ली की तरह बनाना है। हालांकि आई0जी0आई0एम0एस0 का निर्माण बेहतर उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन इसकी स्थिति धीरे–धीरे बिगड़ती गयी। नवम्बर 2005 में सरकार में आने के बाद हमलोगों ने आई0जी0आई0एम0एस0 के विस्तार के लिये फंड का आवंटन शुरू किया। आई0जी0आई0एम0एस0 की सक्रियता बढ़ी है और अब ज्यादा संख्या में यहां मरीज इलाज के लिये आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों, नर्स, पारा मेडिकल स्टाफ, प्रशासनिक अधिकारी, विशेषज्ञों एवं अन्य जरूरतों के लिये राज्य सरकार संसाधन उपलब्ध कराने में पीछे नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि

पी0एम0सी0एच0 राज्य का पुराना और प्रतिष्ठित अस्पताल रहा है, जहां नेपाल, पूर्वी यू0पी0, असम और दूसरे राज्य के मरीज इलाज के लिये पहले आते थे। हमलोग फिर से पी0एम0सी0एच0 को एक आदर्श अस्पताल के रूप में बनाना चाह रहे हैं। उसको अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का अस्पताल बनायेंगे। यह 5400 बेड का अस्पताल बनेगा। दुनिया में इतनी बड़ी संख्या के बेड का अस्पताल कहीं नहीं है। इसका डी0पी0आर0 तैयार है और राज्य सरकार से इसके निर्माण की स्वीकृति मिल गयी है, तीन से चार वर्षों में तीन–चार फेज में इसका निर्माण कार्य किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आई0जी0आई0एम0एस0 भी 2500 बेड का विशिष्ट अस्पताल होगा। यहां हायर एजुकेशन का भी विस्तार किया गया है। आई0जी0आई0एम0एस0 में सबसे ज्यादा लोगों का विश्वास कायम हुआ है। लोग बड़ी संख्या में यहां इलाज के लिये आ रहे हैं। हमलोगों का उद्देश्य है कि कम से कम बीमारी हो और जो बीमारी हो उसका बेहतर तरीके से राज्य में इलाज हो सके। किसी को मजबूरी में इलाज के लिये बिहार से बाहर जाना न पड़े, ऐसी व्यवस्था बनाने में हमलोग लगे हुये हैं। हर घर नल का जल योजना के तहत लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है और खुले में शौच से मुक्ति के लिये केन्द्र की योजना एवं बिहार के लोहिया स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के तहत हर घर में शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है। अगर पीने का शुद्ध पेयजल और खुले में शौच से मुक्ति मिल जाय तो खासकर ग्रामीण इलाकों में आज कल होने वाली 90 प्रतिशत बीमारियों से छुटकारा मिल जायेगा।

बताते चलें कि मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में मुजफ्फरपुर में जो बच्चों की मृत्यु हुयी है, वह बहुत ही दुखद है। हमलोगों को इससे काफी पीड़ा और तकलीफ हुयी है। स्वास्थ्य विभाग ने अपनी एक टीम इसके लिये भेजी है और इसके लिये किये जा रहे उपायों का भी जायजा लेगी। इसके लिये जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है ताकि अपने बच्चों की हिफाजत लोग अच्छे ढंग से कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना के आंकड़े से पता चलता है कि दस वर्षों में राज्य की जनसंख्या में 23 से 24 प्रतिशत वृद्धि होती है। प्रजनन दर कम करने के लिये हमलोग काम कर रहे हैं। वर्ष 2012 में आंकलन से पता चला कि पति–पत्नी में अगर पत्नी मैट्रिक पास है तो देश का प्रजनन दर 2 और बिहार का भी प्रजनन दर 2 था। अगर पत्नी 12वीं पास है तो देश का प्रजनन दर 1.7 और बिहार का उससे भी कम था। हमलोगों ने इसके आधार पर निर्णय लिया कि लड़कियों को शिक्षित करने के लिये हर एक ग्राम पंचायत में उच्च

माध्यमिक विद्यालय का निर्माण करायेंगे। 6 हजार ग्राम पंचायतों में यह काम पूरा हो गया है। अगले साल तक सभी ग्राम पंचायतों में 9वीं क्लास तक की पढ़ाई शुरू हो जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आई0जी0आई0एम0एस0 सिर्फ मेडिकल कॉलेज नहीं है बल्कि एक इंस्टीच्यूशन है। हमलोगों की अपेक्षा है कि यह दिल्ली के एम्स की तरह का अस्पताल बने और मुझे उम्मीद है कि इसे आपलोग पूरा करेंगे। आई0जी0आई0एम0एस0 को बेहतर इलाज के साथ–साथ रिसर्च के क्षेत्र में भी अच्छा काम करना चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 के पहले राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र की क्या स्थिति थी ? एक सर्वे से यह जानकारी मिली थी कि यहां के गरीब परिवार के लोग अपनी आमदनी का 40 प्रतिशत पैसा अपने इलाज पर खर्च करते हैं। सरकार में आने के बाद फरवरी 2006 में जब सर्वे कराया तो पता चला कि हर ब्लॉक के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एक महीने में औसतन 39 मरीज ही इलाज के लिये आते थे। डॉक्टर, पारा मेडिकल स्टाफ, नर्सेज, मुफ्त दवा की व्यवस्था की गयी और उसी वर्ष दिसम्बर में जब सर्वे कराया तो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या 1 हजार से 1500 तक पहुँच गयी और आज एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एक महीने में औसतन 10 हजार से ज्यादा मरीज इलाज के लिये आते हैं। राज्य में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण कार्य किये गये हैं। यहां पोलियो उन्मूलन का अभियान अच्छे तरीके से चलाया गया, जिससे राज्य पोलियो मुक्त हुआ। श्री बिल गेट्स भी खगड़िया में आये थे और पोलियो उन्मूलन के कार्य की प्रशंसा की थी। जब हम वर्ष 2012 में पाकिस्तान यात्रा पर गये थे तो लोगों ने बड़ी उत्सुक्ता से हमसे यह जानना चाहा था कि बिहार को कैसे पोलियो मुक्त बनाने के लिये अभियान चलाया गया। हमलोग जो भी काम बिहार में करते हैं, पूरी मजबूती से करते हैं और दूसरे लोग उसका अनुकरण करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां हर एक मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज बनाया जा रहा है, जिससे नर्सों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस 500 शैय्या वाले अस्पताल का कार्यारंभ हुआ है। मुझे उम्मीद है कि यह समय पर पूर्ण होकर फंक्शनल हो जायेगा। हमलोगों का सपना है कि आई0जी0आई0एम0एस0 चिकित्सा के क्षेत्र में आदर्श बनेगा।

कार्यक्रम के दौरान 500 शैय्या वाले आई0जी0आई0एम0एस0 भवन का एक प्रजेंटेशन भी मुख्यमंत्री को दिखाया गया। कार्यक्रम को केन्द्रीय कानून, संचार, सूचना एवं प्राद्यौगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद, उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, केन्द्रीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री अश्विनी कुमार चौबे, बिहार के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय, ि वधायक श्री संजीव चौरसिया, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री संजय कुमार, आई0जी0आई0एम0एस0 के निदेशक प्रो0 डॉ0 एन0आर0 विश्वास ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, आई0जी0आई0एम0एस0 के संकायाध्यक्ष डॉ0 एस0के0 शाही सहित अन्य चिकित्सकगण, पदाधिकारीगण, अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं छात्र–छात्रायें उपस्थित थे। ●

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून पर विशेष)

वृक्ष कहूँ या कल्पवृक्ष

● **ललन कुमार प्रसाद**

तुम मुझे रोपित करो तो...
मैं तुम्हे घरबार दूंगा,
मैं तुम्हे धन-धान्य दूंगा।
शिशुओं को पालना दूंगा,
बच्चों को खिलौना दूंगा,
जवानों को सेज दूंगा,
बूढ़ों को लाठी दूंगा,
मृतकों को चिता दूंगा।
तुम मुझे रोपित करो तो...
मैं सदा तुम्हारा साथ दूंगा,
मैं तुम्हें घरबार दूंगा,
मैं तुम्हे धन्य-धान्य दूंगा।
सुवासित फूल दूंगा, रसीले फल दूंगा,
पौष्टिक अन्न दूंगा, सुरक्षित ईंधन दूंगा,
सुंदर दुकान दूंगा, खूबसूरत मकान दूंगा,
उद्योग-कारोबार के लिए लकड़ी का अंबार दूंगा,
तुम मुझे रोपित करो तो...
बढ़ती बेरोजगारी को जीविका का वरदान दूंगा,
मैं तुम्हे घरबार दूंगा,
मैं तुम्हे धन्य-धान्य दूंगा।
चिड़ियों की सुरिली चहक दूंगा,
पशुओं का उनमुक्त धमा-चौकड़ी दूंगा,
फूलों की मादक महक दूंगा,
नदियों का कलरव नाद दूंगा,
घास की मखमली हरियाली दूंगा,
तुम मुझे रोपित करो तो...
धरा पर स्वर्ग का एहसास दूंगा,
मैं तुम्हे घरबार दूंगा,
मैं तुम्हे धन्य-धान्य दूंगा।
मौसम के बिगड़ते मिजाज को थाम लूंगा,
बौराती नदियों को लगाम दूंगा,
प्यासी धरती को वृष्टि का सौगात दूंगा,
लुप्त हो रहे पशु-पक्षियों का संरक्षण करूंगा,
बस तुम्हारा एक कोमल स्पर्श ही काफी है,
धरती की रूग्ण काया को सौंदर्य का उपहार दूंगा,
तुम मुझे रोपित करो तो...
मैं तुम्हे घरबार दूंगा,
मैं तुम्हे धन्य-धान्य दूंगा।
जेठ की झुलसती दोपहरी में,
सघन पत्तों की ठंडी छाव दूंगा,
शीतल, निर्मल, मन्द बयार दूंगा,
वर्षा की रिमझिम ठंडी फूआर दूंगा,
तरो-ताजगी का अनुपम उपहार दूंगा,
तुम मुझे रोपित करो तो...
तपती गर्मी में भी एयर-कंडीशनिंग का आभास दूंगा,
मैं तुम्हे घरबार दूंगा,
मैं तुम्हे धन्य-धान्य दूंगा।
फिजा में घुली जहरीली गैसों का शोषण करूंगा,
तेजाबी बारिस का हरण करूंगा,
पृथ्वी को ग्रीन हाउस प्रभाव से मुक्त रखूंगा,
धरती की रक्षा-कवच की रक्षा करूंगा,
शोर के घातक घेरे को निष्फल करूंगा,
तुम मुझे रोपित करो तो...
ऐतिहासिक स्मारकों को आयुष्मान होने का अनुपम आर्शीवाद दूंगा,
मैं तुम्हे घरबार दूंगा,
मैं तुम्हे धन्य-धान्य दूंगा।
मिट्टी की उर्वरता बनाये रखूंगा,
भू-जल का संरक्षण करूंगा,
भू-स्खलन को सबल प्रतिरोध दूंगा,
पसरते रेगिस्तान को सशक्त अवरोध दूंगा,
नष्ट हो रही धरती को संभाल लूंगा,
तुम मुझे रोपित करो तो...
समस्त जीवधारियों के लिए कवच का काम करूंगा,
मैं तुम्हे घरबार दूंगा,
मैं तुम्हे धन्य-धान्य दूंगा।
आदिवासियों, वनवासियों को प्राकृतिक आवास दूंगा,
उनकी जीविका का साधन बनूंगा,
उनकी पावन संस्कृति का रक्षक बनूंगा,
नदियों, झीलों, झरनो को जल का उपहार दूंगा,
जैव विविधता को सही सलामत बनाये रखूंगा,
मनुष्यों को दुर्लभ जड़ी-बुटियों का उपहार दूंगा,
तुम मुझे रोपित करो तो...
अमूल्य जीवन को खूबसूरत, मनभावन उपवन का उपहार दूंगा,
मैं तुम्हे घरबार दूंगा,
मैं तुम्हे धन्य-धान्य दूंगा।

क्या सेवा के नाम पर लूटते हैं गुड्डू बाबा..!

विवेक कुमार मिश्र/ सौरभ कुमार पाण्डेय

'' सामाजिक कार्यकर्त्ता किसी भी देश एवं प्रदेश के लिए कितना महत्वपूर्ण है यह सरकार से अधिक समाज तय करती है। पूरे देश में बाबा के नाम का कितना आतंक एवं कलंक लगा है जिससे बाबा शब्द ही सुनने में संदेह को जन्म देता है। बाबाओं ने अपना चरित्र भी गिरा दिया है तथा अपने शिष्यों को ही सेक्स का शिकार किया है। बिहार में भी एक बाबा पर ऐसा ही आरोप लग रहा है कि वह लावारिश लाश की राजनीति करते हैं। विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू बाबा किसी परिचय के मोहताज नहीं है क्योंकि गंगा नदी में गंदगी एवं लावारिश लाश की वजह से प्रदूषण से मुक्ति के वर्ष 1998 से जी-तोड़ मेहनत करते हैं। जनहित समस्याओं को समाधान तक लड़ने वाले गुड्डू बाबा पटना उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करके लोगों के दिल में बस गये है

बाबा की बढ़ती लोकप्रियता को है। सफेद दाढ़ी एवं ढ़लती उम्र के बाबा पर यह आरोप लगाया जा रहा अंत्येष्टि योजना के तहत दाह करती है लेकिन बाबा उस लाश को आरोप भारतीय जनता पार्टी के कुमार ने लगाया है। गुड्डू बाबा पर विश्वास तो नहीं होता पर प्रवीण मानवाधिकार आयोग एवं प्रधान का निर्देश दिया है। अगर प्रवीण तो बाबा नाम से ही नफरत हो बनकर बरपने वाले गुड्डू बाबा क्या में फंस जायेंगे? क्या सच में गुड्डू गुड्डू बाबा गंगा बचाओ अभियान हैं? क्या विभाग भी इस सच को बाबा पर लगे आरोप पर जांच कर पीएमसीएच के अधीक्षक ने बताया देखना है की स्वास्थ्य मंत्री, विभाग अधीक्षक गुड्डू बाबा पर लगे महीनों में करते हैं और पूरे मामले वहीं दूसरी ओर विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू देखते हुए सरकार ने सुरक्षा गार्ड भी दिया दहलीज पर खड़े विकास चन्द्रा एवं गुड्डू है कि यह लावारिश लाश को कबीर संस्कार के लिए पीएमसीएच सहयोग 8 से 10 हजार रूपये में बेच देते हैं। यह पटना महानगर के मीडिया प्रभारी प्रवीण इस प्रकार का जघन्य आरोप पर सहसा कुमार के आवेदन पर प्रधानमंत्री कार्यालय, सचिव ने इस गंभीर आरोप पर जांच करने कुमार के द्वारा लगाया गया आरोप सही है जायेगा। कई भ्रष्टाचारियों के उपर काल प्रवीण कुमार के द्वारा लगाया गये आरोप बाबा लावारिश लाश को बेचते हैं? क्या के नाम पर इस प्रकार का गोरखधंधा करते स्वीकारता है? आखिरकार विभाग गुड्डू रही है? केवल सच के प्रतिनिधी को की गुड्डू बाबा का यहां इंट्री नहीं है। अब के प्रधान सचिव एवं पीएमसीएच के जघन्य गंभीर आरोप की जांच कितनों का पड़ताल कर आवाम को बताने में कामयाब होते हैं की आखिरकार गुड्डू बाबा का सच क्या है? क्या सच में बाबा लावारिश लाश को बेचते हैं? क्या सच में मेडिकल पढ़ने वाले छात्रों को पढ़ने के लिए लावारिश लाश उपलब्ध कराते हैं? या फिर गुड्डू बाबा को बदनाम करके लावारिश लाश की नई राजनीति किया जा रहा है? क्या प्रवीण कुमार का आरोप सच है? पर पड़ताल करती एक रिपोर्ट:-

बाबाओं का नाम सुनते ही जेहन में आसाराम एवं राम-रहीम की याद ताजा हो जाती है तथा मन में आक्रोश भर जाता है। बिहार के पटना में ऐसे ही एक बाबा हैं जो धर्म एवं अध्यातम पर कार्य नहीं करते लेकिन उन्हें जानता सब है। विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू बाबा पटना उच्च न्यायालय में आमजनता से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए जनहित याचिका दायर (PIL) करते हैं। 50 से अधिक जनहित याचिका दायर करके लोकप्रियता बटोर चुके हैं। गुड्डू बाबा 1998 में एक संघर्ष शुरू किये जिसमें गंगा नदी में बहाये जा रहे लावारिश लाश से फैल रही गंदगी से मुक्त करना था। गुड्डू बाबा ने ''गंगा बचाओ अभियान'' बैनर बनाकर पवित्र गंगा के

भारतीय जनता पार्टी

प्रवीण कुमार

To,
The Principal Secretary
Health Department, Patna
Bihar Government.

Subject-Inhuman Practices with Human Bodies.

Sir,

With regard to above noted subject, we should like to draw your kind attention towards inhuman practices is being done at Patna district in Bihar State in connivances with the chelated nexus of Superintendent, Patna Medical College and Hospital, Patna of present time and so called social activist Vikas Chandra (Guddu Baba).

That a plumber is scientifically organized in the name of unknown and unclaimed dead bodies. And, a huge amount is being extracted from the Government in the name of diseased people. This is extremely inhuman and immoral. At least we need to have respect for the people who do not come to share with us. Most inhuman aspect of this business that their organs may have become saleable items. As our sources said, Superintendent office PMCH, Patna is said to have one of the most corrupt medical systems in Bihar. The situation has become so bad that patients today approach another door to die. They would not like to die at PMCH, Patna. There are many reports of Superintendent actually committing crimes distorting medical reports in medico-legal cases, providing false certificates to protect criminals, trading in human organs, high priced purchase of anticancer drugs, misuse of Anadan. Unclaimed bodies are being sold to medical students for Rs 8,000 to Rs 10,000. Mortuary staff put such bodies on sale after post-mortem. The bodies are stripped of flesh, the skeleton is boiled and then neatly packed in cartons to sell it illegally to medical students who need it to understand human anatomy. So called Guddu Baba (officially called Vikas Chandra) is involved in this business of selling of unclaimed dead body in the name of funeral. Previously he was involved in taking bribe from doctors in the name of Drug scam. He has taken a heavy chunk of money and left culprits.

Thus, we request you to look into the matter and investigate the same in name of holy soul.

Sincerely Your's

Copy to,
1.The General Secretary,
UN Resident Coordinator's Office, UN House
2. Honorable Prime Minister of India.

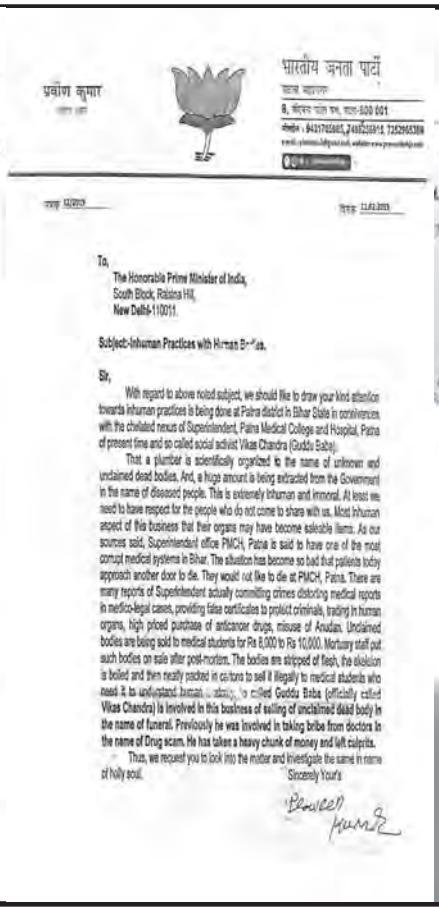

भारतीय जनता पार्टी

प्रवीण कुमार

To,
The Honorable Prime Minister of India,
South Block, Raisina Hill,
New Delhi-110011.

Subject-Inhuman Practices with Human Bodies.

Sir,

With regard to above noted subject, we should like to draw your kind attention towards inhuman practices is being done at Patna district in Bihar State in connivances with the chelated nexus of Superintendent, Patna Medical College and Hospital, Patna of present time and so called social activist Vikas Chandra (Guddu Baba).

That a plumber is scientifically organized in the name of unknown and unclaimed dead bodies. And, a huge amount is being extracted from the Government in the name of diseased people. This is extremely inhuman and immoral. At least we need to have respect for the people who do not come to share with us. Most inhuman aspect of this business that their organs may have become saleable items. As our sources said, Superintendent office PMCH, Patna is said to have one of the most corrupt medical systems in Bihar. The situation has become so bad that patients today approach another door to die. They would not like to die at PMCH, Patna. There are many reports of Superintendent actually committing crimes distorting medical reports in medico-legal cases, providing false certificates to protect criminals, trading in human organs, high priced purchase of anticancer drugs, misuse of Anadan. Unclaimed bodies are being sold to medical students for Rs 8,000 to Rs 10,000. Mortuary staff put such bodies on sale after post-mortem. The bodies are stripped of flesh, the skeleton is boiled and then neatly packed in cartons to sell it illegally to medical students who need it to understand human anatomy. So called Guddu Baba (officially called Vikas Chandra) is involved in this business of selling of unclaimed dead body in the name of funeral. Previously he was involved in taking bribe from doctors in the name of Drug scam. He has taken a heavy chunk of money and left culprits.

Thus, we request you to look into the matter and investigate the same in name of holy soul.

Sincerely Your's

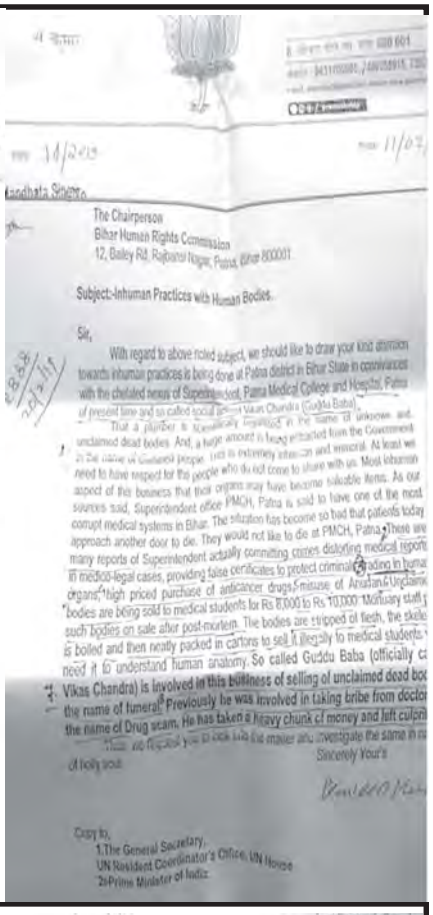

The Chairperson
Bihar Human Rights Commission
12, Bailey Rd, Rajbansi Nagar, Patna, Bihar 800001

Subject-Inhuman Practices with Human Bodies.

Sir,

With regard to above noted subject, we should like to draw your kind attention towards inhuman practices is being done at Patna district in Bihar State in connivances with the chelated nexus of Superintendent, Patna Medical College and Hospital, Patna of present time and so called social activist Vikas Chandra (Guddu Baba).

That a plumber is scientifically organized in the name of unknown and unclaimed dead bodies. And, a huge amount is being extracted from the Government in the name of diseased people. This is extremely inhuman and immoral. At least we need to have respect for the people who do not come to share with us. Most inhuman aspect of this business that their organs may have become saleable items. As our sources said, Superintendent office PMCH, Patna is said to have one of the most corrupt medical systems in Bihar. The situation has become so bad that patients today approach another door to die. They would not like to die at PMCH, Patna. There are many reports of Superintendent actually committing crimes distorting medical reports in medico-legal cases, providing false certificates to protect criminals, trading in human organs, high priced purchase of anticancer drugs, misuse of Anadan. Unclaimed bodies are being sold to medical students for Rs 8,000 to Rs 10,000. Mortuary staff put such bodies on sale after post-mortem. The bodies are stripped of flesh, the skeleton is boiled and then neatly packed in cartons to sell it illegally to medical students who need it to understand human anatomy. So called Guddu Baba (officially called Vikas Chandra) is involved in this business of selling of unclaimed dead body in the name of funeral. Previously he was involved in taking bribe from doctors in the name of Drug scam. He has taken a heavy chunk of money and left culprits.

Thus, we request you to look into the matter and investigate the same in name of holy soul.

Sincerely Your's

Copy to,
1.The General Secretary,
UN Resident Coordinator's Office, UN House
2nPrime Minister of India.

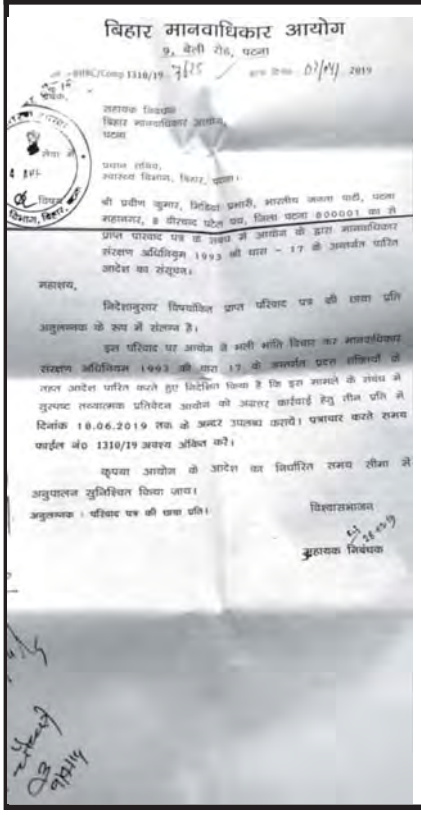

बिहार मानवाधिकार आयोग
9, बेली रोड, पटना

महोदय,

निर्देशानुसार विषयांकित प्राप्त परिवाद पत्र की छायाप्रति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

इस परिवाद पत्र को आयोग के भारी भरित विषय का मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की धारा 17 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत आदेश पारित करते हुए निर्देशित किया है कि इस मामले के संबंध में तुरन्त तथ्यात्मक प्रतिवेदन आयोग को अवश्य कार्रवाई हेतु तीन प्रति में दिनांक 18.06.2019 तक जो अन्दर उपलब्ध कराये। पत्राचार करते समय फाईल नं० 1310/19 अवश्य अंकित करें।

कृपया आयोग के आदेश का निर्धारित समय सीमा में अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

अनुलग्नक : परिवाद पत्र की छाया प्रति।

विश्वासभाजन

सहायक निबंधक

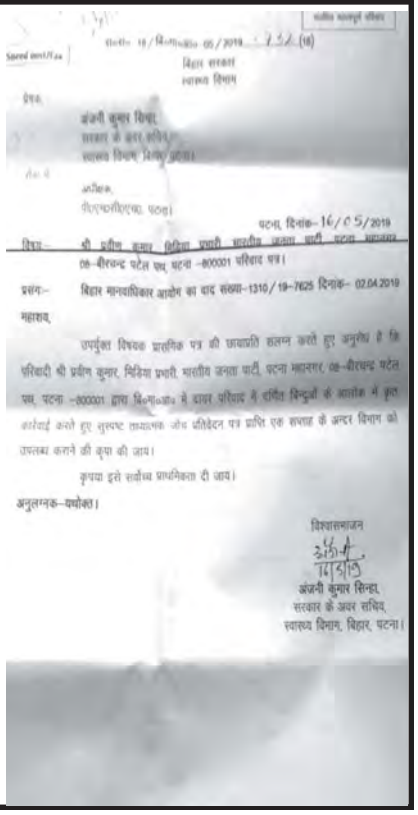

बिहार सरकार
स्वास्थ्य विभाग

अंजनी कुमार सिंह,
सरकार के अवर सचिव,
स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक- 16/05/2019

विषय- श्री प्रवीण कुमार भाजपा प्रवक्ता भारतीय जनता पार्टी पटना महानगर 08-बीरचन्द पटेल पथ, पटना -800001 परिवाद पत्र।

प्रसंग- बिहार मानवाधिकार आयोग का पत्र संख्या- 1310/19-7625 दिनांक- 02.04.2019

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र की छायाप्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि परिवादी श्री प्रवीण कुमार, भाजपा प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी, पटना महानगर, 08-बीरचन्द पटेल पथ, पटना -800001 द्वारा दिनांक 18.06.2019 में वर्णित बिन्दुओं के आलोक में प्राप्त कार्रवाई करते हुए तुरन्त तथ्यात्मक जाँच प्रतिवेदन एवं प्रति एक सप्ताह के अन्दर विभाग को उपलब्ध कराने की कृपा की जाय।

कृपया इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाय।

अनुलग्नक-यथोक्त।

विश्वासभाजन

अंजनी कुमार सिंह,
सरकार के अवर सचिव,
स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना।

प्रदूषण एवं उससे मानव जीवन पर पड़ने वाले कुप्रभाव एवं प्रदूषणमुक्त रखने का व्यापक जन अभियान चलाया था। साथ ही साथ बाबा ने पीएमसीएच की दुर्दशा एवं उसके सुधार का अभियान चलाकर समाज में लोकप्रियता बटोरी लेकिन भारतीय जनता पार्टी के पटना महानगर के मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार ने विभिन्न संगठनों का लिखित शिकायत करके विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू बाबा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बताते चलें कि प्रवीण कुमार ने गुड्डू बाबा के विरोध में प्रधानमंत्री, मानवाधिकार आयोग, प्रधान सचिव स्वास्थ्य विभाग, अधीक्षक पीएमसीएच को लिखित शिकायत करके घिनौना आरोप लगाया है जिसके जांच के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से भी बिहार सरकार को पत्र आया है जिसमें जांच कर मामले को दूध का दूध एवं पानी को पानी करने को कहा गया है।

गौरतलब है की गुड्डू बाबा लावारिश लाश के खेल में वास्तव में शामिल हैं या यह इनके साथ षडयंत्र किया जा रहा है? सूत्र बताते हैं कि गुड्डू बाबा लावारिश लाश के दाह संस्कार के लिए भी कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत साढ़े तीन हजार रूपये मिलते हैं तथा 8 से 10 हजार

मंगल पाण्डेय
मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, बिहार

भाजपा के पटना महानगर मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार ने विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू बाबा पर गंभीर आरोप लगाया है कि बाबा लाश का समाजसेवा के नाम पर कारोबार करते हैं। जब केवल सच के प्रतिनिधी ने भाजपा के फायर ब्रांड एवं बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय से यह जानने की कोशिश की 1. किसी भी लावारिश लाश का दाह संस्कार के लिए कितनी राशि प्रदान की जाती है? 2. विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू बाबा को लावारिश लाश को दाह संस्कार हेतु निबंधित किया है? 3. भाजपा के पटना महानगर मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार ने विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू बाबा पर गंभीर आरोप लगाया है कि वह लावारिश लाश का बिक्री करते हैं? इसका जवाब देते हुए मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि मैं इसपर कोई जवाब नहीं दूंगा और इन विषयों की सारी जानकारी हमारे विभाग के प्रधान सचिव ही देंगे।

इन्हीं सवालों को जब पत्रकार ने पीएमसीएच के अधीक्षक प्रो० डॉ० राजीव रंजन प्रसाद से पूछा गया तो उन्होंने बताया की लावारिश

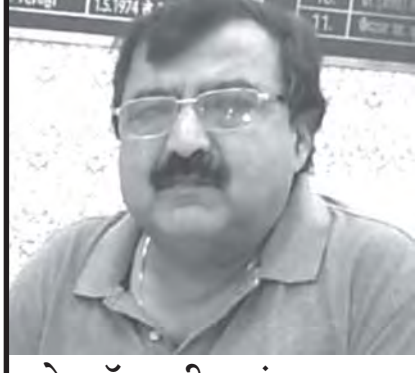

प्रो डॉ राजीव रंजन प्रसाद
अधीक्षक, पीएमसीएच, पटना

लाश की जानकारी पुलिस को दी जाती है और 72 घंटे के बाद कोई परिजन नहीं आता तो हमारे अस्पताल का चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी एवं पुलिस की निगरानी में पटना नगर निगम के विद्युत शवदाह गृह में अंतिम संस्कार कर दिया जाता है और इसमें जो रसीद निगम का कटता है तथा अन्य साम्रगी के मद में कुल मिलाकर 1000 रूपये खर्च होता। विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू बाबा को मैं नहीं जानता और न ही उन्हें इस प्रकार का कार्य करते देखा है और न ही वह हमारे पीएमसीएच के प्रतिनिधी हैं, वैसे में यह सवाल ही नहीं उठता की उन्हें इस कार्य के लिए निबंधित किया गया है।

बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने बताया की लावारिश लाश कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा कुछ राशि दी जाती है। यह स्वास्थ्य विभाग का मामला नहीं है

संजय कुमार
प्र० सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार

लेकिन कुछ स्वयं सेवी संस्था के द्वारा हमलोग लावारिश लाश का दाह संस्कार करवाते हैं। मेरी जानकारी में यह नहीं है की गुड्डू बाबा को ही लावारिश लाश के माध्यम से दाह संस्कार करवाया जाये। इसपर मैं पीएमसीएच के अधीक्षक से बात करता हूं। प्रवीण कुमार भाजपा नेता ने क्या लिखित शिकायत की है इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं हैं। जबकि 16/05/2019 को सरकार के अवर सचिव स्वास्थ्य विभाग ने अधीक्षक पीएमसीएच को पत्र भेजकर मामले की पड़ताल करने की बात लिखी गयी है। अब देखना है की स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में क्या कार्रवाई करता है या फिर सब गोल-माल है भाई, बन जाता है।

में वह लाश हॉस्पीटल में मेडिकल के छात्रों के लिए बेच देते हैं। गुड्डू बाबा की बढ़ती लोकप्रियता पर इस प्रकार का गंभीर आरोप लगाना या वास्तविक सच्चाई को समाज में लाने का जो साहस मीडिया प्रभारी भाजपा पटना महानगर प्रवीण कुमार ने प्रयास किया है। जांच में अगर प्रवीण कुमार के द्वारा गलाया गया आरोप सच साबित होता है तो गुड्डू बाबा बिहार के आसाराम एवं राम-रहीम बाबा के संज्ञा से विभूषित होंगे तथा सलाखों के पीछे भी जा सकते हैं। बाबा का राजनीतिक एवं प्रशासनिक पकड़ भी काफी मजबूत है। इस बात की भी चर्चा बाजार में गर्म है तथा पटना उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने को लेकर भी विभाग एवं पीएमसीएच में हड़कंप रहता है कि कहीं गुड्डू बाबा उनके विरूद्ध पीआईएल न कर दें। दवा घोटाला एवं मरीजों को मिलने वाली सरकार से सुविधा को भी भ्रष्ट डकार जाते हैं जिसकी वजह से मरीज एवं परिजन दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर हो जाते हैं, वैसे में लाश के इस घिनौने खेल का जब सच जनता के सामने आयेगा तो लोग किसपर विश्वास करेंगे यह यक्ष प्रश्न ही दिखता है।

बताते चलें कि बिहार मानवाधिकार आयोग के सहायक निबंधक ने 02/04/2019 को सहायक निबंधक प्रधान सचिव स्वास्थ्य विभाग बिहार सरकार को पत्र लिखकर जानकारी मांगी है की विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू बाबा पर लगाया गया आरोप कितना सही है। लेकिन प्रधान सचिव इस पत्र से अनभिज्ञ बता रहे हैं। ऐसे में लगता है की मामला कुछ विवादस्पद है और कोई भी स्पष्ट तौर पर इस विषय में जानकारी देना नहीं चाहता। विकास चन्द्रा उर्फ गुड्डू बाबा को भला स्वास्थ्य विभाग एवं पीएमसीएच नहीं जानता है की बात पचता नहीं दिख रहा है जबकि यहां पर दवा घोटाला एवं अन्य समस्याओं को बराबर उजागर करने वाले गुड्डू बाबा इसी वजह से समाज में लोकप्रिय हैं और उन्हें सुरक्षा गार्ड भी मिला है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही एवं सरकारी उदासीनता की वजह से आम आदमी भी कष्ट उठा रहा है और समाज में कार्य करने वाले भी घिनौनी हरकत करेंगे तो इस प्रदेश का भला कैसे होगा यह प्रश्न किसी भी मानव को उद्देलित कर देगा। अब देखना होगा कि विकास चन्द्रा पर लगाया गया आरोप का जांच में क्या निकलकर आता है तथा इसमें स्वास्थ्य विभाग एवं पीएमसीएच की क्या भूमिका है? प्रवीण कुमार की भी प्रतिष्ठा दांव पर लगी है की कहीं उनका आवेदन गलत साबित हुआ तो वह भी सलाखों के पीछे होंगे। जांच तक इंतजार करना होगा।

फूड प्वाइजनिंग

कारण, लक्षण, बचाव व इलाज

● ललन कुमार प्रसाद

फूड प्वाइजनिंग यानि भोजन में विषाक्ता। जिसकी वजह से भोजन के माध्यम से शरीर में जहर का प्रवेश। फूड प्वाइजनिंग या खाद्य विषाक्ता वायरस, वैक्टेरिया और परजीवी के कारण दुषित भोजन के खाने से होता है। इसलिए दुषित भोजन, दुषित पानी व अन्य दुषित पेय से उत्पन्न बीमारी को फूड प्वाइजनिंग कहा जाता है। दरअसल दुषित भोजन और दुषित पेय पदार्थों के माध्यम से शरीर में वैक्टेरिया, वायरस और परजीवी का संक्रमण हो जाता है। खासकर बरसात और गर्मी के मौसम में फूड प्वाइजनिंग की घटनाएं ज्यादा घटती है। क्योंकि बरसात के मौसम में वातावरण गर्म और आद्र (नम) होता है, जिससे भोजन जल्दी खराब और संक्रमित हो जाता है। अर्थात् बरसात के मौसम में वायरस, वैक्टेरिया और परजीवी अधिक आतंक फैलाते हैं। इस कारण बरसात के मौसम में हमारे देश में हर साल लाखों लोग दुषित भोजन यानि जहरीला भोजन के शिकार हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ संगठन (डब्लू.एच.ओ.) की रिपोर्ट बताती है कि दुनियां भर में हर साल 4 लाख 20 हजार लोगों की मृत्यु फूड प्वाइजनिंग के कारण होती है। डब्लू.एच.ओ. के अनुसार दुनियां भर में प्रति दस में से एक व्यक्ति फूड प्वाइजनिंग से ग्रसित हो जाता है। फिर भी हमारे देश में फूड प्वाइजनिंग की समस्या पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। क्योंकि जिस चीज से हम पेट भरते हैं, उसे बीमारी का स्त्रोत नहीं मानते हैं। यह बीमारी किसी को भी हो सकती है, लेकिन इस बीमारी के चपेट में सबसे ज्यादा बच्चे आते हैं, क्योंकि वे बगैर ठीक से हाथ धोए ही खाना शुरू कर देते हैं। गर्भवती महिलाएं और बुर्जुग भी इस बीमारी के चपेट में ज्यादा आते हैं। क्योंकि बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुर्जुर्गों का इम्युन सिस्टम बहुत कमजोर होता है। यानि रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। मसलन बिहार के स्कूलों में मुफ्त में 'मिड डे मील' यानि दोपहर के भोजन में कई बार फूड प्वाइजनिंग के चलते भारी संख्या में बच्चे एकाएक गंभीर रूप से बीमार पड़ जाते हैं, जिन्हें तुरंत इलाज हेतु अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ता है। ऐसा विशेषकर साफ-सफाई में कमी के चलते होता है। चाहे स्कूल हो या कॉलेज या कोचिंग संस्थान या ऑफिस। लंच टाइम पर युवाओं को सड़क के किनारे ठेलों या छोटी-छोटी दुकानों के पास चटपटा खाना खाना पसंद करते हैं। लेकिन कभी-कभी ज्यादा चटपटा खाना पेट को भारी पड़ जाता है और लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो जाते हैं। इसका एक कारण यह भी है कि ठेले वाले तथा छोटे-छोटे भोजन और जलपान के दुकान पीने के लिए ग्राहकों को जो पानी उपलब्ध कराते हैं, वह शुद्ध नहीं होता है। ठेले वाले तथा भोजन जलपान कराने वाले छोटे-छोटे दुकानदार साफ-सफाई पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते हैं। जहरीली शराब के सेवन से भारी तादाद में मरने वाले लोगों की वारदात भी आम होती जा रही है। जहरीला भोजन और जहरीली शराब की दुकान लोगों में से करीब 60 फिसदी लोगों की मौत 24 घंटे के अंदर हो जाती है, जो इस बीमारी का सबसे खतरनाक पहलू है। फिर फूड प्वाइजनिंग की घटना अक्सर बड़े भोजो जैसे-शादी-विवाह, जन्मोत्सव आदि के अवसरों पर होती है। ऐसी हालत में ढ़ेर सारे लोग एक साथ इसकी चपेट में आ जाते हैं। फलस्वरूप मरीजों के इलाज हेतु भर्ती कराने के लिए अस्पतालों में

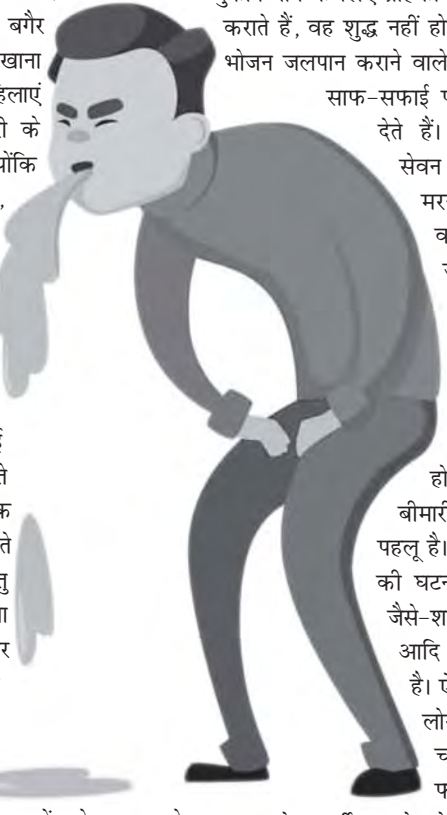

जगह कम पड़ जाती है। यह इस बीमारी का दूसरा सबसे खतरनाक पहलू है।

★ फूड प्वाइजनिंग के लक्षण :- फूड प्वाइजनिंग के मुख्य लक्षणों में शरीर में गंभीर रूप से पानी की कमी हो सकती है। इसके कारण मुंह सुखने और पेशाब न होने की समस्या पैदा हो सकती है। फूड प्वाइजनिंग के आम लक्षण है जी मिचलाना, उल्टियां होना, पतला पखाना होना, पेट में ऐठन या मरोड़ के साथ दर्द होनो, इत्यादि। यदि किसी व्यक्ति को खाने छः घंटे के अंदर उल्टियां आनी शुरू हो जाये तो समझ जाइए की वह फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गया है। सिर दर्द, बुखार, डीहाईड्रेशन, कमजोरी, पेशाब और पखाना में खून आना जैसी गंभीर स्थिति भी आ सकती है।

★ फूड प्वाइजनिंग के कारण और बचाव :- कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जो पकाने की प्रक्रिया की वजह से फूड प्वाइजनिंग का कारण बनते हैं। मांस, चिकन, अंडे, मछली आदि में ऐसे संक्रमक तत्व पाये जाते हैं, जो कच्चा या पका खाये तो फूड प्वाइजनिंग हो सकती है। इसलिए कच्चा मिट, चिकन और मछली को ठीक से पकाकर खाना चाहिए। फूड प्वाइजनिंग के अन्य निम्न कारण और बचाव :-

☞ कच्चा मिट, चिकन और मछली में खतरनाक सूक्ष्म जीव हो सकते हैं। इसलिए कच्चा मिट, चिकन और मछली को उपयुक्त बर्तनों में ढ़ककर रखने के बाद अन्य पदार्थों से अलग रखना चाहिए। शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग-अलग कंटेनर में रखकर फ्रीज में अलग-अलग स्टोर करना चाहिए।

☞ देर तक रखे हुए भोजन को परोसने के पहले ठीक से गर्म करे, अन्यथा खतरनाक वैक्टेरिया पूरी तरह से नष्ट नहीं होते और कभी-कभी फूड प्वाइजनिंग का कारण बनते हैं।

☞ हाफ व्वायल्ड और हाफ फ्राईड अंडे का सेवन करने से भी फूड प्वाइजनिंग से ग्रस्त होने की संभावना बनी रहती है। इसलिए ऐसे अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए।

☞ यदि रसोईघर और उसमें इस्तेमाल होने वाले बर्तन गंदे हो तो तैयार की जा रही भोजन सामग्री के संक्रमित होने का खतरा रहता है, जिससे फूड प्वाइजनिंग हो सकती है। इसलिए गंदी जगह पर गंदे बर्तन में और गंदे व्यक्तियों के द्वारा तैयार किये गये भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए।

☞ ऐसे दालों, अनाजों, शब्जियों, मांस-मछली का सेवन जो बगैर अच्छी तरह से धोकर नहीं पकाये गये हैं, उसका सेवन नहीं करना चाहिए।

☞ दुषित पानी में हानिकारक वैक्टेरिया होते हैं, इसलिए दुषित पानी नहीं पीना चाहिए। स्वच्छ पानी ही पीना चाहिए।

☞ खुले और गर्म स्थान पर हानिकारक वैक्टेरिया के पनपने की आशंका रहती है, इसलिए फलों और सब्जियों को काटने के बाद तुरंत फ्रीज में रख देना चाहिए।

☞ डिब्बा बंद और बोतल बंद खाद्य पदार्थ एवं पेय पदार्थ जैसे फलों के रस पर उसके निर्माण के साथ-साथ उसके इस्तेमाल की अंतिम तिथि का उल्लेख रहता है। इस्तेमाल की अंतिम तिथि के बाद डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ खाने लायक नहीं रह जाता। क्योंकि उसमें डाला गया प्रीजरेटिव प्रभावी नहीं रह जाता है। इसलिए इस्तेमाल की अंतिम तिथि के बाद वाले डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ व पेय पदार्थ का सेवन न करे। इसलिए डिब्बा बंद या बोतल बंद खाद्य पदार्थों या पेय पदार्थों को खरीदते समय उनका एक्सपायरी डेट अवश्य देख ले।

☞ तैयार खाद्य पदार्थों पर मक्खियां, तेलचट्टा आदि किड़ों के बैठ जाने से दुषित होने का खतरा रहता है। इसलिए तैयार खाद्य पदार्थों को हमेशा ढ़ककर रखे।

☞ बीमार व्यक्ति द्वारा पकाये गये भोजन को संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। इसलिए ऐसे भोजन का सेवन न करे।

☞ सड़क किनारे लगे ठेलों और छोटे-छोटे ढ़ाबों के खाद्य पदार्थों का सेवन न करे, क्योंकि इन पर सड़क के धूल उड़कर पड़ते रहते हैं। नतीजा खाद्य पदार्थ को संक्रमित होने का खतरा बहुत रहता है।

☞ बासी या फुफूंदी लगे भोजन का सेवन न करे। उतना ही पकाये जितना एक समय में खपत हो जाये। हमेशा ताजे और पौष्टिक खाद्य पदार्थों का सेवन करे। टॉयलेट से आने के बाद हांथ जरूर धोएं। अगर घर में पालतू जानवर है तो उसे छूने के बाद भी हांथ धोएं।

☞ हमेशा ताजा बना हुआ भोजन ही खाये और ताजे फलों तथा सब्जियों का सेवन करें।

☞ सब्जी और फल काटने के बाद चाकू को धोकर तथा मांस-मछली काटने के बाद चॉपर को धोकर रखना चाहिए तथा हांथ भी धो लेना चाहिए। खाना-खाने के पहले हांथ अच्छी तरह से जरूर धोएं।

☞ शराब, चाय, कॉफी और दूध से पूरी तरह परहेज करे।

★ फूड प्वाइजनिंग की स्थिति में क्या करे? :- दुषित खाद्य पदार्थों व पेय पदार्थों के जरीय शरीर में दाखिल होने वाले हानिकारक वैक्टेरिया सबसे पहले आंतों को उत्तेजित करते हुए शरीर में पानी की कमी पैदा करते हैं, लिहाजा शरीर में उस पानी की कमी को पूरा करने और शरीर को तरोताजा बनाये रखने के लिए भरपूर मात्रा में तरह पदार्थों का सेवन करना चाहिए। ऐसा इसलिए की पानी ही शरीर में मौजूद जहरीले तत्वों को बाहर निकालता है और कोशिकाओं तक पोषक तत्वों को पहुंचाता है। डिहाईड्रेशन की स्थिति से निपटने के लिए मरीज को थोड़े-थोड़े अंतराल पर पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहना चाहिए, क्योंकि शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी पहुंचाना जरूरी होता है।

★ फूड प्वाइजनिंग का इलाज :- कै-दस्त होने से शरीर में मौजूद सारे इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे- सोडियम, पोटैशियम, ग्लूकोज आदि पानी के

साथ बाहर निकल जाते हैं। इस कमी की आपूर्ति बाजार में उपलब्ध जीवन रक्षक घोल यानि ओ. आर.एस. (ओरल रीहाईड्रेशन सॉल्यूशसन) या इलेक्ट्रल पॉडर के घोल से की जा सकती है। लेकिन बेहतर होता है कि जीवन रक्षक घोल का सेवन किया जाना। उपरोक्त दोनो घोलों को हमेशा उबालकर ठंडा किये गये पानी में तैयार करना चाहिए। उबले पानी का मतलब है कि जब पानी उबलने लगे तो उसके बाद भी 20 मीनट तक उबलते हुए छोड़ देना चाहिए और तब ठंडा होने के बाद छान कर रखना चाहिए। यदि 24 घंटा पूरा हो जाने के बाद तैयार किया हुआ जीवन रक्षक घोल या इलेक्ट्रल पॉडर का घोल बच जाये तो उसे फेंक देना चाहिए। जरूरत पड़ने पर उबले पानी में ताजा घोल दोबारा तैयार करना चाहिए।

यदि परक्त दोनों दवा बाजार में उपलब्ध न हो तो चार चम्मच ग्लूकोज, दो चुटकी नमक, एक चम्मच खाने वाला सोडा को आधा लीटर उबले पानी में घोलकर तैयार किया जा सकता है।

यदि घर में ग्लूकोज भी उपलब्ध न हो तो उसके बदले चार चम्मच चीनी और आधे निबू के रस को मिला सकते हैं। निबू के रस को मिलाने से चीनी का हाईड्रोलिसिस हो जाता है, जिससे वह ग्लूकोज और फ्रूक्टोज में तब्दील हो जाता है।

इस तरह से तैयार घोल को आधे-आधे घंटे के अंतराल पर एक कप की मात्रा में मरीज को पिलाते रहना चाहिए। मरीज को उपरोक्त घोल को धीरे-धीरे घूंट-घूंट करके पीना चाहिए, तेजी से गट-गटकर नहीं पीना चाहिए। फलों के रस तथा अन्य तरल पदार्थों जैसे कच्चे नारियल का पानी, पकाये गये दाल का पानी, इत्यादि को भी थोड़ा-थोड़ा करके धीरे-धीरे घूट-घूट करके पीना चाहिए। तेजी से गट-गट करके नहीं पीना चाहिए। तेजी से पीने से उल्टी शुरू हो सकती है। उपरोक्त घोल के अलावा मरीज को निम्नलिखित तरल पदार्थ का सेवन तुरंत शुरू करा देना चाहिए :-

☞ डाभ यानि कच्चे नारियल के पानी से शरीर में पानी, लवण और बिटामिन की कमी दूर हो जाती है।

☞ दही एक एंटीबायोटिक और जल्दी पचने वाला खाद्य पदार्थ है। इसके सेवन से फूड प्वाइजनिंग के मामले में बहुत लाभ होता है, लेकिन दही ताजा होना चाहिए। ताजे दही का छाछ और लस्सी पिलाने से भी बहुत लाभ होता है।

☞ अनार का रस पेट की समस्याओं के लिए बहुत ही अच्छी दवा है। इसलिए फूड प्वाइजनिंग में इसे पीने से जल्दी राहत मिलती है।

☞ मौसमी का रस पीने से भी बहुत लाभ होता है, क्योकि यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है।

☞ चावल का मार पिलाने से शरीर में पानी और लवण की कमी दूर हो जाती है।

☞ पकाये गये दाल का पानी पिलाने से शरीर में पानी, प्रोटिन और लवण की कमी दूर हो जाती है।

☞ तुलसी पेट की समस्याओं की अच्छी दवा है। इसलिए तुलसी के पत्तों को चबाने से फूड प्वाइजनिंग में जल्दी राहत मिल जाती है।

☞ अदरख एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक होने के चलते फूड प्वाइजनिंग की अच्छी दवा है। इसलिए फूड प्वाइजनिंग में अदरख डली चाय का सेवन बहुत लाभदायक है। लेकिन जो बावासीर के मरीज हैं, उन्हें अदरख का सेवन नहीं करना चाहिए।

☞ कटे हुए आधे निबू पर काली मिर्च का चूर्ण और थोड़ा सा नमक छिड़क कर गर्म करे और तब जिभ पर रगड़-रगड़ कर चाटे। ऐसा थोड़ी-थोड़ी देर के अंतराल पर बार-बार दोहराने से जहर का प्रभाव कम होता है तथा जी मचलाने की समस्या से मुक्ति मिल जाती है।

★ इलाज से जुड़ी सावधानियाँ :-

☞ फूड प्वाइजनिंग शब्द सुनते ही घबराहट में कुछ लोग मरीज के गले में ऊँगली डालकर जबरन उल्टी कराने की कोशिश कराते हैं, जो सरासर गलत है। इसलिए ऐसा नहीं करना चाहिए।

☞ मरीज जो भी तरल पदार्थ का सेवन कर रहा हो, उसे थोड़ी-थोड़ी मात्रा में धीरे-धीरे पीना चाहिए।

☞ मरीज को दूध तथा कोई ठोस खाद्य पदार्थ तब तक ना दे, जब तक की उसकी उल्टियां और दस्त बंद न हो जाये।

☞ यदि मरीज की हालत गंभीर है, उसका दस्त और उल्टी नहीं रूक रहा है तो फौरन उसे अस्पताल में दाखिल करे। वहां पर पानी के साथ जरूरी दवा मिलाकर शरीर में चढ़ाकर मरीज की जान बचायी जा सकती है।

●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट :- www.psfsm.in

● ललन कुमार प्रसाद

बरसात में रात को चमचम चमकते तथा इधर- उधर झुंडों में उरते जुगनूओं को देखकर हर कोई आश्चर्य में पर जाता है। उन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे आसमान के झिलमिलाते तारे जमीन पर उतर आये हो। बच्चे तो बच्चे, बुढ़े भी यह दृश्य देखकर प्रसन्न हो जाते हैं।

जुगनू एक प्रकार का उड़ने वाला कीट है, जो आर्थोपोडा समुदाय का है। इसे अंग्रेजी में फायर फ्लाई, हिन्दी में जुगनू और ठेठ देहाती भाषा में भगजोगनी कहते हैं।

सामान्यत: जुगनू की लम्बाई एक-ढ़ेढ़ सेंटीमिटर से अधिक नहीं होती है, लेकिन दक्षिण अमेरिका और प्राग में जुगनूओं की एक ऐसी प्रजाती पायी जाती है, जो 8-9 सेंटीमिटर तक लंबी होती है। इस जुगनू के शरीर से एक ही समय लाल और हरा प्रकाश निकलता है। लाल प्रकाश सिर की ओर से और हरा प्रकाश दुम की ओर से निकलता है। अनुमान लगाया गया है कि यदि किसी बोतल में ऐसे 10 जुगनू डाल दिये जाये तो वह बोतल रात के समय टेबुल लैंप का कम कर दे सकती है। जुगनू की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह रह रहकर कुछ अंतराल पर जलते-बुझते रहता है, जो रात में बहुत ही सुहाना लगता है।

जुगनू आखिर टिमटिमाते क्यों हैं? वर्षो तक यह प्रश्न एक अबुझ पहेली बना हुआ था, लेकिन वैज्ञानिकों ने दिन-रात अथक परिश्रम कर जुगनूओं का यह रहस्य ढूढ़ ही निकाला। बात यह है कि जुगनू का शरीर एक पारदर्शक आवरण में बंद रहता है, जिसे क्युटिकल कहते हैं। शिशु जुगनू के शरीर के पिछले और निचले भाग में एक पट्टी पर कई सफेद-सफेद बिंदु होते हैं, जिन्हें हम प्रकाश अंग या दीप्तांग कहते हैं, क्योंकि जुगनू इन्ही विशेष अंगों से प्रकाशित होता

है। सूर्य के प्रकाश में देखने पर इसके शरीर का यह हिस्सा मटमैला दिखायी पड़ता है। प्रौढ़ जुगनूओं में पेट से केवल अंतिम तीन-चार खंड ही प्रकाश अंग होते हैं। ये प्रकाश अंग जाल की तरह बिछी हुई श्वसन नलिकाओं से जुड़े रहते हैं। प्रकाश अंगों के चारों ओर युरेटयुक्त कोशिकाओं की एक परत होती है, जो परावर्तक का काम करती है। जब जुगनूओंको अपने प्रकाश अंग टिमटिमाने की इच्छा होती है तो वे वायु नलिकाओं में वायु लेने और निकालने लगते हैं, जिससे प्रकाश अंग जलने-बुझने लगते हैं।

जुगनू का टिमटिमाना वास्तव में एक रसायनिक प्रक्रिया है, जो उसकी सांस से जुड़ी हुई है। जुगनू जब भितर सांस खिचता है तो जलने लगता है और बाहर जब सांस छोड़ता है तो बूझ जाता है। फ्रांस के शरीर विज्ञानवेता राफेल दुबोआ ने जुगनू के प्रकाश पर महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने अनुसंधान के बाद जुगनू के प्रकाश अंगों में दो पदार्थ पाये है-लुसीफेरीन और लुसीफेरीज। इन दोनों शब्दों की उत्पत्ति लुसीफर शब्द से हुई है। लुसीफर का अर्थ है प्रकाशधारी। लुसीफर में एज प्रत्यय इस बात का सूचक है कि इसमें एन्जाइमो जैसा गुण है। डॉ० टी मैककेलरा और डॉ० एच.एच. सेलिगर ने एक प्रकार के जुगनू से प्राप्त लुसीफेरीन की रसायनिक संरचना पर शोध किया और प्रयोगशाला में उसका संश्लेषण भी किया। प्रयोगों से पता चला कि लुसीफेरीन एक प्रोटीन है और लुसीफेरीज एक एन्जाइम। प्रिंस्टन विश्वविद्यालय (अमेरिका) के वैज्ञानिक डॉ० न्यूटन हार्वे ने भी अपने प्रयोगों के आधार पर जुगनू के प्रकाश उत्पादन में एन्जाइमी प्रक्रिया की पुष्टि की है। लुसीफेरीन ऊर्जा देने वाले रसायन एडीनोसिन ट्राइफास्फेट के साथ लुसीफेरीज एन्जाइम की उपस्थिति में वायु के

ऑक्सीजन के सम्पर्क में आने पर जल (चमक) उठता है। यह एक रसायनिक प्रक्रिया है, जिससे प्रकाश पैदा होता है। लुसीफेरीज इस प्रक्रिया में उत्प्रेरक (कैटेलिस्ट) का काम करता है। यह प्रक्रिया प्रकाश रसायनिक अभिक्रिया के विपरित है, क्योंकि प्रकाश रसायनिक अभिक्रिया प्रकाश की सहायता से करायी जाती है, जबकि इस अभिक्रिया में प्रकाश उत्पन्न होता है। इस अभिक्रिया मे एक अणु लुसीफेरीन के ऑक्सीकृत होने पर एक क्वांटम प्रकाश पैदा होता है।

जुगनू की श्वांस व्यवस्था और रसायनिक संरचना प्रकाश पैदा करने में सहायक है। जुगनू जब श्वांस लेता है तो श्वांस की नली द्वारा वायु उस रसायनिक पदार्थ को छूती है, जिसे लुसीफेरीन कहते हैं। हवा लगते ही वह पदार्थ लपक के रूप में जल उठता है। श्वांस लेने की प्रक्रिया में हवा अंदर ले जाना और बांहर निकालना शामिल है। स्पष्ट है कि जुगनू निरंतर हवा भीतर नहीं ले जा सकता। यही कारण है कि उसका शरीर जलता-बुझता दिखायी देता है। जब वह तेजी से श्वांस लेने लगता है तो जलने और बुझने के बीच का अंतराल कम हो जाता है।

यह ध्यान देने की बात है कि जुगनू के शरीर से उत्पन्न प्रकाश में ताप नहीं होता। चूकि बिना तापीय ऊर्जा के जड़ पदार्थ से उत्सर्जित प्रकाश को विज्ञान की भाषा में लुमिनीसेन्स कहते हैं। इसलिए जीवित प्राणियों से इस तरह से प्रकाश उत्सर्जन की क्रिया को बायो-लुमिनीसेन्स कहा जाता है। अब प्रश्न उठता है कि जुगनू शीतल प्रकाश का उत्पादन कैसे करता है? इस रहस्य को बड़े-बड़े वैज्ञानिक भी नहीं समझ पाये। क्योंकि अब तक प्राप्त अन्य सभी तरह के प्रकाश में ताप अनिवार्य रूप से उत्पन्न होता है। अमूमन किसी चीज के जलने पर राख अवश्य बच जाती है, मगर जब जुगनू का लुसीफेरीन जलता है तब कोई राख नहीं बचती। अर्थात् लुसीफेरीन ज्यों का त्यों बना रहता है। आखिर ये कैसे होता है? इतना ही नहीं स्वयं लुसीफेरीन जुगनू के शरीर में पैदा कैसे होता है? इन तीनों रहस्यों से पर्दा उठना अभी शेष है। जुगनू की तरह शीतल प्रकाश उत्पन्न करने में अगर वैज्ञनिक सफल हो जाये तो खानों में काम करने वालों के लिए वरदान सिद्ध होगा। ऐसा इसलिए कि इससे ज्वलनशील गैसों के जलने की संभावना बिल्कुल नहीं रहेगी।

स्वभाव से शीतल होते हुए भी फोटोग्राफी के फिल्म को प्रभावित करने में यह रौशनी समर्थ होती है। इस रौशनी की एक और विशेषता है कि इसमें पराबैगनी और अवरक्त किरणों का आभाव होता है। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट :- www.psfsm.in

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

● **ललन कुमार प्रसाद**

बादल फटने से अचानक आयी बाढ़ और भूखलन की एक ऐसी भयानक स्थिति पैदा हो जाती है कि लोग भौचक्के रह जाते हैं। ऐसा इसलिए कि जब बादल फटते हैं तो हमें जरा सा भी संभलने का मौका नहीं मिलता है। पलक झपकते ही गांव के गांव सैलाव के साथ बह जाते हैं, मजबूत से मजबूत मकान, पुल आदि ताश के पत्ते की तरह ढ़हकर पानी में समा जाते हैं और ढ़ेर सारी जिंदगियां देखते ही देखते पानी के साथ बहकर जाने कहां चली जाती है कि कुछ पता ही नहीं चलता।

दरअसल, समान्य वर्षा होती है तो आसमान से बादलों का पानी धीरे-धीरे करके कम मात्रा में गिरता है, जिसे अच्छी खासी मात्रा में धरती सोखती चली जाती है। अत: बहुत ज्यादा पानी जमीन पर नहीं बहता है। इसलिए पानी बहुत ही मंद गति से बहता है। लेकिन जब बादल फटता है तो आसमान से बादलों का पूरा पानी एक साथ जमीन पर आ गिरता है। यह वर्षा का चरम यानि सर्वाधिक खतरनाक रूप है। बादल फटने के कारण होने वाली वर्षा सौ मिली मिटर प्रति घंटा से भी अधिक रफ्तार से होती है। 10 मिनट में करीब 10 मिलीमिटर यानि 2 सेमी० वर्षा हो जाती है। इतने कम समय में बादलों से हजारों करोड़ लीटर पानी जमीन के एक बहुत ही सीमित इलाके पर गिरता है, जिसकी वजह से जमीन पर पानी गिरते ही बहुत अधिक तेजी से निचले इलाके में प्रलंयकारी बाढ़ के रूप में बहने लगता है। एकाएक कम क्षेत्र में बहुत ही भारी मात्रा में पानी के बहाव के फोर्स के कारण रास्ते में पड़ने वाली भौतिक संरचनाएं जैसे-मकान, पुल आदि ध्वस्त होती चली जाती है। मजबूत से मजबूत मकान और पुल ताश के पत्तों की तरह ढ़हकर पानी में समा जाते हैं। अर्थात् बादल फटने से एकाएक अत्यधिक तेज रफ्तार वाली भयानक बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है, जिससे पलभर में महाविनाश घट जाता है।

बादलों की आकृति और उनकी पृथ्वी से ऊँचाई के आधार पर कई वर्गों में बांटा गया है। लेकिन बादल फटने की घटना के लिए क्युमुलोनिम्बस बादल जिम्मेदार है। इन बादलों को गौर से देखे तो ये बड़े खूबसूरत

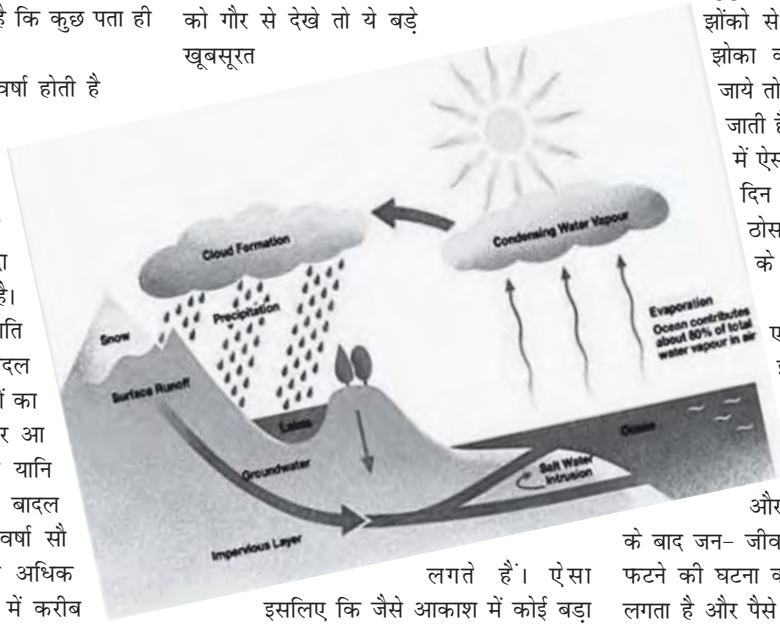

लगते हैं। ऐसा इसलिए कि जैसे आकाश में कोई बड़ा गोभी का फूल तैर रहा हो। इनकी लम्बाई 14 किलोमीटर तक होती है। क्युमुलोनिम्बस बादलों में एकाएक नमी पहुंचनी बंद हो जाती है या कोई गर्म हवा का झोका उसमें प्रवेश कर जाता है तो ये सफेद बादल गहरे काले रंग में तब्दील हो जाते हैं और तेज गरज के साथ पूरी शक्ति से पृथ्वी पर बरस पड़ते हैं। क्युमुलोनिम्बस बादलों के बरसने की रफ्तार इतनी तेज होती है कि मानो आसमान से कोई पूरी नदी जमीन पर उतरकर प्रचंड वेग से बह रही हो।

प्रश्न उठता है कि बादल फटने का कारण क्या है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार हमारे देश में हर साल मानसून के समय पानी से भरे बादल उत्तर की ओर बढ़ते हैं तो उनके लिए हिमालय पर्वत अवरोधक के रूप में सामने पड़ जाता है। इसलिए बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं केदारनाथ, चमोली आदि पहाड़ी इलाकों में घटती रहती है। बादल फटने का दूसरा कारण है क्युमुलोनिम्बस बादलों का गर्म हवा के झोंको से टकराव। यदि गर्म हवा का झोका क्युमुलोनिम्बस बादलों को छू जाये तो उनके फटने की आशंका बन जाती है। 26 जुलाई 2005 को मुम्बई में ऐसी ही एक घटना घटी थी। उस दिन क्युमुलोनिम्बस बादल किसी ठोस वस्तु से नहीं बल्कि गर्म हवा के झोंको से टकराये थे।

बादल फटने की घटना भी एक प्राकृतिक आपदा है। लेकिन इसके सामने भूकंप और चक्रवाती तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाएं भी बौनी पड़ जाती है। ऐसा इसलिए की भूकंप और चक्रवाती तूफान गुजर जाने के बाद जन- जीवन को समान्य बनाने में बादल फटने की घटना की तुलना में बहुत कम समय लगता है और पैसे भी कम खर्च करने पड़ते हैं। इसलिए दुनियां भर के मौसम वैज्ञानिकों के साथ तत्परता से ऐसी खोज करनी चाहिए कि मानसून के समय आसमान में क्युमुलोनिम्बस किस्म का बादल बनने ही न पाये।●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट :- www.psfsm.in

वर्षा कैसे होती है?

● **ललन कुमार प्रसाद**

आकाश से जब पानी की बूंदे धरती पर गिरती है तो कहा जाता है कि वर्षा हो रही है। इसका इंतजार भला किसे नहीं रहता। खासकर भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जहां खेती-किसानी मुख्यत: वर्षा पर टिकी हो, वर्षा का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है। लेकिन तब मन में जिज्ञासा होता है कि आसमान में पानी तो दिखता नहीं, फिर धरती पर बरस कैसे जाता है?

मोटे तौरपर कहा जाता है कि धरती पर जितने भी जल-संसाधन है, जैसे-समुद्र, नदी, झील, झड़ना, तालाब, कुंआ, आदि से उसका पानी अनवरत वाष्प बनकर हवा में मिलता रहता है, जिसे हम पानी का वाष्पीकरण कहते हैं। हवा से बहुत हल्का होने के कारण यह वाष्प आकाश में ऊपर उठता चला जाता है। यह वाष्प जैसे-जैसे ऊपर उठता जाता है, वैसे-वैसे लगभग 5.5 डिग्री सेल्यिस प्रति किलोमिटर की दर से उसके तापमान में गिरावट होती चली जाती है और अंतत: वह वायुमंडल में मौजद असंख्य धूलकणों पर संघनित होकर असंख्य नन्ही-नन्ही बूंदों का रूप धारण कर लेता है। बहुत हल्की होने के कारण हवा में लटके हुए असंख्य पानी के नन्हे-नन्हे बूंदों को बादल कहा जाता है, जिसे बहती हुई हवा अपनी इच्छानुसार आकाश में जहां चाहे वहां घूमाती रहती है। जब संघनन के कारण बादल के रूप में पानी की ये नन्ही-नन्ही बूंदे अपना पर्याप्त आकार धारण कर लेती है तब अपने भार के कारण वर्षा की बूंदों के रूप में धरती पर गिरने को बाध्य हो जाती है। इसी को हम पानी का बरसना कहते हैं। सामान्य जन को वर्षा की बूंदे एक सी नहीं लगती है। यदि मुसलाधार वर्षा हो तो उसकी बूंदे अपने ही ढ़ंग की होती है और यदि हल्की वर्षा हो तो वैसी बरसात की बूंदों का स्वरूप दूसरा होता है। वर्षा की बड़ी बूंदे छोटी बूंदों की अपेक्षा तेज गति से गिरती है। धरती पर गिरने के दौरान 5-6 मिलीमिटर से बड़ी पानी की बूंदे समान्यत: छोटी बूंदों में टूट जाती है। पानी का बरसना कोई दैवीय संयोग नहीं है, बल्कि विशुद्ध रूप से एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जो वायुमंडलीय हालात पर आधारित होती है। वर्षा कब होगी, कितनी होगी और हल्की या भारी होगी या सिर्फ फूहार के रूप में बरसकर रह जायेगी, यह सब एक लंबी वायुमंडलीय प्रक्रिया है, जो वायुमंडल में पायी जाने वाली नमी (आद्रता), तापमान, वायुदाब और वायुगति पर निर्भर करती है।

दरअसल वर्षा होना एक चक्रिय प्रक्रिया है, जो कई महत्वपूर्ण चरणों से गुजरने क बाद पूर्ण होती है। आकाश में पानी की नन्ही-नन्ही

बूंदों के अति वृहत समूह के रूप में दिखायी पड़ने वाला जो बादल हमें दिखता है, उसमें जलवाष्प ही नाभी को यानि केन्द्रकों के ऊपर संघनित होकर जमने से बनता है। ये नाभिक धूलकण, कालिख के कण, लवण के कण, आदि हो सकते हैं। लेकिन हवा में यदि धूलकण बहुत ही कम हो या नहीं हो तो जलवाष्प, पानी में संघनित नहीं हो सकता है। यदि हवा में धूलकण पर्याप्त मात्रा में मौजूद हो तो हवा में उपस्थित थोड़ा भी अधिक जलवाष्प तापमान में कमी होने के चलते उनपर संघनित होकर जम जाता है और आकाश में पानी की नन्ही-नन्ही टिकाऊ बूंद बन जाता है। आकाश में ऐसी टिकाऊ बूंदों का समूह धूंए के जैसे दिखने लगता है, जिसे हम बादल कहते है। वर्षा के संबंध में जो अध्ययन किये गये है, उनसे पता चलता है कि यदि वायुमंडल में किसी प्रकार के धूलकण नहीं होते हैं तो जलवाष्प बहुत भारी मात्रा में

होने पर भी बादल नहीं बनता है। ठंडे क्षेत्रों में जलवाष्प का संघनन केवल धूलकणों पर ही नहीं होता, बल्कि बादलों में बने वर्फ के छोटे-छोटे कणों पर भी होता रहता है। इससे वर्फ के कण अपना पर्याप्त आकार धारण कर लेती है, जो हिमपात के रूप में धरती पर गिरती है।

जब कभी आप आसमान में काले बादलों को देखते होंगे तो आपको लगता है कि वर्षा होने ही वाली है। ऐसा इसलिए कि जब वर्षा

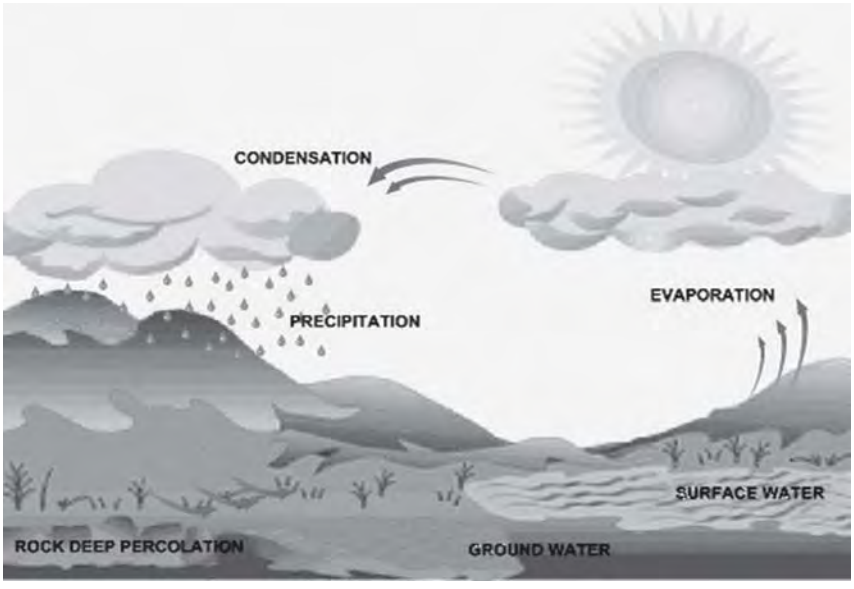

होती है, उसके पहले आसमान बादलों से घिर जाता है। लेकिन हर बादल वर्षा नहीं करते। एक खास किस्म के बादल से ही वर्षा होती है, जिसे हम 'वर्षा मेघ' कहते हैं। वर्षा मेघ से मेरा तात्पर्य मुख्यत: वर्षा पुंजमेघ और वर्षा स्तरीमेघ से है। वर्षा पुंजमेघ पृथ्वी से 1500 मिटर या इससे भी अधिक ऊँचाई पर हो सकते हैं। गर्मी के दिनों में बनने के बाद यही मेघ अक्सर भारी वर्षा का कारण बनते हैं। वर्षा स्तरीमेघ पृथ्वी से 3000 मीटर या इससे भी अधिक ऊँचाई पर हो सकते हैं। उत्तरी भारत में ऐसे में जाड़े के दिनों में वर्षा देते हैं। स्तरीमेघ, जो पृथ्वी से 50-60 मिटर की ऊँचाई से लेकर कुछ 100 मिटर की ऊँचाई पर होते हैं, साधारणत: बरसते नहीं। यदि कभी-कभार ऐसे मेघ बरसते भी हैं तो बहुत हल्की फूहार के रूप में।

पहले हमारे देश में सबसे अधिक वर्षा असम राज्य के चेरापूंजी नामक स्थान पर होती थी, लेकिन अब मेघालय राज्य के मासिमग्राम में होती है। ऐसा पर्यावरण प्रदूषण के चलते हुआ है। दुनियां में सबसे ज्यादा आद्र यानि नमी वाली जगह के तौरपर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस स्थान का नाम दर्ज है। घने जंगल और बंगाल की खाड़ी की वजह से मासिमग्राम दुनियां का सबसे ज्यादा नम स्थान है। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट :- www.psfsm.in

आज ही जुड़ें

आप बेरोजगार हैं, समाज एवं परिवार का ताना सुन रहे हैं तो चिन्ता छोड़िए और आज से महीने का 25 से 30 हजार रूपये पारिश्रमिक कमा सकते हैं। केवल सच, मीडिया ग्रुप आपको सादर आमंत्रित करती है। इच्छुक व्यक्ति नीचे दिये नम्बरों पर सम्पर्क कर पूरी जानकारी ले सकते हैं।

त्रिलोकी नाथ प्रसाद	9308815605
प्रदीप कुमार सिन्हा	6204674225
रंजीत कुमार सिन्हा	9931783240
धर्मेन्द्र सिंह	9430230000
सुमित राज यादव	8987123161

एनजी-एलएनजी-सीएनजी और पीएनजी

● ललन कुमार प्रसाद

यह निर्विवादित सत्य है कि घरेलू, औद्योगिक और सड़क यातायात के रूप में श्रेष्ठत्तम ईंधन का एक बहुत ही अच्छा स्त्रोत है प्राकृतिक गैस यानि नेचुरल गैस। यह गैस आम तौरपर पेट्रोलियम के खनन के दौरान भूमि के अंदर दो हजार से पांच हजार मीटर की गहराई से प्राप्त होती है। यह गैस तेल कुओं और गैस कुओं के उत्खनन से खनीज तेल (मिनिरल ऑयल), जिसे अपरिस्कृत पेट्रोलियम या क्रूड मिनिरल ऑयल कहते हैं, के साथ-साथ प्राप्त होती है और इसे पाइपों के द्वारा जमीन के अंदर से निकाला जाता है। चूकि यह गैस उसी रूप में इस्तेमाल की जाती है, इसलिए इसे नेचुरल गैस या प्राकृतिक गैस कहते हैं।

प्राकृतिक गैस के मुख्य अवयव हैं मिथेन, इथेन और प्रोपेन। जिनके व्वायलिंग प्वाइंट्स (बीपी) क्रमशः -161.5 डि०से०, -88 डि०से० और -42.17 डि०से० है। प्राकृतिक गैस में इनकी मात्राएं क्रमशः 85 फिसदी, 10 फिसदी और 3 फिसदी होती है। इनके अतिरिक्त इसमें बहुत ही कम मात्रा में ब्यूटेन, प्रोपेन, हेक्सेन और हेप्टेन भी मिले रहते हैं। ये सभी दहनशील हाइड्रोकार्बन हैं।

इन सभी दहनशील गैसों के अतिरिक्त कार्बन डाईऑक्साइड, नाइट्रोजन, हीलियम और हाईड्रोजन सल्फाईड गैसें अशुद्धी के रूप में नेचुरल गैस में मौजूद रहती है। इसका उष्मीय मान समान्य तापमान और दबाव पर 12 हजार से 16 हजार किलो कैलोरी प्रति घन मीटर है। अर्थात् गैसीय ईंधनों में नेचुरल गैस का उष्मीय मान अधिकत्तम है।

जब तेल कुओं या गैस कुओं से अपरिस्कृत पेट्रोलियम या क्रूड ऑयल या क्रूड मिनिरल ऑयल पाइपों के जरीय जमीन की गहराई से निकाला जाता है तो धरातल पर पहुंचते ही तरल पेट्रोलियम या क्रूड पेट्रोलियम से गैसीय पेट्रोलियम या नेचुरल गैस स्वतः अलग हो जाती है, जो दो हजार से पांच हजार की गहराई में प्रचंड दवाब के चलते क्रूड ऑयल में घूली रहती है। इस तरह से प्राप्त गैसीय पेट्रोलियम को नेचुरल गैस (एनजी) कहते हैं। यही नेचुरल गैस चार रूपों में एनजी, एलएनजी, सीएनजी और पीएनजी के रूप में ईंधन के रूप में इस्तेमाल की जाती है। चूकि उत्खनन से प्राप्त नेचुरल गैस में कार्बन डाईऑक्साइड और हाईड्रोजन सल्फाईड जैसी जहरीली गैसें अशुद्धी के रूप में मिली रहती है। इसलिए तेल कुओं और गैस कुओं से नेचुरल गैस को इस्तेमाल करने पर तेल शोधक कारखानों में भेजकर अशुद्धी के रूप में मौजूद जहरीली गैसों को अलग करने के बाद ही ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

हमारे देश में नेचुरल गैस का उपयोग मुख्यतः घरेलू ईंधन के रूप में किया जाता है। भारत में रसोई गैस का 30 फिसदी हिस्सा प्राकृतिक गैस से प्राप्त होती है। लेकिन अब इसका उपयोग देश के कुछ बड़े शहरों में स्वचालित वाहनों में भी किया जाने लगा है। इस गैस की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी सहायता से स्वचालित वाहनों को ठीक उसी प्रकार चलाया जा सकता है जैसे पेट्रोल अथवा डीजल से चलाया जाता है। इसे उपयोग में लाने के लिए स्वचालित वाहन के इंजन में थोड़ी सी फेर-बदल करने की जरूरत पड़ती है। अमेरिका में यह कार्य 1970 में ही प्रारंभ हो गया था, जो अब काफी बढ़ गया है। वहां वाहनों के लिए प्राकृतिक गैस का उपयोग सीएनजी और एलएनजी के रूप में किया जाता है। सीएनजी का पूरा नाम संपीडित प्राकृतिक गैस यानि कम्पेस्ट नेचुरल गैस (सीएनजी) है और एलएनजी का पूरा नाम द्रवित प्राकृतिक गैस (लिक्यूफायड नेचुरल गैस, एलएनजी) है। द्रवित पेट्रोलियम गैस के भंडारण हेतु स्वचालित वाहन में छोटी सी टंकी बनी होती है, जो तापरोधी होती है। वाहन के अंदर टंकी से इंजन में पहुंचने के पहले ही द्रवित पेट्रोलियम गैस तांबे की नलियों में से गुजरते हुए पुनः गैस में तब्दील हो जाती है और उसी रूप में इंजन के दहन प्रकोष्ठ में प्रवृष्ट कर जाती है।

प्राकृतिक गैस की दूसरी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी दहन से प्रदूषण न्यूनतम फैलता है। द्रव अवस्था में लाने के लिए प्राकृतिक गैस का तापमान शून्य से 162 डि०से० यानि -162 डि०से० की अकल्पनीय ठंडक तक पहुंचाना पड़ता है। परन्तु द्रवित पेट्रोलियम गैस का उपयोग, भंडारण और स्थानांतरण इतना सुविधाजनक हो जाता है कि इसकी तुलना में इसे द्रवित करने में आयी दिक्कतें कुछ भी नहीं है। प्राकृतिक गैस के द्रवीकरण से दूसरा सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इसका आयतन 600 गुना कम जाता है। इस कारण सिलिण्डरों में बहुत अधिक गैस द्रव के रूप में भर ली जाती है। फलस्वरूप इसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना सुविधाजनक और कम खर्चिला हो जाता है।

कार्बन ब्लैक और कुछ कार्बनिक रसायन के निर्माण में भी प्राकृकि गैस प्रयुक्त होती है। मिथेन, इथेन और प्रोपेन, तीनों ही गैसें रंगहीन, गंधहीन और विषहीन होती है। इसलिए इन तीनों गैसों का मिश्रण भी रंगहीन, गंधहीन

और विषहीन होता है। यही कारण है कि द्रवित पेट्रोलियम गैस यानि एलएनजी पानी की तरह रंगहीन दिखती है। लेकिन रसोई गैस के रूप में जिस एलएनजी की आपूर्ति की जाती है, उसकी गंध बहुत ही तीक्ष्ण होती है। बात यह है कि एलएनजी अत्यधिक प्रज्वलनशील गैस होती है और इसका उष्मीय मान भी गैसीय ईंधनों में सर्वाधिक होता है। फलस्वरूप यदि उपयोग के समय गैस का रिसाव होने लगे तो प्रचंड विस्फोट के साथ भयंकर आग लग सकती है। परिणामस्वरूप जान-माल की भारी क्षति हो सकती है। दरअसल हवा में मिश्रित एलएनजी अत्यधिक खतरनाक विस्फोटक का रूप ले लेती है। एलएनजी मिश्रित हवा की विस्फोटक क्षमता की सीमा 1.4 से 7. 6 फिसदी है अर्थात यदि हवा में मात्र 1.4 से 7. 6 फिसदी के बीच की मात्रा में एलएनजी मिले होने से खतरनाक विस्फोट हो सकता है। इसलिए एलएनजी को सिलिण्डरों में भरने के ठीक पहले उसमें अत्यधिक अल्प मात्रा में तेज गंधयुक्त रसायन इथाइल मरकेप्टन या थायोफेन मिला दिया जाता है, जिससे की इसके रिसाव का अविलंब पता चल जाये। एलएनजी के घरेलू इस्तेमाल में वे ही सब सावधानियां बरतनी चाहिए जो एलपीजी (लिक्वीफायड पेट्रोलियम गैस) के इस्तेमाल में बढ़ती जाती है। इसकी विस्तृत जानकारी **केवल सच** पत्रिका के मार्च, 2018 में दे दी गई है।

प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा भंडार अमेरिका और रूस में है। इनके बाद अल्जीरिया का नंबर आता है। ईरान, कुबैत, सउदी अरब, कनाडा, निदरलैण्ड और भारत में भी यह गैस भारी मात्रा में उपलब्ध है। हमारे देश के पश्चिमी घाट और दक्षिण थाले में इस अद्वितीय गैस के विशाल भंडार है। भारत में इस गैस के बड़े भंडार त्रिपुरा और कृष्णा गोदावरी के बेसिन में तो है ही, बॉम्बे हाई से भी यह गैस बड़ी मात्रा में प्राप्त होती है। हमारे देश में इस गैस का कुल अनुमानित भंडार 47,900 लाख घन मीटर है, जिसका लगभग एक तिहाई भाग समुद्री क्षेत्र में पड़ता है।

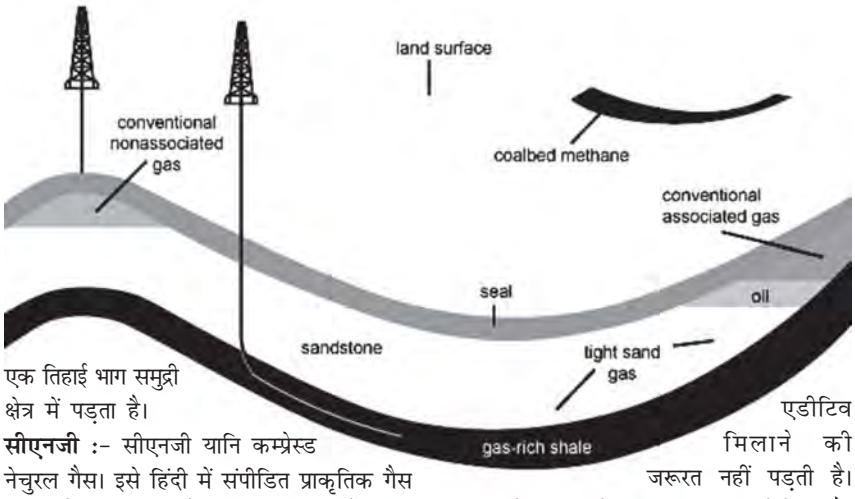

सीएनजी :- सीएनजी यानि कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस। इसे हिंदी में संपीडित प्राकृतिक गैस कहते हैं। प्राकृतिक गैस यानि नेचुरल गैस को वाहनों में प्रयोग करने के लिए 200 से 250 किलोग्राम प्रति वर्ग सेमी० तक दबाया जाता है। इसलिए प्राकृतिक गैस के दबाये हुए रूप को कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस कहा जाता है। प्राकृतिक गैस को दबाकर इसका आयतन कम करने का उद्देश्य है कि यह बहुत कम जगह घेरे और इंजन के दहन प्रकोष्ठ में यथोचित दबाब के साथ प्रविष्ठ हो। चूकि यह प्राकृतिक गैस का ही संपीडित रूप है, इसलिए सीएनजी का रसायनिक संगठन भी वही होता है, जो बगैर दबाये गये प्राकृतिक गैस का है। प्राकृतिक गैस की तरह सीएनजी के मुख्य अवयव है मिथेन (85 फिसदी), इथेन (10 फिसदी) और प्रोपेन (3 फिसदी) है। प्राकृतिक गैस की तरह सीएनजी भी रंगहीन, गंधहीन और विषहीन होती है। यह हवा से मामूली सी हल्की होती है। वाहनों में प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल 1930 में शुरू हुआ।

सीएनजी के फायदे :-

1. सीएनजी का ऑक्टेन नंबर 130 है, इसलिए इसका दहन बिना किसी रूकावट के होता है। इसलिए पेट्रोल और डीजल की तरह इसमें एंटीनॉक एडीटिव मिलाने की जरूरत नहीं पड़ती है। अत: इस्तेमाल करने पर इसकी खपत पेट्रोल और डीजल की तुलना में ढ़ाईगुणा कम होती है। अर्थात् समान मात्रा में इस्तेमाल करने पर इससे पेट्रोल और डीजल की तुलना में ढ़ाईगुणा से भी अधिक दूरी तय की जा सकती है।
2. सीएनजी की कीमत पेट्रेल और डीजल की तुलना में लगभग आधी है। इसलिए समान पैसा खर्च कर सीएनजी के इस्तेमाल द्वारा पेट्रोल और डीजल की तुलना में लगभग ढ़ाईगुणा से भी अधिक दूरी तय कर सकते हैं।
3. सीएनजी का इस्तेमाल करने पर पेट्रोल और डीजल की तुलना में कार्बन मोनोऑक्साईड के उत्सर्जन में 70%, नाईट्रोजन के ऑक्साईड्स के उत्सर्जन में 87% और जैविक गैसों की उत्सर्जन में 89% कम होती है। इसलिए सीएनजी का इस्तेमाल करने पर पेट्रोल और डीजल की तुलना में पर्यावरण अत्यधिक कम प्रदूषित होता है। अर्थात सीएनजी इकोफ्रेंडली ईंधन है। अत: सीएनजी स्वचालित वाहनों का इस्तेमाल करने पर पटना की बिगड़ी हुई पर्यावरणीय स्थिति में बहुत अधिक सुधार किया जा सकता है।
4. इंजन ऑयल में सीएनजी अघुलनशील है।

इसलिए लुब्रीकेटिंग ऑयल के रूप में प्रयुक्त किये जाने वाले इंजन ऑयल का गुण बहुत लंबे समय तक ज्यों का त्यों बना रहता है। फलस्वरूप इसका इस्तेमाल करने पर जल्दी-जल्दी इंजन ऑयल बदलने की जरूरत नहीं पड़ती है। जिससे की इंजन की लाइफ बहुत बढ़ जाता है। इतना ही नहीं बार-बार इंजन ऑयल बदलने की परेशानी और खर्च दोनो से राहत मिल जाती है।

5. सीएनजी चालित इंजन में स्पार्क प्लग कार्बोनाइज नहीं होता है। इसलिए सीएनजी चालित इंजन का लाइफ पेट्रोल और डीजल चालित इंजन की तुलना में अधिक लंबा होता है।

6. सीएनजी का प्रज्वलन तापमान 540 डि०से० है, जबकि पेट्रोल का 228 डि०से० और डीजन का 256 डि०से०। इसलिए आगजनी की आशंका पेट्रोल और डीजल चालित वाहनों की तुलना में बहुत कम रहती है।

7. पेट्रोल और डीजल चालित वाहनों की तुलना में सीएनजी चालित वाहनों में विस्फोट की संभावना भी कम होती है।

सीएनजी चालित वाहन के दोष :-

1. सीएनजी चालित वाहन का सबसे बड़ा दोष यह है कि ये भारी बोझ नहीं ढ़ो सकते हैं। यही कारण है कि सीएनजी का इस्तेमाल कर भारी वाहन जैसे ट्रक, युद्धक टैंक, आदि नहीं चलाये जा सकते हैं। इसलिए आम तौरपर सीएनजी का रूपांतरण (कन्वर्जन) का कार्य हल्के और छोटे वाहनों के लिए किया जाता है।

2. सीएनजी चालित वाहन बहुत जल्दी गर्म हो जाते हैं, जिसके चलते ये चलते-चलते एकाएक रूक जाते हैं। इसलिए सीएनजी वाहन का इस्तेमाल लंबी दूरी तय करने के लिए नहीं किया जाता है। फिर सीएनजी वाहन काफी मात्रा में गर्मी छोड़ते हैं, इसलिए जिस किसी शहर में भारी संख्या में सीएनजी वाहन चलते हैं तो वह शहर उष्मा प्रदूषण का शिकार हो जाता है। इसलिए सीएनजी चालित वाहन ठंडा वातावरण वाले देशों के लिए उपयुक्त है, भारत जैसे गर्म देश के लिए नहीं।

3. सीएनजी चालित वाहनों का पिकअप कुछ हद तक संदेहात्मक है, क्योंकि सीएनजी सिलिण्डर के कम दबाव की स्थिति में भारी बोझ से लदे सीएनजी वाहनों के स्टार्टिंग में दिक्कत पेश आती है।

4. पेट्रोल और डीजल चालित वाहनों की कीट की तुलना में सीएनजी इग्निशन काफी मंहगी होती है। इसलिए पेट्रोल और डीजल चालित वाहनों की तुलना में सीएनजी चालित वाहन काफी मंहगे होते हैं।

5. डीजल बस के चेचिस के मुकाबले सीएनजी बस के चेचिस अधिक लंबी होती है। इसलिए सीएनजी चालित बस का बॉडी डीजल चालित बस से अपेक्षाकृत बड़ी होती है। इसलिए सीएनजी चालित बस के निर्माण पर डीजल चालित बस का निर्माण की तुलना में बहुत अधिक खर्च आता है।

6. सीएनजी फीलिंग स्टेशन का निर्माण काफी मंहगा है। सीएनजी वाहनों की लीक टेस्टिंग रिसाव की जांच तथा सीएनजी कीट को लगाने से लेकर इससे जुड़े अन्य उपकरणों के रख-रखाव (मेंटेनेंस) के लिए सर्विस स्टेशनों तथा वर्क शॉप स्थापित करना काफी खर्चिला काम है। इसलिए शहरों में इनकी संख्या जितनी होनी चाहिए, उतनी नहीं होती है। अत: सीएनजी चालित वाहनों के मालिक को वाहनों में सीएनजी फीलिंग तथा उसके रख-रखाव को लेकर काफी परेशानी झेलनी पड़ती है तथा समय की भी भारी बर्बादी होती है।

सीएनजी के इस्तेमाल से जुड़ी सावधानियां :-

1. स्वचालित वाहनों में उन्ही सीएनजी किट्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जो ऑटो मोबाईल

ऐशोसिएशन ऑफ इंडिया (एएमआई), पूणा तथा इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी), देहरादून से स्वीकृत है।

2. वाहन में सीएनजी किट को उसी वर्क शॉप पर लगवाना चाहिए, जो आपूर्तिकर्ता या निर्माणकर्ता के द्वारा अधिकृत है।

3. वाहन में उसी सीएनजी सिलिण्डर को लगवाना चाहिए, जिसे चीफ कंट्रोलर ऑफ एक्सप्लोसिव से स्वीकृत है।

4. वाहन में लगे इंजन का सीएनजी में रूपांतरण (कंवर्जन) रिजनल ट्रांस्पोर्ट एजेंसी के द्वारा अधिकृत वर्क शॉप पर कराना चाहिए।

5. फ्यूयेल सिस्टम में कही भी रिसाव नहीं होनी चाहिए।

6. सीएनजी चालित वाहनों को ज्वलन के स्त्रोत या आग से 6 मीटर की दूरी के अंदर खड़ी नहीं करनी चाहिए।

7. सीएनजी वाहन के सिलिण्डर की हाइड्रोकली जांच प्रत्येक पांच वर्ष के अंतराल पर किसी अधिकृत वर्क शॉप पर कराके प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लेना चाहिए।

8. वाहन में लगाया गया सीएनजी किट ठीक से कार्य कर रहा है या नहीं यानि संतोषजनक है कि नहीं, इसकी जांच अधिकृत सीएनजी कंवर्जन वर्क शॉप पर साल में एक बार अवश्य करानी चाहिए और जांच करा लेने पर उसका प्रमाण-पत्र भी ले लेना चाहिए, क्योंकि इस प्रमाण-पत्र को सीएनजी गैस फीलिंग स्टेशन पर दिखाना अनिवार्य है।

9. यदि सीएनजी चालित वाहन कभी किसी दुर्घटना का शिकार हो जाये तो उस वाहन का किसी अधिकृत वर्क शॉप पर पूर्णतया जांच कराकर प्रमाण-पत्र ले लेना चाहिए।

10. सीएनजी चालित वाहन को उस जगह पर खड़ी नहीं करनी चाहिए, जो हवादार नहीं है।

11. सीएनजी चालित वाहन में एलपीजी या अन्य कोई भी सिलिण्डर नहीं लगवानी चाहिए। ऐसा किया जाना केवल असुरक्षित ही नहीं है, बल्कि गैरकानूनी भी है।

12. सीएनजी चालित वाहन रखने वाले को सीएनजी सिलिण्डर को जिस निर्धारित स्थान से ऑपरेट किया जाता है, उसकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए। सीएनजी चालित वाहन रखने वाले को इस बात की भी जानकारी होनी चाहिए कि सिस्टम में मास्टर शट-ऑफ वाल्व और बर्स्ट डिस्क कहां पर लगा हुआ है।

पीएनजी :- पीएनजी का पूरा नाम पाइप नेचुरल गैस है। चूकि पाइप के द्वारा नेचुरल गैस की आपूर्ति की जाती है, इसलिए नेचुरल गैस के इस रूप को पाइप नेचुरल गैस कहा जाता है। आज पटना शहर के सैकड़ों घरों में पीएनजी की आपूर्ति की जा रही है और निकट भविष्य में शीघ्र ही पटना शहर के कई मुहल्लों में इसकी आपूर्ति की जायेगी। पीएनजी की कई विशेषताएँ है। पहली विशेषता है कि यह एलपीजी से सस्ती है, दूसरी विशेषता है कि इसका उष्मीण मान एलपीजी से अधिक होता है। तीसरी विशेषता है कि गैस सिलिण्डर रखने और उसे भरवाने की परेशानी से मुक्ति मिल जाती है। चौथी विशेषता है कि एलपीजी के मुकाबले सीएनजी बेहतर ईंधन है, क्योंकि इसका दहन अपेक्षाकृत बेहतर है। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट :- www.psfsm.in

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

☆ क्या कोई हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी मेंटेनेंस का दावा कर सकती है?

हिंदू, दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 की धारा 18 दो में उस अवस्थाओं का वर्णन है, जिनमें एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण-पोषण का दावा कर सती है (1) यदि पति-पत्नी के अभित्याग का अपराधी हो अर्थात पति उचित कारण के बिना या बिना पत्नी की राय के या उसकी इच्छा के विरूद्ध उसे त्यागता है या उपेक्षा पूर्वक उसकी अवहेलना करता है(2) यदि पति ने इस प्रकार के निर्दयता का व्यवहार किया है, जिससे उसकी पत्नी के दिमाग में युक्तियुक्त संदेह उत्पन्न हो जाए कि उसका पति के साथ रहना हानिकारक या घातक है (3) यदि पति कुछ रोग से ग्रसित है (4) यदि पति की कोई दूसरी जीवित पत्नी है उस घर में जिसमें उसकी पत्नी रहती है, उसी में रखैल रखता है या अन्यत्र कहीं उस रखैल के साथ प्राय: रहता है (5) यदि यह हिंदू धर्म त्याग कर कोई दूसरा धर्म अपना लेता है (6) यदि कोई अन्य कारण है जो उसके पृथक निवास को न्यायोचित ठहराता है। यहाँ त्याग तथा क्रूरता की स्थिति का निर्वचन उसी अर्थ में किया जाएगा जिस अर्थ में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 10 एवं 13 के अंतर्गत किया गया है। उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्णय से यह प्रतिष्ठित हो चुक है कि अभीत्याग के लिए पृथक निवास तथा वैवाहिक संबंध समाप्त करने का स्थाई आशय आवश्यक तत्व है और क्रूरता शारीरिक एवं मानसिक दोनों हो सकती है, केरल उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने एक वाद में सामाजिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया कि जहाँ पति अभित्याग का दोषी है वहाँ यह साबित करना ही पर्याप्त होगा कि वह अलग रह रहा है। (चरू बनाम क्रॉउन 1929) 10 लाहौर 265) दत्तक ग्रहण अधिनियम और भरण-पोषण अधिनियम ने पत्नी के पृथक निवास और भरण-पोषण अधिकार को विस्तृत कर दिया है। इसकी धारा 18(2) में ऐसी दशाओं का वर्णन किया गया है, जिसके अनुसार एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण-पोषण प्राप्त करने का दावा कर सकती है। भरण-पोषण का अधिकार व्यक्तिगत होने से पत्नी अपने पति के जीवन काल में उसके किसी अन्य संबंधी को इस उपधारा के अधीन भरण-पोषण पाने के लिए तथा अलग निवास के अधिकार के लिए रखैल और पत्नी का उसी घर में रहने की बात साबित होना जरूरी है। किंतु उपर्युक्त स्थिति में जब की रखैल उसी घर में रह रही है और पत्नी अलग हो गइ हो तो धारा 18(2)(7) के अधीन भरण-पोषण पाने की अधिकारी हो जाएगी (भद्र रेड्डी बनाम शानमया ए आई आर 1987 कर्नाटक 209) नरेन्द्र पाल कौर चावला बनाम मनजीत सिंह चावला ए.आई.आर. 2008 दिल्ली 07 के मामले में न्यायालय ने यह कहा कि जहाँ पति ने अपनी पत्नी के होते हुए दूसरी पत्नी से विवाह किया है और उसकी दूसरी पत्नी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसके पति ने इस विवाह के पूर्व विवाह संपन्न किया है और दूसरी पत्नी की सिर्फ से वह 14 वर्षों से लगातार उसके साथ निवास कर रही है जिसके परिणाम स्वरूप उससे उसको दो पुत्रियां उत्पन्न हुई उपरोक्त मामलों का अवलोकन करते हुए न्यायालय ने यह भी निर्धारित किया कि दूसरी पत्नी हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण-पोषण अधिनियम की धारा 18 की उप धारा 2 के अंतर्गत उसकी पहली पत्नी के जीवित रहते रहने की अवस्था में भी वह अपने पति से भरण-पोषण प्राप्त कर सकती है। इस संबंध में न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दूसरी पत्नी से इस विश्वास के साथ विवाह किया गया कि वह उससे पहली बार विवाह जब पत्नी की ओर से कोई वाद पृथक भरण-पोषण के लिए न्यायालय में दायर किया जाता है तो न्यायालय को अधिकार है कि पत्नी एवं पति के पारस्परिक संबंध के स्वीकृत हो जाने पर अंतरिम भरण-पोषण का प्रबंध कर दें। मीना चोपड़ा बनाम दीपक चोपड़ा ए.आई.आर. 2002 दिल्ली के मामले में पति एक बहुत हीअमीर व्यक्ति था जो अनैतिक जीवन व्यतीत करता था। विवाह उपरांत उसने अपनी पत्नी से विवाह विच्छेद कर लिया था। पत्नी ने विवाह विच्छेद के पश्चात् अपने भरण-पोषण के लिए हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण-पोषण अधिनियम के अंतर्गत एक आवेदन न्यायालय के समक्ष दिया प्रस्तुत मामले में न्यायालय ने पति की स्थिति का अवलोकन करते हुए आदमी को अधिनियम की धारा 18 के अंतर्गत 20000 रूपये प्रतिमाह भरण-पोषण हेतु देने का आदेश दिया।

☆ फुटपाथ पर अपना जीवन गुजर बसर करने वाले गरीबों के आवास के लिए कोई कानून बनाया गया है?

फुटपाथ पर अपना जीवन बीताने वाले लोगों को आश्रय उपलब्ध कराना यह सरकार की जिम्मेवारी है? इसके लिए इंदिरा आवास योजना, रैन बसेरा इत्यादि कार्यक्रम सरकार के द्वारा चलाए जाते हैं, सुप्रीम कोर्ट ने भी इस संबंध में पीपुल्स यूनियन फोर सिविल लिबर्टीज बनाम भारत संघ 2001 की रिट याचिका संख्या 196/2001 पर दिए निर्णय में न्यायालय ने यह आदेश दिया है कि फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को आश्रय देने की जिम्मेदारी सरकार की है न्यायालय के कमिश्नर डॉ. एन.सी. सक्सेना और स्पेशल कमिश्नर हर्ष मंडल ने यह निर्णय 2 फरवरी 2010 को दिया था।

☆ दहेज हत्याके एक मामले में सेशन जज ने दहेज हत्या 304 (बी) एवं हत्या 302 भारतीय दंड संहिता की धाराओं में आरोप गठन किया गया है क्या यह सही है?

सुप्रीम कोर्ट की एक खंडपीठ ने 22 नवंबर 2010 को दहेज हत्या संबंधी राजवीर एवं अन्य बनाम राज्य 2010 के एक मामले का निस्तारण करते हुए देश की सभी निचली अदालतों को यह निर्देश दिया है कि दहेज प्रताड़ना से हुई मौत के मामले में यह मुदालय पर धारा 304 बी के साथ 302 हत्या के अपराध का भी आरोप गठन करें ताकि इस जघन्य अपराध के लिए उसे मौत की सजा दी जा सके। यह महत्वपूर्ण आदेश न्यायमूर्ति मार्केंडेय काटजू और न्यायमूर्ति ज्ञान सुधा मिश्रा की पीठ ने हरियाणा के दहेज हत्या के उक्त मामले में सुनवाई के दौरान दिया था।

☆ दो नपुंसकों या दो पुरूषों या स्त्रियों के बीच किया गया विवाह वैध होता हे?

दो नपुंसकों के बीच किया गया विवाह शुन्य होता है। यही बात दो पुरूषों के बीच या दो महिलाओं के बीच किया गया विवाह के ऊपर भी लागू होता है, क्योंकि विवाह के लिए दो पक्षकार होनी चाहिए, जिसमें एक पक्षकार का पुरूष होना तथा दूसरे पक्षकार का स्त्री होना आवश्यक होता है। इसलिए यदि दो पुरूष आपस में विवाह करते हैं तो यह विवाह शुन्य माना जाएगा या दो महिला आपस में विवाह करती है तो भी यह विवाह शुन्य होता है।

एसोचौम की कौशल इंडिया की तरफ नई पहल

● ब्रजेश कुमार मिश्रा

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं, कौशल विकास, उद्यमशीलता और रोजगार सृजन में से एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। सरकार ने पीएमकेवीवाई (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) की शुरूआत सहित विभिन्न पहल की, जो युवाओं के लिए कौशल विकास और कौशल प्रशिक्षण सुनिश्चित करने वाली योजना है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा करने के प्रयास में, 7 जून, शुक्रवार को बीएनआर चाणक्य रांची में द एसोसिएटेड चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया ने स्किलिंग इंडिया, ''द वे फॉरवर्ड'' पर एक शिखर सम्मेलन-सह-पुरस्कार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओ को जरूरी कौशल प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाकर सशक्त बनाना है, ताकि वे देश के विकास की कहानी का अभिन्न हिस्सा बन सके और बेरोजगारी की समस्या से बाहर निकलकर एक ऐसे भारत का निर्माण हो जिसमें हर किसी के पास युक्ति हो जिससे वो खुद को निखार सके। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री सी पी सिंह (शहरी विकास और परिवहन मंत्री - झारखंड सरकार), श्री सरयू राय (माननीय खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री - झारखंड सरकार) मौजूद रहे। अमर झा (सी ई ओ झारखंड कौशल विकास मिशन समाज) अमर झा झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी ने सभा को संबोधित किया जहां उन्होंने देश में रोजगार प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया ओर उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत में लोगों ने शिक्षा क्षेत्र के विकास पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया लेकिन कौशल विकास की प्रासंगिकता को भूल गए। श्री सी पी सिंह ने मोदी सरकार, झारखंड राज्य सरकार द्वारा चलाये गए कौशल विकास योजना में रुचि लेने वाले युवाओं और कौशल भारत की पहल में भाग लेने के लिए बधाई दी। सरयू राय ने निर्धारित कौशल विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रयासों पर जोर दिया ताकि भारत को एक कुशल राष्ट्र बनाया जा सके। शिखर सम्मेलन के मौके पर, एसोचौम ने भी कौशल प्रदान करने वाले संगठनों के प्रयासों को सराहना देते हुए पुरस्कार प्रदान किए। सत्र का अंतिम भाग श्री भरत जायसवाल, क्षेत्रीय निदेशक एसोचौम, रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा वोट ऑफ थैंक्स और समापन के साथ समाप्त हुआ। इस मौके पर डॉ एम के वाजपेयी(वाईस चांसलर ऑफ कैपिटल यूनिवर्सिटी), चंद्रभूषण चक्रवर्ती (वाईस प्रेसिडेंट, amway india), डॉ श्री रंजन (आई ए एस, रिटायर्ड , डायरेक्टर इंस्टीटूट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट) मौजुद थे। इस समारोह में डॉ नीलम गुप्ता(प्रेजिडेंट आरोह फाउंडेशन), श्री मुकेश सिन्हा(सी ई ओ ग्रविट्स कंसल्टेंट्स लिमिटिड), मिस श्रुति वर्मा (जी एम, सी एस डी ई कंसल्टेंसी), ओर श्री जतिन त्रिवेदी (हेड स्किल डेवलपमेंट), अडानी स्किल डेवलपमेंट सेन्टर ने अपने विचार प्रस्तुत किये। ●

मुख्यधारा में शामिल होने को नक्सलियों ने किया आत्म-समर्पण

● अजय कुमार

झारखण्ड प्रदेश वर्षों से दो महत्वपूर्ण चीजों के लिए जाना जाता रहा है-एक तो यहाँ की अद्भुत खनिज संपदा तो दूसरी तरफ नक्सलियों का आतंक। प्राय: झारखण्ड राज्य के कुछ जिलों को छोड़ दे, तो लगभग कई ऐसे जिले आपको मिल जायेंगे जो आज भी कई कारणों से विकास से कोसो दूर है, लिहाजा यहां के आदिवासी वर्ग अपने हक और हुकूक के लिए सरकार के विरोध में हथियार उठाती रही है और झारखण्ड की धरती रक्तरंचित होती रही है। हालांकि इस दिशा में वर्तमान सरकार काफी सक्रिय दिख रही है। नतीजतन विकास के साथ नक्सलियों को मुख्य धारा में लाने का प्रयास धीरे-धीरे सफल होता दिख रहा है, लिहाजा छ: नक्सलियों ने बीते दिनों समाज की मुख्य धारा में लौटकर खुद को पुलिस के समक्ष अपना आत्म-समर्पण किया है।

गौरतलब हो कि पांच लाख रुपये की इनामी पीसी दी उर्फ प्रिसिला उर्फ सावड़ी देवी और किरण उर्फ पक्कू समेत छ: हार्डकोर नक्सलियों ने झारखण्ड के दुमका में सरेंडर कर दिया। आत्म-समर्पण करने वाले नक्सलियों में पूर्व नक्सली ताला दा की पत्नी पक्कू शामिल है। बताते चले कि पक्कू के खिलाफ 16 मुकदमे दर्ज हैं। पीसी दी के पति सुखलाल देहरी ने भी पुलिस के सामने हथियार डाल दिये हैं। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में पीसी दी और किरण दी सबजोनल कमांडर थीं, जबकि सिद्धो मरांडी एरिया कमांडर। ये नक्सली अपने साथ-साथ अत्याधुनिक अथियार को भी सरेंडर किश्स। सनद् रहे कि पीसी दी ने एके-47, किरण दी ने कारबाईन, सिद्धो मरांडी ने इंसास राइफल, सुखलाल देहरी ने पिस्टल और भगत सिंह किस्कू ने राइफल के साथ सरेंडर किया है। ज्ञात हो कि किरण दी और पीसी दी पर 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित था, जबकि सिद्धो मरांडी, प्रेमशीला देवी पर एक-एक लाख रुपये का इनाम रखा गया था। ये सभी नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) से जुड़े थे। वही पुलिस द्वारा बताया गया कि झारखंड सरकार के प्रत्यार्पण एवं पुनर्वास योजना से प्रभावित होकर इन नक्सलियों ने सरेंडर किया है। सभी ने अपने-अपने परिजनों के माध्यम से आवेदन दिया था कि वे आत्मसर्पण करना चाहते हैं। सरेंडर करने वाले 6 नक्सलियों में तीन पुरुष और तीन महिला हैं। इनके नाम सुखलाल देहरी उर्फ

कंदरा देहरी, पीसी दी उर्फ प्रिसिला देवी उर्फ सावड़ी सिंह, प्रेमशीला उर्फ होपन टी, किरण टुडू उर्फ पक्कू टुडू उर्फ उषा टुडू उर्फ फुलीना टुडू, भगत सिंह उर्फ भगत सिंह हेम्ब्रम उर्फ बाबूराम हेम्ब्रम और सिद्धो मरांडी उर्फ कन्हु हैं। इनमें पांच दुमका के रहने वाले हैं, जबकि एक पाकुड़ का। पाकुड़ की नक्सली किरण टुडू उर्फ पक्कू टुडू पूर्व नक्सली ताला दा की पत्नी है। उसके पिता का नाम कटू टुडू है। वह पाकुड़िया थाना क्षेत्र के गायपाथर की रहने वाली हैं। वहीं, सुखलाल देहरी और पीसी दी, जो पति-पत्नी हैं, दुमका जिला के काठीकुंड थाना क्षेत्र के छोटा तेतुलमाठ के रहने वाले हैं. वहीं, प्रेमशीला, भगत सिंह और सिद्धो मरांडी दुमका के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। सिद्धो मरांडी धर्मपुर गांव का है, तो प्रेमशीला धर्मपुर और भगत सिंह शंकरपुर (मलुटी) का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि ये सभी नक्सली दुमका और संथाल परगना के अन्य जिलों में सक्रिय थे। ये लोग सबजोनल कमांडर ताला दा उर्फ सहदेव राय के दस्ता में सक्रिय थे। दस्ते के लिए इन्होंने कई घटनाओं को अंजाम दिया था। ताला दा 13 जनवरी, 2019 को पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था। सुखलाल देहरी और प्रेमशीला देवी को छोड़कर सभी चार नक्सली काठीकुंड थाना क्षेत्र में 2 जुलाई 2013 को पाकुड़ में एसपी अमरजीत बलिहार हत्याकांड में शामिल थे। इनके विरुद्ध दुमका जिला में कई केस दर्ज हैं। सरेंडर करने वाले सभी नक्सलियों को झारखंड सरकार की सरेंडर पॉलिसी के तहत पुलिस की ओर से तत्काल एक-एक लाख रुपये दिये गये। नीति के तहत दी जाने वाली अन्य सुविधाएं भी इन्हें जल्द ही उपलब्ध करायी जायेंगी। इतना ही नहीं, इन सभी को व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिया जायेगा, ये आम और इज्जतदार शहरी की तरह जीवन व्यतीत कर सकें। इन सभी नक्सलियों को अपना केस लड़ने के लिए सरकार की ओर से वकील उपलब्ध कराया जायेगा।

बताते चले कि उक्त मौके पर डीआइजी संथाल परगना राजकुमार लकड़ा, डीआइजी एसएसबी सुमित जोशी, एसपी वाईएस रमेश, एसएसबी के कमांडेंट परीक्षित बेहरा, डीडीसी वरुण रंजन, अपर समाहर्ता सुनील कुमार, एसडीओ राकेश कुमार, एसएसबी के द्वितीय कमान अधिकारी संजय कुमार गुप्ता, एएसपी अभियान आरसी मिश्रा और एमानुएल बास्की सहित अन्य मौजूद थे। ●

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/वक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

www.shrutlcommunicationtrust.org

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)
Jharkhand State Office:- Sector - 1, Block - 22, Flat No.- 303, Khelgaon Houseing Colony, Hotwar, Ranchi
Mob.- 9431073769

आमंत्रण

श्रद्धांजलि

महासभा

मेरे प्यारे बहनों -भाईयों एवं परिजनों,

आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि दिनांक 13 जुलाई, 2019 (शनिवार) को समय 03 बजे श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट एवं केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी का " 117वाँ श्रद्धांजलि महासभा " का आयोजन किया जा रहा है। बिहार की गौरवशाली पहचान चाणक्य एवं आर्यभट की पावन धरती पटना के ऐतिहासिक श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल, गाँधी मैदान, पटना में श्रद्धांजलि महासभा को देश-प्रदेश के कई गणमान्य अपने विचार को संबोधित करेंगे तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को " अध्यात्मिक गुरू स्वामी विवेकानन्द केवल सच सम्मान- 2019 " से कर्मयोगियों को सम्मानित करेंगे।

आप से निवेदन है कि इस श्रद्धांजलि महासभा में सपरिवार सहित अपने मित्र - मंडली के साथ भाग लेकर ऊर्जावान संघषशील पत्रकारों को स्वच्छ पत्रकारिता-स्वस्थ्य पत्रकारिता निर्माण में सहभागी बने। आपकी उपस्थिति हम युवाओं का आत्म -बल बढ़ायेगी।

-: निवेदक :-

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट / पत्रिका परिवार

www.kewalsach.com

दिनांकः- 13 जुलाई, 2019

स्थानः- श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल, गाँधी मैदान, पटना

ब्रजेश मिश्र

संस्थापक संपादक

9431073769

9955077308

निर्भीकता हमारी पहचान

केवल सच

हिन्दी मासिक पत्रिका

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

हरबार मजबूत प्रयास

प्रधान कार्यालयः- पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-14/28, कंकड़बाग कॉलोनी, पटना- 800020 (बिहार)

झारखण्ड कार्यालय :- खेलगांव हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-1, ब्लॉक-22, फ्लैट संख्या-303, खेलगांव, राँची (झारखण्ड)

सम्पर्क संख्याः- 9431073769, 8340360961

www.kewalsach.com & www.shruticommunicationtrust.org